जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 13 सितम्बर, 2026

RAJ/P/2026/5326

KEDIA
आरण्यम
ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

ऐतिहासिक | अद्भुत | अभूतपूर्व

ये है राजस्थान का

केडिया ब्रांड पर भरोसा

NO MIDDLE MEN

लॉन्च होने से पहले ही
100% BOOKED

FIXED PRICE

कल (गणेश चतुर्थी) की लाँच रेट:
₹18000 प्रति वर्ग गज

दिवाली की रेट:
₹20,000 प्रति वर्ग गज

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

T&C Apply*

विचार बिन्दु

ईश्वर द्वारा निर्मित जल और वायु की तरह सभी चीजों पर सबका समान अधिकार होना चाहिए। –महात्मा गाँधी

वनों की बहुआयामी जटिलता का सौन्दर्य

यह जिए हुए जीवन का कथ्य है। जंगल कभी सीधे खड़ा नहीं होता। वह थोड़ा-सा झुका रहता है, जैसे पृथ्वी के कान में कोई धीमी परंतु दीर्घ कथा कह रहा हो–एक ऐसी कथा जिसमें तापमान के आँकड़े भी हैं, मेघों की छाया भी, कार्बन का अदृश्य भार भी और मनुष्य की थकी हुई साँस भी। जंगल केवल वृक्षों का समुदाय नहीं; वह एक जीवित तंत्र है, जो एक साथ तीन भाषाएँ बोलता है–पारिस्थितिकी की, अर्थव्यवस्था की और समाज की। इन तीनों के बीच उसकी जड़ें एक जटिल लिपि की तरह गुंथी रहती हैं, जिन्हें पढ़े बिना कहानी अधूरी रह जाती है।

पारिस्थितिकी की भाषा मिट्टी समझती है। जड़ें समझती हैं। कवक और सूक्ष्मजीव समझते हैं। जंगल ऊर्जा का प्रवाह है–सूर्य से पत्ती तक,पत्ती से तने तक,तने से जड़ों तक और फिर मिट्टी से जीवन की अगली परत तक। वह पोषक तत्वों का चक्र है। वह कार्बन का संचयन है। वह जल का पुनर्वितरण है। वह जैवविविधता का आश्रय है। यहाँ गिरती हुई पत्ती केवल क्षय नहीं, पुनर्जनन की शुरुआत है। गिरे हुए वृक्ष का तना केवल लकड़ी नहीं, दीर्घकालिक कार्बन–संग्रहण और सैकड़ों प्रजातियों का निवास है। जंगल स्वयं को चक्रों में पुनर्निर्मित करता है–धीरे, पर स्थायी रूप से–और इसी धीमेपन में वह जलवायु को भी संतुलित करता है। उसकी सतह खुरदुरी है; वह हवा की चाल बदल देती है। वायुगतिकीय खुरदराहट सीमा–परत को प्रभावित करती है, ऊष्मा का ऊर्ध्वाधर आदान–प्रदान बढ़ाती है और स्थानीय ताप–विन्यास को पुनर्गठित करती है। जंगल केवल छाया नहीं, वायुमंडलीय मिश्रण भी है।

जब वैज्ञानिकों ने ताप मापा तो पाया कि वन के भीतर अधिकतम तापमान औसतन लगभग 4 डिग्री सेल्सियस कम और न्यूनतम तापमान लगभग 1 डिग्री अधिक होता है। इसका अर्थ है कि जंगल चरम सीमाओं को घटाता है। दिन की धूप कम तीखी, रात की ठंड कम कठोर। उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में यह शीतलन और भी तीव्र है–लगभग 6 डिग्री तक। शहरों में वृक्ष 1.5 से 1.7 डिग्री तक ताप घटा सकते हैं और अनुभूत ताप 6 से 14 डिग्री तक कम हो सकता है, जिससे श्रम–क्षमता बचती है और ऊष्मा–जनित जोखिम घटता है। यह केवल छाया का प्रभाव नहीं; यह वाष्पोत्सर्जन का परिणाम है, जहाँ पत्तियाँ जल को वाष्प में बदलकर ऊष्मा सोख लेती हैं। पर उसी छतरी का एक दूसरा पक्ष भी है–रात में वह धरती से निकलने वाली दीर्घ–तरंग ऊष्मा को रोक सकती है, जिससे न्यूनतम ताप बढ़ जाता है। जंगल ताप का विरोधाभास है–दिन में शीतलन, रात में ऊष्मन का हल्का आवरण।

यह विरोधाभास वैश्विक स्तर पर और स्पष्ट होता है। वन का अल्बीडो–उसकी परावर्तन क्षमता–प्रायः कम होती है। जहाँ भूमि पहले उजली थी–हिमाच्छादित क्षेत्र, टुंड्रा या घासभूमि–वहाँ वन अधिक सौर विकिरण अवशोषित कर सकता है। 35 डिग्री अक्षांश के नीचे वन प्रायः शुद्ध शीतलन देते हैं; 35 डिग्री से 45 डिग्री के बीच प्रभाव संतुलित हो सकता है; 45 डिग्री उत्तर के ऊपर कुछ परिस्थितियों में वन शुद्ध ऊष्मन भी दे सकते हैं। इसलिए वनरोपण सर्वत्र समाधान नहीं। जहाँ प्राकृतिक रूप से 30 प्रतिशत या उससे अधिक वृक्षावरण संभव है, वहाँ वन विस्तार अधिकतर शीतलन देता है; विरल प्राकृतिक वृक्ष क्षमता वाले क्षेत्रों में सावधानी आवश्यक है। वन की आयु भी महत्त्वपूर्ण है–युवा रोपण अधिक जल–उपभोक्ता और तीव्र वृद्धि वाले हो सकते हैं, जबकि परिपक्व प्राकृतिक वन अधिक संतुलित जल–प्रयोग और स्थिर कार्बन–संग्रहण प्रदर्शित करते हैं।

जंगल कार्बन का विशाल भंडार है। वैश्विक स्तर पर वह प्रति वर्ष लगभग 0.93 से 1.39 गीगाटन कार्बन का शुद्ध अवशोषण करता है। उष्णकटिबंधीय वन विशेष रूप से सघन हैं–उनकी उच्च उत्पादकता और जैवभार उन्हें शमन में केंद्रीय बनाते हैं। वृद्ध वन–जहाँ बड़े वृक्ष और समृद्ध मिट्टी है–दीर्घकालिक कार्बन–संग्रहण के सबसे विश्वसनीय स्तंभ हैं। यदि 10 डिग्री उत्तर से 10 डिग्री दक्षिण के उष्णकटिबंधीय वन समाप्त हो जाएँ, तो वैश्विक ताप लगभग 0.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। एक डिग्री मामूली प्रतीत हो सकती है, पर इसी में हिमनद पिघलते हैं, समुद्र–स्तर बढ़ता है, पारिस्थितिक तंत्र बदलते हैं। कार्बन डाइऑक्साइड भी वातावरण में बढ़ जाती है। बढ़ती गर्मी, सूखा तथा वनाग्नि वनों की जीवन्तता को सीमित कर सकते हैं। कुछ क्षेत्रों में आग के कारण वन अस्थायी रूप से कार्बन–स्रोत भी बन सकते हैं।

जंगल मेघों को भी प्रभावित करता है। मध्य–अक्षांशों के आर्द्र क्षेत्रों में वन–क्षेत्रों के ऊपर अधिक बादल देखे गए हैं, जो आने वाले सौर विकिरण को परावर्तित कर शीतलन में योगदान दे सकते हैं। उष्णकटिबंध में संबंध जटिल है–छोटे पैमाने की वनों की कटाई स्थानीय वर्षा बढ़ा सकती है,पर बड़े पैमाने की कटाई क्षेत्रीय वर्षा घटा सकती है। कांगो बेसिन में उच्च–विनाश परिदृश्यों में 8–10 प्रतिशत तक वर्षा–घटाव संभावित है। वन ऊपर नमी भेजता है; महाद्वीपीय वाष्प का एक भाग पुनः वर्षा बनता है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों की कृषि और जल–सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

वृक्ष वाष्पशील कार्बनिक यौगिक छोड़ते हैं, जो द्वितीयक कार्बनिक एरोसोल बनाकर मेघ–निर्माण को प्रभावित कर सकते हैं। पर यही रसायन मीथेन और ओज़ोन रसायन के माध्यम से शीतलन को आंशिक रूप से संतुलित कर सकते हैं। उच्च उत्सर्जन परिदृश्य में यह प्रभाव वन–कार्बन–शमन के लगभग 23 प्रतिशत लाभ को संतुलित कर सकता है; निम्न उत्सर्जन परिदृश्य में यह लगभग 14 प्रतिशत तक सीमित हो सकता है। दूसरी ओर, वन–क्षेत्रों की लकड़ी की सतहें वायुमंडलीय मीथेन को अवशोषित कर सकती हैं, जिससे शमन–क्षमता लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

> **जंगल जादुई है-पर उसका जादू प्रमाणित है। वह ताप कम करता है, कार्बन समेटता है, मेघों को आकार देता है, रसायन छोड़ता है, मीथेन सोखता है, बाढ़ थामता है, कभी जल घटाता है, शहरों को शीतल करता है, श्रम को बचाता है, कृषि को प्रभावित करता है, अर्थव्यवस्था को स्थिर करता है, समाज को जोड़ता है। जंगल को बचाना हरियाली बढ़ाना नहीं-संतुलन बचाना है।**

जल चक्र में वनों की भूमिका बहुस्तरीय है। वन की छतरी 3 से 74 प्रतिशत तक वर्षा को रोक सकती है। पत्तियों की परत अतिरिक्त 10 से 50 प्रतिशत तक अवरोध कर सकती है। जड़ें मिट्टी में छिद्र बनाकर अवशोषण बढ़ाती हैं। अध्ययनों में 82 प्रतिशत मामलों में पुनर्वनीकरण से बाढ़–जोखिम घटा और 83 प्रतिशत मामलों में अवशोषण बढ़ा। पर दीर्घकालीन जलागम अध्ययनों ने दिखाया कि वन–वृद्धि से वार्षिक धारा घट सकती है–कुछ शुष्क क्षेत्रों में 62 प्रतिशत तक, औसतन लगभग 44 प्रतिशत। तीव्र–विकासशील जल–गहन प्रजातियाँ शुष्क परिस्थितियों में धारा को 10 प्रतिशत से भी नीचे ला सकती हैं। बड़े पैमाने पर वनीकरण से कुछ क्षेत्रों में जल–उपलब्धता 6 प्रतिशत तक बढ़ सकती है, तो कुछ में वनों द्वारा पानी रोके रहने से 38 प्रतिशत तक घट सकती है।

अब अर्थव्यवस्था की भाषा बोलती हैं। जब वन ताप घटाता है तो ऊर्जा की माँग घटती है–कुछ शहरी संदर्भों में 2से 90 प्रतिशत तक ऊर्जा–बचत संभव है। ताप से श्रम–क्षमता घटती है; उत्पादकता प्रभावित होती है; संज्ञानात्मक क्षमता कम होती है। बाढ़–क्षति, जो 1990–2000 के बीच कुछ विकासशील देशों में 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक रही, वन संरक्षण से कम हो सकती है। पर यदि जल–गहन रोपण किए जाएँ तो सिंचाई संकट बढ़ सकता है–कुछ परिदृश्यों में 72 से 95 प्रतिशत क्षेत्रों में जल–संकट संभावित हो सकता है।

समाज की भाषा सूक्ष्म है। वन ईंधन है, चारा है, फल है, औषधि है। वह सांस्कृतिक स्मृति है। त्योहारों की हरियाली है। लोकगीत की पंक्ति है। जब वन घटता है तो केवल ताप नहीं बढ़ता; असमानता बढ़ती है। सबसे पहले प्रभावित वही जिसका जीवन भूमि से बँधा है। वन सामाजिक स्थिरता का स्तंभ है–प्रवासन को धीमा करता है, स्थानीय आजीविका को टिकाता है, समुदायों को जोड़ता है।

पर यह त्रिवेणी सहज नहीं। यदि पारिस्थितिकी की उपेक्षा हुई तो अर्थव्यवस्था डगमगाएगी। यदि अर्थलाभ के लिए जल–गहन वृक्ष लगाए गए तो समाज को जल–संकट झेलना पड़ेगा। यदि समाज की सहमति बिना वन–नीति बनी तो संरक्षण संघर्ष बन जाएगा।

जंगल उत्सर्जन–घटाव का विकल्प नहीं,पर उसका शक्तिशाली पूरक है। पुराने प्राकृतिक वन–अमेज़न, कांगो, मलय द्वीपसमूह, पूर्वी यूरोप–विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण हैं। उन्हें बचाना प्राथमिकता है।

जंगल जादुई है–पर उसका जादू प्रमाणित है। वह ताप कम करता है, कार्बन समेटता है, मेघों को आकार देता है, रसायन छोड़ता है, मीथेन सोखता है, बाढ़ थामता है, कभी जल घटाता है, शहरों को शीतल करता है, श्रम को बचाता है, कृषि को प्रभावित करता है, अर्थव्यवस्था को स्थिर करता है, समाज को जोड़ता है। जंगल को बचाना हरियाली बढ़ाना नहीं–संतुलन बचाना है। वह खड़ा नहीं है; वह चल रहा है–हमारे साथ–धीरे, पर निर्णायक रूप से मानव सभ्यता के साथ चल रहा है।

इस दीर्घ वाक्य की असली परीक्षा बड़े बीजों से शुरू होती है। बड़े–बीज वाली देशज प्रजातियाँ केवल अंकुर नहीं उगातीं, वे स्थायित्व बोती हैं। उनके भीतर दीर्घजीवी, विशाल वृक्षों की संभावना रहती है, जो दशकों तक कार्बन को अपने तनों, शाखाओं और मिट्टी में बाँधते हैं, छाया की स्थिर संरचना बनाते हैं और नमी को थामे रखते हैं। उनके फल वन्यजीवों को आकर्षित करते हैं; बीज–वितरण की श्रृंखला चलती है; जैवविविधता का जाल गहरा होता है। यदि पुनर्स्थापन से ऐसे वृक्ष अनुपस्थित हों तो जंगल का ढाँचा हल्का रह जाएगा–वृद्धि तो होगी, पर पारिस्थितिक गहराई नहीं। इसलिए बड़े बीजों का समावेश अनिवार्य है–प्राकृतिक पुनर्जनन के संरक्षण के साथ–ताकि कार्बन, जल, मिट्टी, प्राणी और मनुष्य सभी के लिए दीर्घकालिक संतुलन सुनिश्चित हो सके। बड़े बीज भविष्य की शांत प्रतिज्ञा हैं; उन्हें बोना समय के साथ किया गया एक गंभीर अनुबंध है।

वन–पुनर्स्थापन केवल खाली भूमि पर पेड़ गिन देना नहीं है; वह स्मृति लौटाना है। सबसे पहले बड़े, पुराने वृक्षों को बचाना–क्योंकि वही जंगल की जीवित धुरी हैं,वही कार्बन के गहरे कोष,वही बीजों की मौन पुस्तकालय, वही पक्षियों, चमगादड़ों और कीटों के दिशासूचक स्तंभ। उनके चारों ओर ही पुनर्जनन की परिधि बनती है। रोपण और बुवाई में सभी देशज प्रजातियों का स्थान हो–केवल तीव्र–वृद्धि वाली नहीं, बल्कि वे भी जो धीमे बढ़ती हैं, छाया सहती हैं, मिट्टी को समृद्ध करती हैं और जल को थामती हैं। पुनर्स्थापन आजीविका से जुड़ा हो–फल, चारा, औषधि, गैर–काष्ठ वन–उत्पाद, स्थानीय श्रम और कौशल–ताकि समुदाय सहभागी बनें, संरक्षक बनें। ऐसा वन रचा जाए जो हवा में कार्बन समेटे, पानी को रोके और सँभाले, मिट्टी को उर्वर बनाए, जीवों को घर दे और मनुष्य को छाया; क्योंकि पुनर्स्थापन तात्कालिक लाभ के लिए नहीं,पीढ़ियों के लिए होता है। जंगल को लौटाना एक दीर्घ वाक्य लिखना है, जिसमें बीज आज गिरता है और उसका अर्थ अगली सदी में खुलता है।

बचपन से अब तक वनों के बीच जिए हुए जीवन से हुआ यह यथार्थ–बोध हमें ज्ञान के संबंध में विनम्र बनाता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

भारत में राजभाषा हिन्दी का ऐतिहासिक चिंतन और संविधान सभा का निर्णय

सूर्यप्रतापसिंह राजावत

भारत में एक ऐसी भाषा की आवश्यकता का चिंतन, जो विभिन्न भाषायी, सांस्कृतिक और प्रादेशिक समुदायों को परस्पर जोड़ सके, आधुनिक भारतीय राष्ट्रवाद के उदय के साथ ही स्पष्ट रूप से सामने आने लगा था। राष्ट्रभाषा अथवा ऐसी संपर्क–भाषा की कल्पना केवल प्रशासनिक सुविधा का प्रश्न नहीं थी, बल्कि इसे राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आत्मबोध और स्वाधीनता की चेतना से भी जोड़ा गया। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध से लेकर संविधान सभा के निर्णय तक इस प्रश्न पर देश के अनेक चिंतकों, साहित्यकारों और राष्ट्रवादियों ने विचार किया।

सन् 1874 में आधुनिक भारत के प्रमुख सुधारक केशवचंद्र सेन की पत्रिका 'सुलभ समाचार' में भारत के लिए एक राष्ट्रभाषा की आवश्यकता का विचार दिखाई देता है। इसी वैचारिक क्रम को बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने साहित्य और लेखन के माध्यम से आगे बढ़ाया। आनन्द मठ के रचयिता बंकिमचंद्र के लिए राष्ट्र केवल राजनीतिक इकाई नहीं था; वह सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मसम्मान से निर्मित एक जीवंत अवधारणा था। भाषा को इस राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया।

बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में श्रीअरविन्द के लेखन में भी भाषा और राष्ट्रीयता का प्रश्न एक व्यापक आध्यात्मिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में सामने आता है। सन् 1906 के आसपास वन्दे मातरम्में प्रकाशित उनके लेखों में यह विचार मिलता है कि भारत अनेक भाषाओं, जातियों, पंथों और प्रादेशिक विविधताओं के बावजूद एक राष्ट्रीय चेतना से बंधा हुआ है। उनके राष्ट्रवाद में भारत केवल भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि एक जीवंत आध्यात्मिक सत्ता था। इस दृष्टि से एक ऐसी राजभाषा, जो विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और प्रशासनिक एकता का माध्यम बन सके, राष्ट्रीय एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती थी।

हिन्दी के विकास, प्रचार और प्रसार के लिए उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी में अनेक संस्थाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सन् 1893 में स्थापित नागरी प्रचारिणी सभाने देवनागरी लिपि और हिन्दी के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। इसके बाद सन् 1910 में स्थापित हिन्दी साहित्य सम्मेलन हिन्दी के प्रचार–प्रसार और उसके राष्ट्रीय स्वरूप को विकसित करने का एक प्रमुख मंच बना। हिन्दी साहित्य सम्मेलन स्वतंत्रता आंदोलन के समानांतर चलने वाले भाषा आंदोलन का भी महत्वपूर्ण साक्षी रहा। पुरुषोत्तम दास टंडन को सम्मेलन के 'प्राण' के रूप में संबोधित किया गया। महात्मा गांधी भी सम्मेलन से जुड़े और सन् 1917 में इंदौर अधिवेशन की अध्यक्षता की।

दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए महात्मा गांधी ने सन् 1918 में दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा की स्थापना की। स्वतंत्रता के निकट आते–आते भाषा का प्रश्न संविधान–निर्माण की प्रक्रिया से सीधे जुड़ गया। भारत का विभाजन इस पूरे विमर्श की राजनीतिक पृष्ठभूमि में अत्यंत महत्वपूर्ण घटना था। संविधान सभा में किसी भी महत्वपूर्ण प्रस्ताव को रखने से पहले कांग्रेस संसदीय दल में उस पर विचार–विमर्श किया जाना सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा था। राजभाषा के प्रश्न पर भी कांग्रेस संसदीय दल में व्यापक विचार हुआ।

16 जुलाई 1947 को कांग्रेस संसदीय दल में भाषा संबंधी मतदान हुआ। उपलब्ध विवरणों के अनुसार हिन्दी के पक्ष में 63 और हिन्दुस्तानी के पक्ष में 32 मत पड़े। इसी प्रकार देवनागरी लिपि के पक्ष में 63 तथा उसके विरोध में 18 मत प्राप्त हुए। इसके बाद संविधान के प्रारूप में हिन्दी को प्रमुख स्थान मिला और 'हिन्दुस्तानी'–अर्थात् हिन्दी अथवा उर्दू को देवनागरी अथवा फारसी लिपि में लिखने की अवधारणा–को प्रारूप से हटा दिया गया। अगस्त 1949 में द हिन्दू तथा हिन्दुस्तान जैसे समाचार–पत्रों में भी कांग्रेस संसदीय दल के निर्णय से संबंधित समाचार प्रकाशित हुए। ग्रैनविल ऑस्टिन ने भी अपनी प्रसिद्ध पुस्तक:– The Indian Constitution Cornerstone of a Nation में संविधान–निर्माण के दौरान भाषा के प्रश्न और उसके राजनीतिक संदर्भ का उल्लेख किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि संविधान सभा में संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी को स्वीकार करने का मूल प्रश्न ही सबसे बड़ा विवाद नहीं था। वास्तविक विवाद मुख्यतः दो विषयों पर केंद्रित था–पहला, अंग्रेजी को कितने समय तक संघ के आधिकारिक कार्यों में जारी रखा जाए; और दूसरा, अंकों का कौन–सा रूप अपनाया जाए। इस प्रकार भाषा संबंधी विवाद हिन्दी बनाम अंग्रेजी के सरल द्वंद्व से कहीं अधिक जटिल था। भारतीय अंकों के स्वरूप पर भी संविधान सभा में विचार हुआ। डॉ. पी. सुब्बारायन ने का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्तमान में प्रचलित अंकों को सामान्यतः अरबी अथवा हिन्दू–अरबी अंक कहा जाता है और इनके उद्गम को लेकर विभिन्न मत हैं। अरब, ईरान, मिस्त्र और भारत–सभी से संबंधित दावे किए गए हैं। व्यापारिक संपर्क के माध्यम से विभिन्न देशों में इन चिह्नों का प्रसार हुआ। किंतु इस मत का उल्लेख किया गया कि जिन देशों में इन अंकों का व्यापक प्रयोग हुआ, उनमें भारत का स्थान विशेष रहा है। इस चर्चा से स्पष्ट होता है कि संविधान सभा भाषा के प्रश्न को भारतीय सभ्यता और उसके व्यापक ऐतिहासिक योगदान के संदर्भ में भी देख रही थी।

संस्कृत को भारत की राजभाषा बनाए जाने का प्रस्ताव भी संविधान सभा में सामने आया। पं. लक्ष्मीकांत मैत्र ने संस्कृत के पक्ष में अपने संशोधन को प्रस्तुत करते हुए कहा कि संस्कृत के अध्ययन से भारत अपने प्राचीन वैभव और ज्ञान–परंपरा का पुनराविष्कार कर सकता है। किन्तु पं. मैत्र का दृष्टिकोण केवल भावनात्मक नहीं था। उन्होंने संस्कृत को तत्काल राजभाषा बनाए जाने की व्यावहारिक कठिनाइयों को भी स्वीकार किया। वैज्ञानिक, उच्च शिक्षा और न्यायपालिका के क्षेत्र में भी अंग्रेजी के निरंतर प्रयोग को उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों में आवश्यक माना। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भाषा संबंधी विवाद को अत्यंत सरल और सहिष्णु दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान पारस्परिक सम्मान और समझौते की भावना से होना चाहिए। हिन्दी समर्थकों ने हिन्दी और देवनागरी लिपि को स्वीकार कराने में सफलता प्राप्त की था। अंततः मुंशी–अयंगार सूत्र के आधार पर संविधान सभा ने भाषा संबंधी जटिल विवाद का समाधान किया। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी को स्वीकार किया और देवनागरी लिपि को मान्यता दी। साथ ही अंग्रेजी के प्रयोग के लिए संक्रमणकालीन व्यवस्था की गई, जिससे प्रशासन, न्यायपालिका और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अचानक व्यवधान उत्पन्न न हो।

इस प्रकार 14 सितम्बर 1949 का निर्णय केवल किसी एक भाषा को प्रशासनिक भाषा बनाने का निर्णय नहीं था। यह भारतीय राष्ट्र–निर्माण की उस दीर्घ प्रक्रिया का परिणाम था जिसमें भाषा को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आत्मबोध, प्रशासनिक आवश्यकता और सभ्यतागत निरंतरता–इन सभी के बीच संतुलित करने का प्रयास किया गया। हिन्दी को संघ की राजभाषा स्वीकार करते समय संविधान सभा ने भारत की भाषायी विविधता को समाप्त करने का नहीं, बल्कि विविधता के बीच एकता के लिए एक साझा संवैधानिक माध्यम निर्धारित करने का प्रयास किया।

राजभाषा का प्रश्न इसलिए भारतीय संविधान के निर्माण की व्यापक कथा में केवल भाषा का प्रश्न नहीं, बल्किभारतीय राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक आत्मचेतना, लोकतांत्रिक सहमति और राष्ट्रीय एकीकरण iका प्रश्न भी है। 14 सितम्बर 1949 का निर्णय इसी ऐतिहासिक यात्रा की एक महत्वपूर्ण परिणति के रूप में देखा जाना चाहिए।

–सूर्यप्रतापसिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

विविधता में एकता की परिचायक राष्ट्र भाषा हिन्दी...

गोविन्द शर्मा

भारत की एकता उसकी विविधता में है, पर इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने के लिए एक मात्र हिन्दी भाषा है।देश का बड़ा वर्ग इस भाषा को समझता है। जनगणना के अनुसार देश के लगभग 44 प्रतिशत लोग हिन्दी को मातृभाषा के रूप में बोलते हैं और 70 से अधिक लोग उसे समझते हैं।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक जब एक मजदूर, एक सैनिक, एक व्यापारी आपस में बात करता है तो वह हिन्दी का ही सहारा लेता है। हिन्दी जन–जन की भाषा है। इसका प्रचलन बढ़ने से उत्तर–दक्षिण, पूर्व–पश्चिम का भाषाई अंतर घटने लगा है हिन्दी से ही राष्ट्रीय एकता सुदृढ़ होना सम्भव है। हिन्दी का प्रचलन बढ़ाने का अर्थ किसी अन्य भारतीय भाषा या अंग्रेजी का विरोध नहीं है। इसका अर्थ है – अपने देश में अपनी भाषा को उसका सम्मानित स्थान दिलाना। आवश्यकता इस बात की है कि हम सरकारी कामकाज में, शिक्षा में, और सबसे महत्वपूर्ण – हम दैनिक जीवन में हिन्दी को अपनाएं। अपने बच्चों से हिन्दी में संवाद करें, हस्ताक्षर हिन्दी में करें, दुकानों के नामपट्ट हिन्दी में लगाएं।

जिस देश की अपनी भाषा नहीं, उसका अपना भविष्य भी नहीं होता। इसलिए देश के स्वाभिमान, एकता और सर्वांगीण विकास के लिए हिन्दी का प्रचलन बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी देश की पहचान उसकी भाषा से होती है। भाषा सिर्फ बोलने का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान की आत्मा होती है। भारत के लिए वह आत्मा हिन्दी है।

हिन्दी की प्रगति तीन चरणों में देखी जा सकती है: साहित्यिक प्रगतिः कबीर, सूर, तुलसी और मीरा ने हिन्दी को भक्ति की भाषा बनाया। प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, निराला ने उसे आधुनिक साहित्य की ऊँचाई दी। आज हिन्दी साहित्य का अनुवाद विश्व की कई भाषाओं में हो रहा है। राष्ट्रीय प्रगतिः स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी ने पूरे देश को एक धागे में पिरोया। गांधी जी ने कहा था – "हिन्दी जनमानस की भाषा है।" 14 सितम्बर 1949 को इसे राजभाषा का दर्जा मिला, जो इसकी सबसे बड़ी संवैधानिक प्रगति थी।

– आज हिंदी प्रचलन तेजी बढ़ रहा है अनेक विदेशी विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। फिजी और मॉरीशस में इसे राजकीय सम्मान प्राप्त है।

– इंटरनेट पर हिन्दी सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषा है। गूगल, यूट्ययूब, इंस्टाग्राम पर बहुत लोकप्रियता मिल रही है।ज्यादा भारतीय हिन्दी में ही कंटेंट देखना पसंद करते हैं।

–वर्तमान में हिन्दी रोजगार की भाषा है – अनुवाद, पत्रकारिता, सिनेमा, डबिंग और कंटेंट क्रिएशन में लाखों युवाओं को रोजगार दे रही अंठोजी हमें दुनिया से जोड़ती है, पर हिन्दी हमें भारत से जोड़ती है। तमिलनाडु का व्यक्ति कश्मीर में जाकर हिन्दी में ही बात करता है। आज जापान, चीन और फ्रांस भी अपनी भाषा में ही तरक्की कर रहे हैं। अपनी भाषा में काम करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और मौलिक सोच पैदा होती है। हिन्दी हमारे देश की सांकृतिक धरोहर है हिन्दी में हमारे त्योहार, रीति–रिवाज और मूल्य रचे बसे हैं। रामचरितमानस की एक चौपाई जो बात समझा देती है, वह अंग्रेजी के पन्नों में भी समझ में नहीं आती। हिन्दी की प्रगति किसी अन्य भाषा का विरोध नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ना है। हमें हिन्दी को केवल 14 सितंबर को याद नहीं करना, बल्कि रोज जीना होगा।

–गोविन्द शर्मा,
से .नि सहायक निदेशक
डी आई पी आर

भादवे में सड़कों पर उतर आती है राजस्थान की लोक संस्कृति

राजेन्द्र जोशी

सावन की रिमझिम फुहारों के बाद जब भादवा आता है तो राजस्थान की धरती जैसे लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर हो उठती है। यह केवल कैलेंडर का एक महीना नहीं, बल्कि राजस्थान की लोक आस्था, परंपरा, संगीत, नृत्य और सामुदायिक जीवन के चरम पर पहुंचने का समय है। भादवा आते ही घर से लेकर गांव–ढाणी तक, कच्ची पगडंडियों से लेकर शहरों की सड़कों तक और मंदिरों से लेकर मेलों के विशाल मैदानों तक लोक जीवन की एक अलग ही तस्वीर दिखाई देने लगती है।

राजस्थान में भादवा को मेलों का महीना भी कहा जाता है। इन मेलों में केवल देवी–देवताओं के दर्शन करने या मनौती पूरी करने की आस्था ही नहीं होती, बल्कि सदियों से चली आ रही लोक संस्कृति भी जीवंत दिखाई देती है। राजस्थान का कोई व्यक्ति दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न बैठा हो, भादवा की हवा उसे अपनी मिट्टी की याद दिलाती है। भादवा का सबसे बड़ा आकर्षण रामदेवरा का मेला है। जैसलमेर जिले के पोकरण के पास स्थित रामदेवरा में लोकदेवता बाबा रामदेवजी के प्रति आस्था का सैलाब उमड़ता है। भादवा सुदी दूज से एकादशी तक चलने वाले इस मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

इसी क्रम में गोगामेड़ी का मेला राजस्थान की लोक आस्था का दूसरा बड़ा केंद्र है। हनुमानगढ़ जिले के गोगामेड़ी में लोकदेवता गोगाजी की पूजा के लिए दूर–दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। भादवा शुक्ल चतुर्थी पर रणथम्भौर का त्रिनेत्र गणेश मेला भी राजस्थान की विशिष्ट धार्मिक और लोक परंपरा का परिचायक है। चारभुजा नाथ का मेला भी भादवा की धार्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसी तरह बारां का डोल मेला हाड़ौती अंचल की लोक संस्कृति का बड़ा उत्सव है। बूंदी की कजली तीज भादवा की लोक संस्कृति को एक अलग आयाम देती है।

बीकानेर संभाग और आसपास के क्षेत्रों के लिए पूनरासर हनुमान जी, कोडमदेसर भैरूंनाथ, सालासर बालाजी का मेला भी आस्था का बड़ा केंद्र है। चूरू जिले के सालासर में विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। भादवा का लोक संसार केवल बड़े मेलों तक सीमित नहीं है। जोधपुर का खेजड़ली शहीदी मेला राजस्थान की पर्यावरण चेतना और बलिदान की परंपरा से जोड़ता है। मसूरिया जोधपुर, तेजाजी का मेला और राजस्थान की सीमा से लगे क्षेत्रों में बाबा रामदेव से जुड़े छोटे–बड़े मेले तथा गोगाजी के विभिन्न थानों पर होने वाले आयोजन भी लोक जीवन की निरंतरता को बनाए रखते हैं।

इन मेलों की असली खूबसूरती उनके धार्मिक आयोजनों के साथ दिखाई देने वाली लोक कलाओं में है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन मेलों में शहर और गांव का अंतर मिट जाता है। अमीर–गरीब, छोटा–बड़ा, जाति और वर्ग की सीमाएं पीछे छूट जाती हैं। एक ही ध्वज के नीचे हजारों लोग चलते हैं, एक ही भजन पर झूमते हैं और एक ही लोक आस्था में स्वयं को जोड़ लेते हैं। यही राजस्थान की लोक संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है–वह लोगों को अलग–अलग पहचान के बावजूद एक साझा भावभूमि पर खड़ा करती है।

भादवा हमें यह भी याद दिलाता है कि लोक संस्कृति केवल अतीत की विरासत नहीं है। वह आज भी जीवित है, सांस ले रही है और नई पीढ़ी तक पहुंच रही है। जरूरत केवल इतनी है कि हम इसे बाजार और प्रदर्शन तक सीमित न होने दें, बल्कि इसके पीछे छिपी लोक स्मृतियों, मान्यताओं, गीतों, कथाओं और सामुदायिक जीवन को भी समझा जा सकता है। शायद इसीलिए भादवा आते ही राजस्थान का हर व्यक्ति–चाहे वह देश के किसी भी राज्य में हो या देश–दुनिया के किसी दूसरे कोने में–अपनी मिट्टी की खुशबू महसूस करने लगता है। लोक संस्कृति का यह सराबोर संसार उसे भीतर तक भिगो देता है और वह अनायास कह उठता है–यही तो राजस्थान है, जहां आस्था भी लोक है और लोक ही जीवन है।

राजेन्द्र जोशी
शिक्षाविद–साहित्यकार

राशिफल रविवार 13 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत–2083, हस्त नक्षत्र, दिन 1:07 तक, शुक्ल योग दिन 1:43 तक, कौलव करण प्रातः 7:09 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:26 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से 1:09 तक है। रवियोग दिन 1:07 से रात्रि 9:48 तक है। राजयोग दिन 1:07 से सूर्योदय तक है। आज चन्द्र दर्शन उत्तर श्रृंगोन्नति है। आज से मेला रामदेव रूणीचा में 9 दिन का आरम्भ होगा। आज श्री वराह जयन्ती, रोट तीज, मन्वादि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 7:47 से 9:19 तक, लाभ–अमृत 9:19 से 12:23 तक, शुभ 1:55 से 3:27 तक

राहुकाल– 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:31

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष
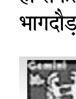
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन
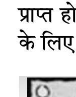
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
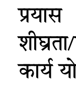
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला
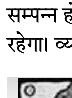
तुलाः परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
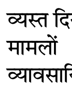
स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
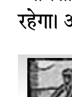
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
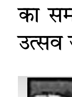
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
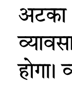
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

ARBiT

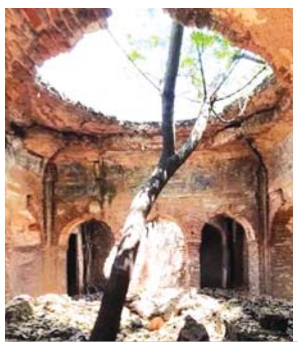

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Empires are built on battlefields...

The harkaras, postal runners, were themselves noted for sometimes turning to highway banditry as a supplementary income

Yeola Paithani vs South Paithani

Historically associated with royalty, Paithani sarees were prized for their painstakingly detailed weaving and artistic excellence

मोदी-शी बातचीत ने कोई चमत्कारिक समझौता नहीं करवाया

पर, दोनों नेताओं को यह अहसास तो हो गया कि सीमा पर शांति जरूरी है, अगर दोनों देशों के बीच इकोनॉमिक और डिप्लोमैटिक संबंध मजबूत होने हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच आज नई दिल्ली में हुई द्विपक्षीय बैठक, भारत-चीन संबंधों में धीरे-धीरे आ रहे सुधार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद कई वर्षों तक चले तनाव के बाद हुई यह बैठक संकेत देती है कि दोनों देश बातचीत के रास्ते फिर से खोलने के साथ-साथ, अपने मतभेदों को संभालने के लिए भी अधिक तैयार हैं।

- 2020 के बाद, गलवान घाटी की झड़प के बाद आपसी संबंध अति कटु हो गए थे। पर, अब मोदी-शी बातचीत के बाद संबंध ठीक होने की गुंजाइश बनी है तथा लगता है, दोनों देश तैयार हैं, पर, कोई भी गलवान घाटी जैसे घटनाक्रम पर अपनी सोच बदलने को तैयार नहीं है।
- पर, दो बड़े नेताओं की मुलाकात से विश्वास तो जागा है कि अपनी मूल सोच पर कायम रहते हुए अन्य विषयों पर बातचीत आगे बढाएंगे।
- इस वर्तमान स्थिति में, आगे बातचीत का स्कोप बढ़ सकता है। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

दोनों नेताओं ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल/एल.ए.सी.) पर 2024 में हुए सैनिकों की वापसी (डिसएंगेजमैंट) संबंधी समझौतों के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की। सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रूप से सामान्य बनाने की दिशा में सबसे जरूरी आधार है। हालांकि इस बैठक में, सीमा विवाद पर कोई बड़ी सफलता तो नहीं मिली, लेकिन दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच बातचीत जारी रहना अपने आप में महत्वपूर्ण है।

सीमा का मुद्दा दोनों देशों के बीच पूरी तरह विश्वास बहाल करने में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। भारत लगातार यह कहता रहा है कि सामान्य द्विपक्षीय रिश्तों के विकास के लिए एलएसी पर शांति और स्थिरता जरूरी है। चीन ने भी वर्षों तक चले टकराव और कूटनीतिक तनाव के बाद संबंधों को स्थिर करने में रुचि दिखाई है।

आर्थिक रिश्ते भी एक ऐसा प्रमुख क्षेत्र हैं, जहां अवसर भी हैं और मतभेद भी। भारत चीनी बाजार में अधिक पहुंच और अधिक संतुलित व्यापारिक संबंध चाहता है, लेकिन साथ ही उसे अपने बड़े व्यापार घाटे और महत्वपूर्ण वस्तुओं तथा औद्योगिक सामग्री के लिए चीन पर निर्भरता को लेकर चिंता भी है। वहीं, बीजिंग भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत के साथ व्यापारिक संबंध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने चिकित्सक की अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश में हस्तक्षेप से इंकार किया

जयपुर, 12 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकारी डिस्पेंसरी में तैनात चिकित्सक को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने से जुड़े मामले में कहा है कि अधीनस्थ कर्मचारी के कर्तव्य पालन में विफल रहने के आधार पर प्रभारी अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो जाता है। इसके साथ ही अदालत ने 19 साल पहले दी गई अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस आनंद शर्मा की

- अदालत ने कहा कि अधिनस्थ कर्मचारी के कर्तव्य पालन नहीं करने से अधिकारी की प्रभारी जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती।

एकलपीठ ने यह आदेश माखनलाल मिश्रा की ओर से साल 2002 में दायर याचिका को खारिज करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता यह दलील नहीं दे सकता कि उसके अधीनस्थ कर्मचारी ने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया, इसलिए उसे समस्त जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाए। इसके अलावा यह भी सामने नहीं आया की याचिकाकर्ता ने अपने अधीनस्थ कर्मचारी को काम नहीं करने को लेकर कोई नोटिस दिया हो।

भाजपा ने दो चुनावों के बीच निष्ठा बदलने वाले 18900 बूथ चिन्हित किए

यह देखते हुए भाजपा यूपी में योगी आदित्यनाथ को मु.मंत्री पद का एकमात्र चेहरा नहीं बताएगी तथा मु.मंत्री का चयन पार्लियामैंटरी बोर्ड पर छोड़ने का फैसला किया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। 2027 की शुरुआत में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को देखते हुए, भाजपा ने अपनी रणनीति तेज कर दी है। पार्टी ने सत्ता विरोधी लहर को नियंत्रित करने, जमीनी स्तर पर संगठन की पकड़ मजबूत करने और अपने चुनावी संदेश को अधिक प्रभावी बनाने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए कई उच्चस्तरीय रणनीतिक बैठकें की हैं।

हाल ही में लखनऊ में पार्टी के कोर ग्रुप की कई बैठकें हुईं। इनमें बंद कमरे में हुई दो घंटे की वह बैठक भी शामिल थी, जिसमें राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष, राज्य प्रभारी विनोद तावड़े, सह-प्रभारी जगदीश पटेल, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उपमुख्यमंत्री शामिल हुए। बैठक में संगठन की चुनावी तैयारी, बूथ स्तर की कमियों और आगे की रणनीति की समीक्षा की गई।

- प्र.मंत्री मोदी, योगी, राजनाथ सिंह अदि को चुनाव अभियान समिति के चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह निर्णय दो घंटे चली, कोर ग्रुप की मीटिंग में लिया गया। इस बैठक में राष्ट्रीय महासचिव पी बी एल संतोष, राज्य प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी जगदीश पटेल, प्रदेशाध्यक्ष पंकज चौधरी, मु.मंत्री आदित्य नाथ, दोनों उप मु.मंत्री उपस्थित थे।
- वी.एच.पी., भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच आदि संघ के संगठनों को भी आपसी सहयोग बनाने पर जोर दिया गया, जिससे ग्रास-रूट स्तर पर संगठन का विस्तार तथा लोकल फीडबैक, कैडर अनुशासन व व्यापक आउटरीच पर पूरा ध्यान रहे।

बताया जाता है कि भाजपा ने ऐसे लगभग 18,900 बूथों की पहचान की है, जिनके नतीजे 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के बीच बदल गए थे। पार्टी ने बूथ वार सदस्यता और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की सूचियां तैयार की हैं। साथ ही, मौजूदा विधायकों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की जा रही है।

नेतृत्व के मामले में पार्टी ने जानबूझकर योगी आदित्यनाथ को औपचारिक रुप से एकमात्र मुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन की ग्वांगझोड -दिल्ली फ्लाइट सिविल एविएशन सैक्टर की कोई आम घटना नहीं

चीनी राष्ट्रपति शी के दिल्ली आगमन पर प्र.मंत्री से बातचीत के बाद शुरु हुई यह नई उड़ान

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। छः साल के अंतराल के बाद चाइना सदर्न एयरलाइंस की सीधी ग्वांगझोउ-नई दिल्ली सेवा फिर शुरू होना केवल विमान सेवा से जुड़ा घटनाक्रम नहीं है। यह ऐसे समय में हो रहा है, जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत के लिए नई दिल्ली पहुंचे हैं। ऐसे में यह भारत-चीन संबंधों के धीरे-धीरे सामान्य होने का एक व्यापक संकेत भी देता है।

चाइना सदर्न 21 सितंबर से बोइंग 737-8 विमानों के जरिए यह दैनिक सेवा फिर शुरू करेगी। कोविड-19 महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं प्रभावित होने के बाद, 2020 में यह मार्ग बंद कर दिया गया था। इसके बाद गलवान घाटी में हुई झड़प के कारण भारत-चीन संबंधों में भी तेजी से गिरावट आई। इसलिए इस उड़ान सेवा की बहाली ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रही है, जब दोनों देश कई वर्षों के रणनीतिक अविश्वास के बाद, सावधानीपूर्वक आपसी संबंधों को फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

- अतः यह भी प्रमाण है कि दोनों देश धीरे-धीरे आपसी संबंध सामान्य करना चाहते हैं।

लेकिन इस घटनाक्रम को भारत-चीन के बीच हवाई संपर्क की व्यापक बहाली से अलग करके देखना जरूरी है। ग्वांगझोउ-दिल्ली सीधी उड़ानें पहले ही बहाल हो चुकी थीं, जब इंडिगो ने नवंबर 2025 में इस मार्ग पर दैनिक उड़ान शुरू की थी। अब चाइना सदर्न के फैसले से इस महत्वपूर्ण हवाई मार्ग पर एक और विमान कंपनी तथा अतिरिक्त क्षमता जुड़ जाएगी। एयर चाइना ने भी बीजिंग-दिल्ली उड़ानें फिर शुरू कर दी हैं, जबकि एयर इंडिया ने इस साल की शुरुआत में दिल्ली-शंघाई उड़ानें बहाल कर दी थीं।

इसकी अहमियत इस बात में है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधानसभा चुनाव हारने के बाद सरकारी कर्मचारी इस्तीफा वापस नहीं ले सकता

जयपुर, 12 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रेलवे के एक अधिकारी की ओर से विधानसभा चुनाव हारने के बाद अपना इस्तीफा वापस लेने की अनुमति नहीं देने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

- रेलवे के एक अधिकारी ने इस्तीफा देकर रतनगढ़ से विधानसभा चुनाव लड़ा तथा हारने के बाद इस्तीफा वापस लेने व सेवा में बहाली का आवेदन किया।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने एक राजनीतिक दल के आधिकारिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यमन, सऊदी अरब की ओर देखता रहा तथा सऊदी अरब अमेरिका की ओर, सुरक्षा के लिए

पर, दोनों ने एक उंगली भी नहीं हिलाई मदद के लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। मध्य पूर्व में बिना औपचारिक घोषणा के एक पूर्ण युद्ध छिड़ चुका है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। वहीं, दुनिया की कुछ प्रमुख शक्तियां दिल्ली में एक कूटनीतिक बैठक में आपस में बातचीत कर रही हैं और ऐसा दिखा रही हैं, मानो उन्हें आपसी खींचतान के अलावा किसी और चीज़ की परवाह ही न हो।

दुनिया का तेल बाजार इन चुनौतियों से वाकिफ है और विशेषज्ञों का अनुमान है कि तेल की कीमत मौजूदा 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से जल्द ही बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

यमन के हूथी विद्रोहियों ने अब लाल सागर के समुद्री मार्ग पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने तटीय बंदरगाह मोचा और बाब अल-मंदेब

- इस मिडिल ईस्ट की स्थिति के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार ट्रंप भी आँख फेर कर कैथोलिक धर्म के अनुयायी नॉर्थ ऑयरलैंड तथा प्रोटैस्टैंट-एंग्लिकन, साउथ ऑयरलैंड के बीच मतभेद व तनाव बढ़ाने में जुट गए।
- ईरान समर्थक हूथी ने रैड सी रूट व मोजा बंदरगाह व पेरिम टापू पर कब्जा करके सभी महारथियों की पोल खोली।

जलडमरूमध्य के बीच स्थित पेरिम द्वीप पर कब्जा कर लिया है। ईरान ने तुरंत हूथी विद्रोहियों को बधाई दी है, क्योंकि इस घटनाक्रम से ईरान का दुनिया के दो सबसे अहम समुद्री रास्तों पर एक साथ मजबूत नियंत्रण हो गया है।

दूसरी ओर, सऊदी अरब, ईरान और उसके समर्थक गुटों से लगभग घिर गया है और वैश्विक बाजारों को होने वाली उसकी तेल सप्लाई पर बुरा असर पड़ सकता है। सऊदी अरब की एक महत्वपूर्ण पाइपलाइन पर उत्तर की ओर से हमला किया गया है, यह हमला इराक के साथ लगी सीमा पर ईरान के प्रॉक्सी लड़ाकों ने किया है, जिनका इराक में मजबूत गढ़ है।

इस गंभीर खतरे को देखते हुए सऊदी अरब को अपनी ईस्ट-वैस्ट सप्लाई लाइन से होने वाली पाइपलाइन सप्लाई रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे कुल तेल सप्लाई का 3 प्रतिशत हिस्सा आता था। होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण सऊदी अरब ईस्ट-वैस्ट पाइपलाइन पर अधिक निर्भर हो गया था। इस तरह, सऊदी तेल की आपूर्ति के सभी प्रमुख रास्ते अब बंद हो गए हैं और उसकी सप्लाई में भारी कमी आने की आशंका है।

हूथी विद्रोहयों द्वारा रैड सी समुद्री मार्ग पर कब्जा करने से तेल बाजार में हलचल मच गई है और कीमतों में भारी उछाल की पूरी संभावना है। सुरक्षा विशेषज्ञ इस घटनाक्रम को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं, क्योंकि हूथी विद्रोहियों का यह कब्जा असल में बहुत बड़ी गलतफ़हमी और मिलिटरी कैम्पेन को ठीक से न संभाल पाने का नतीज़ा माना जा रहा है।

जब हूथी विद्रोही रैड सी पर यमन तट की ओर तेजी से बढ़ रहे थे, तब सऊदी अरब अमेरिका से आगे आने, और आगे बढ़ते हूथी बलों से लड़ने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन में नाटो सैनिक लगाये तो सीधा टकराव होगा- पुतिन

नई दिल्ली/मॉस्को, 12 सितंबर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में नाटो के यूरोपीय सदस्य देशों के सैनिकों की संभावित तैनाती को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि

- उन्होंने कहा कि यूरोप की मौजूदा राजनीतिक व आर्थिक समस्याओं के लिये पश्चिमी देशों की नीतियां जिम्मेदार हैं।

यदि यूरोपीय नाटो देश यूक्रेन में अपनी सेना भेजते हैं, तो इसे रूस के साथ सीधे सैन्य टकराव के रूप में देखा जाएगा। पुतिन ने यह बयान शुक्रवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दिया।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क "रशिया टुडे"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरीश रावत का कटाक्ष अब उन्हीं को ज्यादा चुभ रहा है

'मेरे से जब पूछा जाता था, उत्तराखंड में चुनाव कब होंगे, तो मैं कहता था कि अभी नहीं, क्योंकि, सीबीआई ने मेरे घर दस्तक नहीं दी है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत ने शुक्रवार देर रात कांग्रेस के दो पदों से इस्तीफा दे दिया। क्योंकि एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने उनके पीए चंदन सिंह जीना के पास से बड़ी मात्रा में नकदी, आभूषण और अन्य कीमती सामान बरामद किया था।

रावत ने कहा कि मामले के तथ्य समय के साथ स्पष्ट हो जाएंगे, लेकिन वे नहीं चाहते कि उनकी ओर से कोई कार्रवाई या व्यवहार पार्टी की जारी लड़ाई को किसी भी तरह कमजोर करे।

पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी के सदस्य और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य थे।

उन्होंने कहा, "इसलिए अपने इष्ट देवता को याद करने के बाद, मैंने यह बड़ा फैसला लिया है। मैं किसी सरकारी पद पर नहीं हूं, इसलिए वहां से इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। लेकिन मैं उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी का सदस्य और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी का स्थायी आमंत्रित सदस्य हूं। मैं सम्मानपूर्वक इन दोनों पदों से हटना चाहता हूं, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि मेरी वजह से पार्टी का संघर्ष किसी भी तरह कमजोर हो।"

ईडी (एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट) ने शुक्रवार को कहा कि उसने उत्तराखंड सबॉर्डिनेट सर्विस सलेक्शन कमीशन (यूकेएसएसएससी) की ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (वीपीडीओ) परीक्षा, 2016 में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर हुईं अनियमितताओं के संबंध में देहरादून में कई स्थानों पर तलाशी ली। इस दौरान उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश सिंह रावत के निजी सहायक के रूप में काम कर रहे चंदन सिंह जीना के घर से 32 लाख रुपये की बेहिसाब (अनअकाउन्टेड) नकदी, सोना और महंगी घड़ियां बरामद की गईं।

- पर, अब दस्तक दी तो उनके ओएसडी रहे चंदन सिंह जीना के घर लाखों का कैश भारी मात्रा में सोना व कई लग्ज़री घड़ियाँ मिलीं तो हरीश रावत को इस्तीफा देना पड़ा।
- उत्तराखंड सबऑर्डिनेट सर्विस सलैक्शन कमिशन द्वारा आयोजित ग्राम विकास अधिकारी की चयन प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगा और रावत के बड़बोलेपन ने उनकी हालत और हास्यास्पद की।

रावत ने स्वीकार किया कि जीना ने उनके ओएसडी के रूप में काम किया था और पार्टी तथा सरकार में अलग-अलग पदों पर रहते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सँभाली थीं। जीना को बेहद सभ्य, विनम्र और मेहनती व्यक्ति बताते हुए रावत ने कहा कि अगर ग्राम सेवकों की भर्ती के दौरान उन्होंने ओएमआर शीट में छेड़छाड़ की, और अगर इसे साबित करने के लिए कोई सबूत है कि उन्होंने ऐसा गलत काम किया, तो इस कथित दुस्साहसिक कृत्य पर वे (रावत) शर्मिन्दा हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें इस आरोप पर बिल्कुल विश्वास नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भी "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) के कामकाज पर रावत ने कहा कि इसकी स्थापना राज्य के युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर की गई थी।

उन्होंने कहा, हमने लोक सेवा आयोग को समय पर परीक्षाएं कराने के लिए मजबूर किया। हमारे छोटे कार्यकाल के दौरान भी, शीर्ष पदों पर दो बार भर्ती की गई। हमने चिकित्सा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मायावती अपनी भतीजी दीपिका को जिम्मेदारी सौंपेगी

लखनऊ, 12 सितंबर। बसपा प्रमुख मायावती ने पहले भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया, लेकिन ज्यादा समय तक नहीं टिक सका। उसके बाद आकाश आनंद के छोटे भाई ईशान आनंद पर भरोसा किया, लेकिन वह भी ज्यादा समय तक नहीं चला। अब

- दीपिका अभी लंदन में वकालत की पढ़ाई कर रही है।

मायावती ने भतीजी दीपिका आनंद को लेकर बड़ा बयान दिया है।

शनिवार को मायावती ने कहा कि बसपा में भतीजों को कोई जिम्मेदारी नहीं मिलेगी, अगर जरूरत पड़ी तो भविष्य में भतीजी दीपिका आनंद को बसपा की कमान सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि भतीजी की कार्य क्षमता को देखने के बाद ही वह कोई बड़ा फैसला लेंगी।

22 वर्षीय दीपिका आनंद, मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार की इकलौती बेटी हैं। दीपिका आनंद इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

हादसे में बोलेरो चालक की मौत

निवाई। लालसोट हाइवे पर स्थित दहलोद मोड पर एक बोलेरो कार व कंटेनर में भिड़न्त हो गई। जिसमे बोलेरो चालक की मृत्यु हो गई। दतवास थानाधिकारी निरमा मीणा ने बताया कि लालसोट हाइवे पर स्थित दहलोद मोड़ पर एक बोलेरो कार व कंटेनर में जोरदार भिड़न्त हो गई। जिसमें बोलेरो चालक महेंद्र (22) पुत्र दयाराम मीणा निवासी महापुरा उर्फ तुर्किया की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

सूचना पर दतवास पुलिस मौके पर पहुंची और शव को 108 एंबुलेंस की मदद से निवाई उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना पर परिजन अस्पताल में पहुंचे। जहां कोहराम मच गया।

पुलिस ने मृतक के परिजनों को आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक तुर्किया में टेंट व्यवसाय का कार्य करता था। मृतक की शादी 3 वर्ष पूर्व हुई थी। उसका पहला बच्चा अभी गर्भ में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली-जयपुर बस स्टैंड के पास हादसा, चालक ने कूदकर बचाई जान

पावटा। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर पावटा कस्बे में दिल्ली-जयपुर बस स्टैंड के पास शुक्रवार को उस समय बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक ट्रेलर की बॉडी लेकर जा रही एक क्रेन की ब्लकर ट्रेलर से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों भारी वाहनों के आगे के हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार क्रेन एक ट्रेलर की बॉडी को लेकर जा रहा था इसी दौरान ब्लकर ट्रेलर से क्रेन की भिड़ंत हो गई। अचानक हुई टक्कर से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के दौरान स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए चालक ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि हादसे में किसी बड़े जनहानि की सूचना नहीं है। मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

डीएलएसए सचिव अजीत कुड़ी ने पुलिस थाना ततारपुर का निरीक्षण किया।

- **राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर ट्रेलर बॉडी लेकर आ रही क्रेन और ब्लकर ट्रेलर की भिड़ंत**
- **बड़ा हादसा टला**

यदि उस समय आसपास अन्य वाहन या लोग मौजूद होते तो हादसा और भी भयावह हो सकता था। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। दुर्घटनाठास्त भारी वाहनों को देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हाईवे पर दोनों वाहनों की स्थिति के चलते वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पडा।

जाम की स्थिति को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस मनोज, नेकीराम ने ट्रैफिक व्यवस्था संभालते हुए क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से एक तरफा करवा यातायात सुचारू करवाया। हादसे में किसी की जान नहीं जाने से लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, जिस तरह से दो भारी वाहनों की टक्कर हुई, उससे एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुरक्षा और गलत दिशा में दौड़ते भारी वाहनों की समस्या पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बैराठी का जांगिड समाज ने स्वागत किया

निवाई। गांव श्रीसुखपूरा में अखिल भारतीय श्रम गौरव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश बैराठी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लल्लू लाल सेदरिया के सानिध्य में जांगिड़ समाज द्वारा राजस्थानी परम्परानुसार माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश बैराठी ने कहा कि समाज को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए हमें संगठित शक्ति व दूरगामी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक कौशल के साथ-साथ नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा, आधुनिक तकनीक, डिजिटल नवाचार व प्रतियोगी परीक्षाओं में अग्रणी बनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार व नए व्यावसायिक उद्यमों में आगे आना होगा, ताकि वह केवल नौकरी पाने वाले ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले भी बनें। उन्होंने बताया कि महासभा सदैव श्रम के सम्मान, स्वाभिमान व समाज के हक व अधिकारों की रक्षा के लिए तत्पर है।

फुलेरा में कौन होगा पालिकाध्यक्ष, बाड़ेबंदी शुरू

फुलेरा। नगरपालिका चुनाव का मतदान सम्पन्न होने के साथ ही पालिकाध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भाजपा और कांठोस के वरिष्ठ नेताओं ने अपने-अपने प्रत्याशियों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। मतगणना से पहले प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। अब शहर में सबसे बड़ा सवाल यही है कि 14 सितंबर को मतगणना के बाद किस पार्टी के पक्ष में बहुमत आएगा और पालिकाध्यक्ष की कुर्सी किसके हाथ लगेगी। भाजपा और कांठोस दोनों ही दलों के नेता बागी प्रत्याशियों को साधने और उन्हें अपने साथ रखने की कवायद में जुटे हैं।

इसके लिए नेताओं की भागदौड़ तेज हो गई है। माना जा रहा है कि मतगणना के बाद बहुमत के आंकड़े को लेकर स्थिति स्पष्ट होने के साथ ही पालिकाध्यक्ष के चुनाव को लेकर राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल सकते हैं। इधर, मतदान के बाद चाय-पान की दुकानों से लेकर यात्री चौपालों तक प्रत्याशियों की हार-जीत को लेकर चर्चाओं और दावों का दौर जारी है। समर्थक अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत के दावे कर रहे हैं। वहीं कई प्रत्याशियों के परिजन मंदिरों में पूजा-अर्चना कर जीत की कामना कर रहे हैं। कई वार्डों में समर्थक अपने प्रत्याशियों की जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहे हैं, जबकि कुछ वार्डों में भीतरघात और मुकाबला कांटे का होने की चर्चा है। चुनाव परिणाम को लेकर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की धडकनें बढ़ी हुई हैं। इस चुनाव में कई स्थानीय नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है। वहीं मतदाताओं ने किसे समर्थन दिया और किसे नकारा, इसका फैसला 14 सितंबर को होने वाली मतगणना के बाद ही सामने आएगा। फिलहाल सभी की निगाहें मतगणना पर टिकी हैं।

दौसा में कांग्रेस को बढ़त मिलने की संभावना, निर्दलीयों के सहारे बनेगा बोर्ड

दौसा (निसं.)। नगर परिषद के 55 वार्डो के मतदान होने के बाद अब शहर के प्रमुख चौराहों, चोपालों एवं पान की दुकानों पर प्रत्याशियों के हार-जीत को लेकर कयास लगना शुरु हो गया है। इधर मतदान के आये रुझान के बाद दौसा नगर परिषद में कांठोस का बोर्ड बनना लगभग तय हो गया है। वही दूसरी ओर कांठोस एवं भाजपा ने संभावित जीताऊ प्रत्याशियों की बाडाबंदी भी शुरु कर दी है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को मतदान होने के बाद नगर परिषद के 55 वार्डो के प्रत्याशियों के भाग्य एवीएम में बंद हो गये है। भाग्य का फैसला 14 सितंबर को होगा। लेकिन उससे पूर्व शहर के प्रमुख चौराहों, चौपालों एवं पान की दुकानों पर देर रात तक प्रत्याशियों की हार जीत को लेकर कई तरह के कयास लगना शुरु हो गये है तथा सोसियल मीडिया पर संभावित जीताऊ प्रत्याशियों की सूचियां भी जारी की जा रही है। इन सूचियों को लेकर सोसियल मीडिया पर जमकर बहस शुरु हो गई है। उधर मतदान के बाद आये प्रारंभिक रुझान के बाद दौसा नगर परिषद में कांग्रेस का बोर्ड बनना लगभग तय हो गया है। इधर भाजपा भी बूथ लेबल के पदाधिकारियों से मंत्रणा पर भाजपा एवं संभावित निर्दलीय प्रत्याशियों से भी सम्पर्क कर रही है। सूत्रो ने बताया कि कांग्रेस ने जीताऊ प्रत्याशियो की बाडा बंदी की पूर्ण व्यवस्था कर ली है तथा कांग्रेस के बागी प्रत्याशियों से भी लगातार सम्पर्क कर उन्हे पार्टी के साथ आने को न्यौता दिया जा रहा है। कांग्रेस ने नीचले स्तर पर कमेटी का गठन कर संभावित जीताऊ प्रत्याशियों से सम्पर्क स्थापित करने के निर्देश दिये है। वही दूसरी ओर नगर निकाय चुनाव में भाजपा में व्याप्त गुठबाजी का असर निश्चित रुप से दिखाई दिया है। भाजपा के नेता अपने अपने चहेते उम्मीदवारों को जीताने में लगे रहे, लेकिन सामुहिक प्रयास नही किये गये। जबकि कांग्रेस की ओर से सांसद मुरारीलाल मीणा एवं स्थानीय विधायक दीनदयाल बैरवा सहित संगठन के पदाधिकारी एकजुट दिखाई दिये तथा प्रत्याशियों को जीताने के लिए हर संभव प्रयास भी किये गये। कांग्रेस से चार एवं भाजपा तीन उम्मीदवार है सभापति के लिए:कांग्रेस की ओर से मीरा गुर्जर, रसाल देवी जायसवाल, सुनीता सैनी, रेखा प्रजापत मुख्य रुप से सभापति की दौड में है।

- **मतदान होने के बाद नगर परिषद के 55 वार्डो के प्रत्याशियों के भाग्य एवीएम में बंद हो गये है। भाग्य का फैसला 14 सितंबर को होगा। लेकिन उससे पूर्व शहर के प्रमुख चौराहों, चौपालों एवं पान की दुकानों पर देर रात तक प्रत्याशियों की हार जीत को लेकर कई तरह के कयास लगना शुरु हो गये है**

वही दूसरी ओर भाजपा की ओर से राधा जायसवाल, कविता गुर्जर एवं गोपाली सैन मुख्य दावेदार है। चुनाव परिणाम आने के बाद ही मुख्य प्रत्याशी का नाम तय किया जावेगा। सूत्रो ने बताया कि कांग्रेस से एक तथा भाजपा के दो सभापति दावेदारी की जीत को लेकर संशय बना हुआ है, जिसके चलते भाजपा एवं कांग्रेस खुलकर नही बोल रहे है।

भोमिया महाराज का वार्षिक उत्सव आज

मानपुरा माचेडी । मानपुरा माचैड़ी रिको औद्योगिकी क्षेत्र के नजदीक अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित धोलिया भोमिया महाराज का वार्षिक उत्सव व भण्डारा आज है।

भोमिया जी नवयुवक मंडल मानपुरा माचैड़ी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि वार्षिक उत्सव का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ शुरू होगा । कलश यात्रा मुख्य बाजार से शुरू होकर लगभग 2 किलोमीटर पहाड़ी स्थित भोमिया जी महाराज के मंदिर पहुंचेगी।

कलश यात्रा के साथ ही भंडारा शुरू होगा साथ हीं भक्ति भजनों का आयोजन होगा । इस मौके पर मंदिर को भव्य रुप से सजाया जायेगा। कार्यकर्ताओं ने बताया कि वार्षिक उत्सव पिछले 25 वर्षों से मनाया जा रहा हैं और प्रति वर्ष भंडारे का आयोजन होता है जिसमे हजारों भक्त प्रसादी ग्रहण करते है।

भंडारे में भोमिया जी नवयुवक मण्डल मानपुरा माचैड़ी के शंकर लाल, रामेश्वर काजला, नटवाडिया पूर्व पंचायत बनवारी लाल जाट, समिति सदस्य मामराज गुर्जर, श्याम सुंदर शर्मा, गोपाल गार्ड कल्याण सहाय, रामलाल जाट, राकेश शर्मा, श्रवण लाल यादव, राजेश शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

पीपलू में अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पीपलू थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किया।

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पीपलू थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर चालक को मौके से गिरफ्तार किया है।

पीपलू थानाधिकारी शिवचरण ने बताया कि थाना पुलिस टीम ने 11 सितंबर को गश्त के दौरान अभियान में कार्यवाही करते हुए ग्राम छोटी गहलोद की स्कूल के पास कच्चे रास्ते से आ रहे ट्रैक्टर की जांच करने उसमें करीब 3 टन अवैध बजरी मिली। जिसके बाद पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी दिलखुश गुर्जर पुत्र राजाराम गुर्जर उम्र 31 साल निवासी मवासीपुरा, थाना बरोनी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार रक उसके खिलाफ एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

- **थाना पुलिस टीम ने 11 सितंबर को गश्त के दौरान अभियान में कार्यवाही करते हुए ग्राम छोटी गहलोद की स्कूल के पास कच्चे रास्ते से आ रहे ट्रैक्टर की जांच करने उसमें करीब 3 टन अवैध बजरी मिली**

इंजीनियर्स फोरम की टीम छाई

भरतपुर । अभियंता दिवस के उपलक्ष्य में इंजीनियर्स फोरम भरतपुर द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के अंतर्गत आज 19 स्पोर्ट्स अकादमी के क्रिकेट मैदान पर विभिन्न विभागों एवं इंजीनियर्स फोरम की टीमों के बीच क्रिकेट के लीग मैच खेले गए । इन प्रतियोगिताओं में जेवीवीएनएल, बीडीए, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, पीएचईडी, डब्ल्यूआरडी एवं इंजीनियर्स फोरम की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनभर चले रोमांचक मुकाबलों में जेवीवीएनएल, डब्ल्यूआरडी, नगर निगम एवं इंजीनियर्स फोरम की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में विजय प्राप्त की। आज की विजेता टीमों के बीच कल 19 स्पोर्ट्स अकादमी के क्रिकेट मैदान पर सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। साथ ही, महिला अभियंताओं की खेलों में सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महिला अभियंताओं के बीच विशेष क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया जाएगा। इंजीनियर्स फोरम द्वारा खेलों के माध्यम से विभिन्न विभागों के अभियंताओं के बीच आपसी समन्वय को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जिला क्लब में बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, लॉन टेनिस एवं टेबल टेनिस की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंजेगा दौसा शहर

दौसा (निसं.)। श्री सिद्धि विनायक मंदिर में 13 व 14 सितंबर को आयोजित दो दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक एवं भक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि श्री सिद्धि विनायक सब्जी मंडी दौसा मंदिर परिसर में 13 एवं 14 सितंबर को विभिन्न धार्मिक एवं भक्ति कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिवस 13 सितंबर को प्रातः 8:15 बजे अभिषेक एवं पूजन का आयोजन होगा। इस दौरान भगवान श्री गणेश का दुग्धाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक विधि-विधान से किया जाएगा। सायं 7:15 बजे मेहंदी कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन 14 सितंबर को प्रातः 5:15 बजे मंगल आरती से कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। इसके बाद दोपहर 12:15 बजे भोग आरती तथा सायं 6:15 बजे भव्य महाआरती आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर भगवान श्री गणेश की फूल बंगला झांकी एवं मोदक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके साथ ही विभिन्न धार्मिक एवं भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रात्रि में धार्मिक भजनामृत एवं रात्रि जागरण का

- **13 एवं 14 सितंबर को होगा गणेश चतुर्थी महोत्सव का भव्य आयोजन**

आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु भजनों एवं भक्ति संगीत के माध्यम से गणपति महाराज की आराधना करेंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव में दौसा सहित आसपास के ठामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। उन्होंने बताया कि विशेषकर महाआरती, झांकियों एवं रात्रि जागरण के दौरान विशेष रूप से श्रद्धालुओं की बडी संख्या में उपस्थित रहते है, ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा तथा कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जिला एवं पुलिस प्रशासन से पर्याप्त पुलिस जाप्ता, महिला पुलिस बल एवं आवश्यकतानुसार यातायात व्यवस्था उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया गया है। इधर आयोजक समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में धार्मिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त करें।

छात्राओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई

कोटपूतली । यहां के डाबला रोड स्थित पाना देवी राजकीय कन्या महाविद्यालय में दिवेर विजय महोत्सव के अंतर्गत महाराणा प्रताप : विजय योद्धा और कुशल प्रशासक विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. आर.पी. गुर्जर ने की। मुख्य वक्ता के रूप में एलबीएस पीजी महाविद्यालय के सहायक आचार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक डॉ. अशोक सिंह चौहान उपस्थित रहे। भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने महाराणा प्रताप के शौर्य, संघर्ष, राष्ट्रिनष्ठा, प्रशासनिक दक्षता तथा जनकल्याणकारी दृष्टिकोण पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा एरिन कुरैशी ने प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष की निशा रावत ने द्वितीय तथा तानिया शर्मा और ममता सैनी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्रायें आगामी 15 सितंबर को एलबीएस महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस प्रतियोगिता में शिवानी, अनिशा, ममता सैनी आदि छात्राओं ने भी भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति केंद्र के तत्वाधान में डॉ. अशोक सिंह चौहान ने नशामुक्ति और युवा विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि नशा केवल बीड़ी और तंबाकू तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके अनेक रूप हैं। युवाओं को इन विभिन्न प्रकार के नशे तथा उनके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को भविष्य में अनेक सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिये नशे के खतरों और नशामुक्ति अभियान के उद्देश्य को आज से ही समझना जरूरी है। कार्यक्रम में प्रो. विष्वंभर दयाल, प्रो. मनोज कुमार सैनी, प्रो. प्रतिभा पोषवाल, प्रो. हरेंद्र चंदेला, डॉ. प्रिया खंगरावत सहित महाविद्यालय स्टॉफ एवं सैकड़ों छात्रायें उपस्थित रहीं। डॉ. महेंद्र सिंधु ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

- **प्रतियोगिता में स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा एरिन कुरैशी ने प्रथम**

बदलते मौसम में लोगों को बीमारियों ने घेरा

पावटा। मौसम में लगातार हो रहे उतार चढ़ाव के चलते इसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड रहा है। लोगों को सर्दी, जुकाम, बुखार सहित तमाम बीमारियों ने घेर रखा है। बीमारियों की जद में आने के बाद लोग सीधे अस्पतालों की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसे में अस्पतालों की ओपीडी में बढ़ोतरी हुई है। उपजिला अस्पताल पावटा में बीते दिनों उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पहुंचने वाले मरीजों की संख्या में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 7 सितंबर को सर्वाधिक 1244 मरीज पहुंचे, जबकि 4 सितंबर को 370 मरीज दर्ज किए गए। दैनिक आंकड़ों के अनुसार 4 सितंबर को 370, 5 सितंबर को 705, 6 सितंबर को 395, 7 सितंबर को 1244, 8 सितंबर को 1018, 9 सितंबर को 432 मरीज दर्ज किए गए। उपजिला अस्पताल पावटा में मरीजों की संख्या में आए इस उतार-चढ़ाव को लेकर अस्पताल प्रशासन द्वारा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सायरन बजते ही दौड़ी राहत टीम, 15-20 यात्रियों को बचाने का अभ्यास

लालसोट। संभावित रेल दुर्घटना की स्थिति में रेलवे की तत्काल प्रतिक्रिया और राहत-बचाव व्यवस्था को परखने के लिए शनिवार को लालसोट रेलवे स्टेशन पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। जयपुर मंडल के अधिकारियों के निर्देशन में हुए अभ्यास में रेलवे के साथ , , सिविल डिफेंस, होमगार्ड, फायर ब्रिगेड और चिकित्सा टीमों ने हिस्सा लिया। कल्पित हादसे ने मचाई हलचल, मिनटों में एक्टिव हुआ रेलवे का पूरा रेस्क्यू सिस्टम मॉक ड्रिल के दौरान लालसोट रेलवे स्टेशन यार्ड में किलोमीटर संख्या 44/3-4 पर ट्रेन संख्या 09725 के पटरी से उतरने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। इसमें करीब 15-20 यात्रियों के घायल होने की स्थिति मानकर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया।दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की राहत व्यवस्था सक्रिय की गई और आवश्यक संसाधनों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। जयपुर से दुर्घटना राहत एवं बचाव ट्रेन भी रवाना की गई। रेलवे की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल में , , सिविल डिफेंस, होमगार्ड, फायर विभाग सहित रेलवे के वाणिज्य, परिचालन, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार, विद्युत और चिकित्सा विभाग की टीमों ने भाग लिया। घायलों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने और राहत संसाधनों को घटनास्थल तक पहुंचाने की प्रक्रिया को परखा गया।

- **लालसोट में रेल हादसे का मॉक ड्रिल**

रवि जैन बोले-आपात स्थिति में बेहतर तालमेल ही सबसे बड़ी ताकत

जयपुर मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य संभावित रेल दुर्घटना के दौरान रेलवे की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और राहत-बचाव संसाधनों की उपलब्धता को जांचना है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभ्यासों से रेलवे, , , सिविल डिफेंस, होमगार्ड और फायर विभाग सहित सभी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।

अभ्यास के दौरान अधिकारियों ने कर्मचारियों की तत्परता, राहत संसाधनों की उपलब्धता, घटनास्थल तक पहुंचने में लगने वाले समय और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का भी आकलन किया।

सार-समाचार

महाराणा प्रताप के शौर्य,प्रशासनिक कौशल पर विद्यार्थियों ने विचार रखे

चौमूं / कालाडेरा । सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में प्रताप गौरव केन्द्र , उदयपुर तथा आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में 'दिवेर विजय महोत्सव-2026' के अवसर पर महाविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'विजयी योद्धा एवं कुशल प्रशासक के रूप में महाराणा प्रताप' रखा गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने महाराणा प्रताप के अदम्य शौर्य, संघर्ष, राष्ट्रिनष्ठा, स्वाभिमान, कुशल नेतृत्व तथा प्रशासनिक क्षमता पर प्रभावशाली ढंग से अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के जीवन-संघर्ष को केवल युद्ध और विजय तक सीमित न मानते हुए उसे स्वाभिमान, राष्ट्रिहत और नेतृत्व के प्रेरणादायी आदर्श के रूप में रेखांकित किया। कार्यक्रम में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. सुमन भाटिया एवं वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रोफ़ेसर सी.एल. परिहार की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों और स्वाभिमान पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को उनके शौर्य, राष्ट्रिनष्ठा और आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में दृढ़ता, नेतृत्व और कर्तव्यबोध विकसित करने का संदेश दिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. सुधा राठी, डॉ. वीणा माथुर एवं डॉ. चित्रा व्यास शामिल रहीं। निर्णायकों ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन विषय-वस्तु, तथ्यात्मकता, अभिव्यक्ति, भाषण शैली, आत्मविश्वास, उच्चारण, समय-प्रबंधन एवं समठा प्रभाव जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर किया। प्रतियोगिता में अभिप्राय शर्मा ने प्रथम, प्रियंका कुमावत ने द्वितीय तथा सिमरन चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय स्तर पर प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन आगामी जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के लिए किया गया है। ये विद्यार्थी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र मीणा, डॉ. शिखा पाटनी एवं डॉ. सुरेन्द्र गोलाडा ने संयुक्त रूप से समन्वय एवं संचालन की जिम्मेदारी निभाई। उनके मार्गदर्शन एवं समन्वय से प्रतियोगिता सुचारू रूप से संपन्न हुई। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, ऐतिहासिक चेतना, नेतृत्व क्षमता तथा भारतीय वीर परंपरा के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करना और उन्हें महाराणा प्रताप के जीवन-मूल्यों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

पत्रकारों से बदसलूकी पर रोष

टोंक। नगर निकाय चुनाव की कवरेज के दौरान पत्रकारों के साथ पुलिसकर्मियों के कथित दुर्व्यवहार को लेकर शुक्रवार को मुख्यालय स्थित डाक बंगले पर पत्रकार सघं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मतदान केंद्रों पर कवरेज के दौरान सामने आई घटनाओं पर चर्चा करते हुए पत्रकारों ने नाराजगी जताई और मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की। पत्रकारों ने आरोप लगाया कि 10 सितंबर की शाम नगर परिषद स्थित मतदान केंद्र पर मतदान दलों की तैयारियों की कवरेज के लिए पहुंचे संवाददाता पवन शर्मा से एएसआई जयसिंह ने बदसूलकी की तथा 11 सितंबर की सुबह वरिष्ठ पत्रकार मनोज तिवारी के साथ भी वार्ड 27 में हंगामे की सूचना पर कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकार पुरुषोत्तम जोशी को कोतवाली थानाधिकारी एवं पुलिसकर्मी द्वारा गाली-गलौज और बदसलूकी करने का आरोप लगाया। पत्रकार संघ ने ऐसी घटनाओं के बाद पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा को ज्ञापन सौपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। पत्रकारो ने बताया कि चुनाव प्रशासन, पुलिस और मीडिया के बीच आपसी समन्वय बेहद जरूरी है। नियमों का पालन भी हो और पत्रकारों को सम्मानजनक तरीके से अपना दायित्व निभाने का अवसर भी मिले, यही स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आवश्यक है। आगे ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए निर्वाचन आयोग को मीडिया कवरेज से जुड़े निर्देश पहले से स्पष्ट और व्यावहारिक रूप से जारी करे ताकि प्रशासन, पुलिस और पत्रकारों के बीच किसी प्रकार का असमंजस न रहे। बैठक में मनोज तिवारी, प्रेम रघुवंशी, सत्यनारायण चावला, भगवान, पवन शर्मा राहुल राजंवशी, भूपेंद्र सिंह, रविंद्र जोहरी, रामावतार धाभाई, अरशद शाहीन, दौलत महावर, रोहित, ओम प्रकाश पारीक, विनोद शर्मा, अशोक शर्मा, सुरेंद्र गुप्ता, फिरोज उस्मानी, मोईन हीना, पुरुषोत्तम जोशी, कमलेश शर्मा, विजय लखवानी, हसीन खान सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

कल घर-घर पूजे जाएंगे गणपति, मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

फुलेरा। सभी देवी-देवताओं में प्रथम पूज्य भगवान गणेश का जन्मोत्सव गणेश चतुर्थी के अवसर पर रविवार को घर-घर एवं विभिन्न मंदिरों में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्री सिद्ध गणेश मंदिर, न्यू कॉलोनी, भंन्दे के बाबाजी तथा जीआरपी थाने के पास स्थित श्री शीतलदास बाबा की बगीची में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर श्री शीतलदास बाबा की बगीची सेवा समिति की बैठक शनिवार को मंदिर परिसर में संरक्षक कैलाश सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार रविवार को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक हल्दी एवं मेहंदी कार्यक्रम होगा। सोमवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक भगवान गणेश का अभिषेक तथा शाम को मेले का आयोजन किया जाएगा। बैठक में समिति अध्यक्ष विष्णु कायल, रामप्रसाद गुप्ता, छत्रपाल कुमावत, हनुमान माठेठिया, कान सिंह, इन्द्रचंद कुमावत, पुजारी सुनील एवं अजय सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता पर व्याख्यान

मनोहरपुर । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बरोदिया में शुक्रवार को आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य निदेशक एव उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग के निर्देशन में कक्षा 9 एवं 10 की छात्राओं के लिए किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं शल्य चिकित्सक डॉ. रोहिताश गुर्जर ने छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं किशोरावस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। डॉ. गुर्जर ने अपने संबोधन में किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, एनीमिया से बचाव तथा आयरन एवं पोषक तत्वों से युक्त भोजन के नियमित सेवन की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों से दूर रहने तथा किसी भी स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में योग्य चिकित्सक से परामर्श लेने की सलाह दी। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनने का संदेश दिया। व्याख्यान के दौरान छात्राओं ने स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. गुर्जर ने वैज्ञानिक एवं सरल भाषा में समाधान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। विद्यालय प्रशासन ने इस उपयोगी एवं जागरूकतापरक व्याख्यान के लिए डॉ. रोहिताश गुर्जर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वाहनों का आवागमन रहेगा बंद

निवाई। नगर पालिका के चुनाव की मतगणना को लेकर सुरक्षा व कानून व्यवस्था को लेकर 14 सितंबर को कृषि उपज मंडी में कृषि जिंसों का व्यापार बंद रहेगा। मंडी सचिव रामलाल जाट ने बताया कि 14 सितंबर को नगरपालिका के चुनाव की मतगणना मंडी समिति के कार्यालय भवन में संपन्न होगी। मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंडी के बाहर झिलाय रोड पर बेरिकेडिंग करवाई गई है। जिसके कारण वाहनों की आवाजाही पर भी पूरी तरह रोक रहेगी। सचिव जाट ने बताया कि रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह के निर्देशानुसार किसानों की सुविधा व मतगणना को लेकर 14 सितंबर को मंडी प्रांगण में कृषि जिंसों की खरीद-फरोख्त एवं वाहनों का आवागमन बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

निकाय चुनाव : ई.वी.एम. का पिटारा खुलने से पहले शुरू हुआ ''बोर्ड का सियासी खेल''

भाजपा-कांग्रेस ने संभावित विजेताओं को साधने के लिए कमर कसी; रिसॉर्ट में जुटाए प्रत्याशी; निर्दलीयों पर नजर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । निकाय चुनाव में मतदान का दौर खत्म होते ही जयपुर की सियासत में अब बोर्ड बनाने की जंग शुरू हो गई है। मतदाताओं का फैसला ईवीएम में बंद है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस ने परिणाम से पहले ही अपने-अपने खेमे को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। दोनों दलों ने प्रत्याशियों से संपर्क बढ़ाने के साथ उन्हें एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

भाजपा ने शनिवार को जयपुर शहर कार्यालय से अपने पार्षद प्रत्याशियों को बसों के जरिए दिल्ली रोड स्थित रिसॉर्ट भेज दिया। पार्टी इसे प्रशिक्षण वर्ग बता रही है। वहीं, कांग्रेस ने भी देर शाम अपने प्रत्याशियों को घाटगेट पर जुटाकर बस्सी क्षेत्र के रिसॉर्ट की ओर रवाना करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। मतदान के बाद दोनों दलों की इस सक्रियता को संभावित बाड़ेबंदी और बोर्ड गठन की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। 14 सितंबर को मतगणना होगी। इसके बाद 21 सितंबर को महापौर और 22 सितंबर को उपमहापौर का चुनाव होना है। ऐसे में परिणाम आने के बाद करीब एक सप्ताह तक पार्षदों को अपने पाले में बनाए रखना दोनों दलों के लिए बड़ी चुनौती होगी।

परिणाम से पहले ही शुरू हुआ जोड़-तोड़ का गणित

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में मुकाबला होने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल बोर्ड के बहुमत का है। भाजपा और कांग्रेस दोनों अपने-अपने स्तर पर जीत का दावा कर रहे हैं, लेकिन किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं। ऐसे में एक-एक पार्षद की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। यही कारण है कि दोनों दल संभावित विजेताओं को एकजुट रखने के साथ उन निर्दलीय प्रत्याशियों पर भी नजर रख रहे हैं, जिनके चुनाव जीतने की संभावना मजबूत मानी जा रही है।

भाजपा ने शनिवार को जयपुर शहर कार्यालय से अपने पार्षद प्रत्याशियों को बसों के जरिए दिल्ली रोड स्थित रिसॉर्ट भेजा।

भाजपा ने 'प्रशिक्षण' के बहाने बनाया कैंप

भाजपा ने शनिवार दोपहर अपने पार्षद प्रत्याशियों को शहर कार्यालय बुलाया। प्रत्याशियों को पहले ही आवश्यक सामान साथ लाने के निर्देश दिए गए थे। कार्यालय पहुंचने के बाद उन्हें बसों से दिल्ली रोड स्थित रिसॉर्ट के लिए रवाना किया गया। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह बाड़ेबंदी नहीं बल्कि प्रशिक्षण वर्ग है। इसमें प्रत्याशियों को पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा, सुशासन, सरकारी योजनाओं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार महिला प्रत्याशियों के लिए बच्चों और परिवार के साथ रहने की व्यवस्था भी की गई है। जयपुर के अलावा अन्य निकायों में भी इसी तरह प्रत्याशियों को एकजुट रखने की कवायद की जा रही है।

भाजपा का दावा : पार्टी में प्रशिक्षण नियमित प्रक्रिया

भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि पार्टी में प्रशिक्षण की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इस शिविर में वरिष्ठ नेता प्रत्याशियों का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा में पार्टी परिवार की तरह है और कार्यकर्ता भी परिवार की तरह साथ रहते है।

वहीं दूसरी ओर भाजपा के प्रत्याशियों को रिसॉर्ट भेजे जाने के बाद कांग्रेस ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी। जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के आवास पर वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। इसमें प्रत्याशियों को परिणाम तक और उसके बाद भी एकजुट रखने पर चर्चा की गई। कांग्रेस ने 150 प्रत्याशियों से लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए विधानसभा क्षेत्रवार नेताओं को जिम्मेदारी दी है। देर शाम प्रत्याशियों को घाटगेट पर एकत्रित किया गया और वहां से बस्सी क्षेत्र स्थित रिसॉर्ट ले जाने की प्रक्रिया शुरू हुई। कांग्रेस की रणनीति में खास जोर इस बात पर है कि मतगणना के बाद संभावित विजेता किसी दूसरे खेमे के संपर्क में न आएं।

कांग्रेस : जरूरत पड़ी तो प्रत्याशियों को बाहर रखेंगे

- 14 सितंबर को मतगणना के बाद 21-22 सितंबर को महापौर-उपमहापौर का चुनाव होगा, ऐसे में करीब 9 दिन तक पार्षद प्रत्याशी पार्टी की निगरानी में रहेंगे

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि पार्टी के सभी 150 प्रत्याशी कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े हैं।

उन्होंने जयपुर में कांग्रेस का बोर्ड बनने का दावा करते हुए कहा कि सभी विधायकों और विधानसभा चुनाव लड़ चुके नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों के प्रत्याशियों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए है।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी से बगावत कर चुनाव मैदान में उतरे लोगों के लिए भी वापसी के रास्ते खुले हैं, यदि वे कांग्रेस की विचारधारा के साथ वापस आना चाहते है। ज्ञात रहे कि शनिवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के आवास पर हुई बैठक में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, शहर कांग्रेस प्रभारी रोहित बोहरा, विधायक अमीन कागजी, रफीक खान, अर्चना शर्मा, गंगा देवी, पुष्पेंद्र भारद्वाज और विक्रम सिंह शेखावत सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को एकजुट रखने के लिए पार्टी पूरी तरह सतर्क रहेगी।

बाडाबंदी का अंतिम फैसला शनिवार रात या रविवार सुबह तक होने की संभावना है। पार्टी निर्देश जारी होने के बाद विधायकों और विधानसभा चुनाव लड़ चुके नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्याशियों को निर्धारित स्थान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी जाएगी।

बागियों और निर्दलीयों पर दोनों दलों की नजर

इस पूरे खेल में सबसे अहम भूमिका निर्दलीय पार्षदों की हो सकती है। टिकट नहीं मिलने के बाद भाजपा और कांग्रेस से बगावत कर चुनाव लड़ने वाले कई प्रत्याशी अपने वार्ड में मजबूत स्थिति में माने जा रहे है। यदि परिणाम में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो यही निर्दलीय पार्षद बोर्ड गठन में निर्णायक हो सकते हैं। ऐसे में दोनों दलों ने संभावित जीत वाले निर्दलीयों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। परिणाम के बाद इनके सामने समर्थन के बदले राजनीतिक सौदेबाजी के रास्ते भी खुल सकते हैं।

14 सितंबर के बाद बदलेगी तस्वीर

14 सितंबर को भवानी निकेतन स्थित मतगणना केंद्र पर ईवीएम खुलेंगी और तस्वीर साफ होगी। इसके बाद विजयी प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रमाण-पत्र दिलाकर सीधे पार्टी कैंप में ले जाने की रणनीति पर काम चल रहा है। यदि भाजपा या कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिल जाता है तो बोर्ड बनाना अपेक्षाकृत आसान होगा, लेकिन बहुमत का आंकड़ा छूने से कुछ सीटें कम रहने पर निर्दलीय और अन्य खेमों के पार्षदों की अहमियत अचानक बढ़ जाएगी।

महापौर चुनाव तक जारी रहेगा ''पहरा''

महापौर का चुनाव 21 सितंबर और उपमहापौर का चुनाव 22 सितंबर को होना है। यानी मतगणना के बाद भी दोनों दलों के पास अपने विजयी पार्षदों को संभालकर रखने के लिए करीब एक सप्ताह का समय रहेगा। यही वह दौर होगा जब संपर्क, समर्थन, सेंधमारी और क्रॉस वोटिंग की आशंकाएं सबसे ज्यादा रहेंगी। इसलिए मतदान खत्म होने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस ने प्रत्याशियों की घेराबंदी शुरू कर दी है। अब मुकाबला ईवीएम से निकलकर रिसॉर्ट तक पहुंच गया है। 14 सितंबर को जनता का फैसला सामने आएगा, लेकिन जयपुर का बोर्ड किसके कब्जे में जाएगा, इसकी असली सियासी बाजी उसके बाद शुरू होगी।

जेल में मोबाइल मिलने के आरोप के बाद पूर्व विधायक बलजीत यादव भूख हड़ताल पर बैठे

जयपुर । जयपुर सेंट्रल जेल में बंद पूर्व विधायक बलजीत यादव शनिवार को भूख हड़ताल पर बैठ गए। जेल में मोबाइल रखने के आरोप में उनके खिलाफ 9 सितंबर को लालकोठी थाने में मामला दर्ज किया गया था। यादव ने आरोप लगाया है कि सरकार के दबाव में उनके खिलाफ द्वेषतापूर्वक झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

तसींग (कोटपूतली-बहरोड़) के निवर्तमान सरपंच प्रतिनिधि संदीप यादव ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को जेल में करीब 20 मिनट तक बलजीत यादव से मुलाकात की। उनके अनुसार यादव ने मोबाइल रखने के आरोप से इनकार किया और बताया कि जिस बैरक में वे रहते हैं, वहां पुलिस ने तलाशी नहीं ली थी। यादव ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और जेल महानिदेशक को पत्र भेजकर जेल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांचने की मांग की है। उनका कहना है कि फुटेज से मोबाइल बरामदगी के दावे की सच्चाई स्पष्ट हो जाएगी। गत 9 सितंबर को जयपुर सेंट्रल जेल में कैदियों और बैरकों की तलाशी का अभियान चलाया गया था। जेल प्रशासन के अनुसार, तलाशी के दौरान बलजीत यादव के पास से मोबाइल बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया। इसके बाद लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया गया। जेल में गुरुवार को हुए तलाशी अभियान में भी आठ बंदियों के पास से मोबाइल मिलने की बात सामने आई थी। आरोप है कि यादव ने मोबाइल कंबल में छिपा रखा था। पूर्व विधायक बलजीत यादव 3 फरवरी 2026 से विधायक निधि के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में जेल में बंद हैं। मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। मोबाइल बरामदगी के मामले में यादव ने लगाए गए आरोपों से इनकार करते हुए निष्पक्ष जांच और सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की।

खेल-खेल में छात्र के हाथों पर सैनिटाइजर डालकर आग लगाई

जयपुर। कालवाड़ थाना क्षेत्र स्थित एक संस्कृत स्कूल में शनिवार को लंच टाइम के दौरान खेल-खेल में छठी कक्षा के छात्र के साथ बड़ा हादसा हो गया। आरोप है कि दो छात्रों ने उसके दोनों हाथों पर सैनिटाइजर डालकर माचिस की तीली से आग लगा दी। देखते ही देखते छात्र के हाथ आग की लपटों से घिर गए। आग लगने से घबराए छात्र ने पहले दोनों हाथों को आपस में रगड़कर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग नहीं बुझी। इसके बाद उसने जलते हाथ कपड़ों पर रगड़ दिए, जिससे शर्ट ने भी आग पकड़ ली। छात्र के कपड़ों में आग लगते ही आसपास मौजूद अन्य छात्र मदद के लिए दौड़े और उसकी शर्ट खोलकर आग बुझाई। हादसे में छात्र के हाथ सहित शरीर के कुछ हिस्से झुलस गए। घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन ने छात्र को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना को लेकर स्कूल प्रबंधन और पुलिस की ओर से जानकारी जुटाई जा रही है।

रिसॉर्ट में छापा : 7 विदेशी युवतियों समेत 11 लोग पुलिस हिरासत में

-कार्यालय संवाददाता-

- पुलिस का कहना है कि हिरासत में ली गई थाईलैंड की 7 युवतियों के पासपोर्ट और वीजा की अवधि खत्म हो चुकी थी। इसके बावजूद वे जयपुर में रह रही थीं और पार्टी में मौजूद थीं।
- पुलिस जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामला किसी अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क, मानव तस्करी या अन्य अवैध गतिविधियों से जुड़ा है या नहीं।

जयपुर । राजधानी जयपुर के एक लग्जरी रिसॉर्ट में चल रही कथित हाई-प्रोफाइल पार्टी पर पुलिस की स्पेशल टीम ने शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि को दबिश देकर थाईलैंड की सात विदेशी युवतियों समेत 11 लोगों को हिरासत में लिया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन स्थानीय युवकोंऔर रिसॉर्ट मालिक को भी डिटेन किया। पुलिस को मौके से संदिग्ध सामग्री और नशीले पदार्थ मिलने की बात सामने आई है। इसके बाद पुलिस ने शहर में सक्रिय किसी बड़े नशे के नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार हिरासत में ली गई थाईलैंड की 7 युवतियों के पासपोर्ट और वीजा की अवधि पहले ही समाप्त हो चुकी थी। इसके बावजूद वे जयपुर में रह रही थीं और पार्टी में मौजूद थीं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वैध दस्तावेजों के बिना ये युवतियां कितने समय से जयपुर में रह रही थीं और उनके यहां रहने की व्यवस्था किसने कराई थी।

पुलिस कार्रवाई के दौरान रिसॉर्ट से संदिग्ध सामग्री और नशीले पदार्थ मिलने की बात सामने आई है। इसके बाद पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि पार्टी का आयोजन किस उद्देश्य से किया गया था और इसमें नशीले पदार्थ कहां से पहुंचे। रिसॉर्ट मालिक की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पुलिस अब हिरासत में लिए गए सभी लोगों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामला किसी अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क, मानव तस्करी या अन्य अवैध गतिविधियों से जुड़ा है या नहीं।

पुलिस के अनुसार पूछताछ और जांच के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट होगी। संभावित नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

''विकसित भारत-जन सेवा अभियान'' 17 सितंबर से एक माह तक चलेगा

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बैठक लेकर तैयारियों पर चर्चा की

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय में महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति, 'विकसित भारत-जन सेवा अभियान' की कार्ययोजना एवं अन्य विषयों को लेकर बैठक हुई। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को अभियान की तैयारियां पूरी करने व अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

'विकसित भारत' के लक्ष्यों की दिशा में जनभागीदारी, जनसेवा, सामाजिक सरोकार और सुशासन की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक राज्यव्यापी 'विकसित भारत-जन सेवा अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के दौरान रक्तदान शिविर, शैक्षिणक संस्थानों में चित्रकला, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, प्रेरणादायी वीडियो प्रदर्शन, आशा सहयोगिनियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन, विद्यार्थियों की रैली, श्रमदान, सामुदायिक गतिविधियां, जनसेवा शिविर, रंगोली प्रदर्शन और नवाचार को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम होंगे।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने लंपी रोग की रोकथाम के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण, आइसोलेशन और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिलों में रोग की स्थिति की लगातार निगरानी कर आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। केंद्र

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय में महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति, 'विकसित भारत-जन सेवा अभियान' की कार्ययोजना को लेकर बैठक हुई।

सरकार की पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीना बी. ने देश एवं प्रदेश में रोग के संक्रमण और रोकथाम के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने निराश्रित पशुओं एवं गौशालाओं पर विशेष ध्यान देते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण के प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन विभाग विकास सीताराम भाले ने बताया कि रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रदेश में पशु मेलों के आयोजन पर प्रतिबंध लगाया गया है। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पशु परिचरों द्वारा घर-घर जाकर पशुओं का सर्वे भी किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव राजस्व टी. रविकांत ने फार्मर रजिस्ट्री की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने वीबी-जी राम जी योजना के तहत श्रमिक नियोजन एवं भुगतान तथा राजीविका की समीक्षा करते हुए क्लस्टर चिन्हीकरण सहित अन्य विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में संबंधित विभागों के प्रशासनिक सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जबकि कलेक्टर्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

दूध कारोबारी पर सात युवकों ने किया हमला

जयपुर । कानोता क्षेत्र में शुक्रवार रात दूध सप्लाई कर घर लौट रहे कारोबारी पर दो बाइकों से आए सात युवकों ने हमला कर दिया। रास्ते में दूध कारोबारी को रोककर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी भागने लगे। लोगों ने एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रात करीब 10 बजे की है। पुलिस ने मामले में दो युवकों को राउंडअप किया है।

थानाधिकारी वीरेंद्र सिंह के अनुसार नायला निवासी राधाकिशन शर्मा शहर में दूध सप्लाई करने के बाद घर लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राधाकिशन और उनके पडौसी भी दूध बेचने का काम करते हैं। राधाकिशन 50 रुपए किलो में दूध बेचते हैं, जबकि पडौसी पक्ष 60 रुपए किलो में दूध बेचता है। इसी कीमत को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार पडोसी की बेटी ने यह बात अपने परिचित युवक को बताई, जिसके बाद कुछ युवक राधाकिशन के साथ मारपीट करने पहुंचे थे।

मौके पर पकड़े गए युवक ने भीड़ को बताया कि सात युवक दो बाइकों से आए थे। उसके अनुसार साथियों ने दूध की टंकियां लेकर जाने वाले व्यक्ति से मारपीट करने की बात कही थी और उन्हें बताया गया था कि दूध कारोबारी करीब साढ़े 9 बजे इस रास्ते से गुजरता है। आरोपी ने यह भी बताया कि साथियों ने इससे पहले आगे चल रही एक गाड़ी में सवार व्यक्ति के साथ भी मारपीट की थी। पकड़े गए युवक ने खुद को गुरदाड़ा फैक्ट्री से आया और टाइल भरने का काम करने वाला बताया। उसने कहा कि वह प्रदीप के कहने पर मौके पर पहुंचा था। इसी दौरान उसके मोबाइल पर वाट्सऐप कॉल आया। भीड़ ने कॉल रिसीव करवाकर सामने वाले से बात करने की कोशिश की। आरोपी ने फोन पर 'बना, एक बार यहां आ जाओ' कहा। कॉल कटने के बाद उसने बताया कि फोन राहुल बना का था और मोबाइल में उसकी फोटो भी दिखाई। पुलिस द्वारा राउंडअप किए गए दो आरोपियों के मोबाइल की जांच में हथियारों के साथ बनाई गई रील भी मिली है। पुलिस के अनुसार वीडियो में युवक सरिए, डंडे और एयरगन के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में हथियार लहराते और गाली देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। पुलिस वीडियो और मोबाइल में मिले अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित राधाकिशन शर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

एसीपी कानोता हजारी लाल यादव ने बताया कि फिलहाल मामला मारपीट से जुड़ा है। दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के लूट के इरादे से पहुंचने की आशंका की भी जांच की है।

सार-समाचार

'व्रत, मर्यादा स्वस्थ समाज की आधारशिला'

जयपुर । अणुविभा केन्द्र, मालवीय नगर में पर्युषण महापर्व के पांचवें दिन शनिवार को 'व्रत चेतना दिवस' का आयोजन किया गया। महाप्रज्ञ सभागार में आयोजित धर्म परिषद को संबोधित करते हुए मुनिश्री तत्त्व रुचि 'तरुण' ने कहा कि व्रत से आत्महित के साथ समाजहित भी जुड़ा है। व्रत आत्म नियंत्रण की प्रक्रिया है। प्रकृति में भी सूर्य, चंद्रमा, ग्रह-नक्षत्र अपनी मर्यादा में रहते हैं, तभी संसार सुरक्षित है। इसी प्रकार व्रत और मर्यादा स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। मुनिश्री तत्त्व रुचि ने कहा कि आत्म विकास के लिए भगवान महावीर ने आत्म संयम और आत्म नियंत्रण का संदेश दिया। धर्म की शुरुआत और धार्मिकता की पहचान केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि व्रत, संयम और त्याग से होती है। भोग-उपभोग की सीमा तय करने से परिवार और समाज स्वस्थ रहता है। उन्होंने भगवान महावीर के पूर्व भवों की कथा सुनाते हुए कहा कि जीवन यात्रा अनादि है तथा तप, जप, ध्यान, स्वाध्याय, सेवा और भक्ति के माध्यम से अंतिम मंजिल प्राप्त की जा सकती है। मुनिश्री संभव कुमार ने कहा कि व्रत धर्म है और आत्मा से जुड़ने वाले कर्मों के बंधन को रोकता है। व्रत आत्मशुद्धि का सर्वोत्तम उपाय है। व्रत से आत्मा स्वस्थ और व्यवहार विश्वसनीय बनता है। उन्होंने कहा कि अणुव्रत अच्छाइयों का गुलदस्ता है, जिससे व्यक्तित्व महकता और चमकता है। जीवन की सार्थकता व्रत से है। कार्यक्रम में आचार्य तुलसी द्वारा रचित अणुव्रत गीत का संगान किया गया। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष शांतिलाल गोलछा ने पर्युषण की शुभकामनाएं देते हुए आवश्यक जानकारी दी। शासन सेवी डॉ. नरेश मेहता ने तपस्वी प्रदीप डोसी के तप की अनुमोदना की। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने बेले, तेले, चौले और पचोले तप का प्रत्याख्यान किया। पूर्व मंत्री के. सी. बिश्नोई ने मुनिश्री के दर्शन कर आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रीरामचंद्र मंदिर में सजा श्याम का दरबार

जयपुर । श्री राधे राधे सेवा परिवार का 21वां वार्षिकोत्सव शनिवार को चांदपोल बाजार स्थित प्राचीन मंदिर श्री रामचंद्रजी में भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। श्याम प्रभु को दरबार का विशेष श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। कलकत्ता से आए कारीगरों ने करीब 1100 किलो फूलों से अनूठा श्रृंगार किया। दीपक माली ने श्रृंगार सेवा की। महामंत्री चेतन अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु की आरती से हुई। शुक संप्रदाय पीठाधीश्वरल अलबेली माधुरी शरण महाराज, काले हनुमान मंदिर के महंत गोपाल दास महाराज, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य सहित अनेक संत-महंतों का अध्यक्ष प्रतीक गोयल ने पूरी कार्यकारिणी के साथ सम्मान किया। अभिषेक खंडेलवाल ने गणेश वंदना से भजन संध्या का शुभारंभ किया। राहुल खंडेलवाल ने हनुमान वंदना, आदित्य ने मां वंदना और मामराज अग्रवाल ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद अमित नामा ने 'हारे के सहारे आजा' सहित भजनों की प्रस्तुति दी। महेश परमार ने 'मन की बाता सांवरिया ने आज' भजन से माहौल को श्याममय बनाए रखा। धमाल किंग मनीष गर्ग घीवाला ने अपने चिर परिचित भजनों और शानदार धमाल से श्रद्धालुओं को नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। कानपुर से आए श्रेष्ठ दीक्षित ने मध्यरात्रि में माइक संभाला और लगातार तीन घंटे तक बाबा श्याम का गुणगान किया। उन्होंने श्याम दरबार के श्रृंगार को देखकर 'सजने का है शौकीन, कहीं नजर ना लग जाए' से शुरुआत की। इसके बाद 'बोलो तो सही ओ बाबा' सहित अनेक भजनों की प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। रिद्देश अरोड़ा ने 'श्याम मैं तेरी कठपुतली' भजन की प्रस्तुति दी।

16 से ज्यादा मामलों में नकबजन पकड़ा

जयपुर । वैशाली नगर पुलिस ने नकबजनी की दो वारदातों का खुलासा करते हुए 16 से अधिक आपराधिक मामलों में आरोपी शातिर नकबजन राकेश सिंह उर्फ रोकी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शोरूम और दुकानों की छत काटकर नकदी चुराता था। पुलिस ने उसके कब्जे से जुड़ी वारदातों का खुलासा कर अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राकेश सिंह उर्फ रोकी (28) उत्तराखंड के चंपावत जिले के तामली थाना क्षेत्र के गांव रमेला का रहने वाला है। वर्तमान में वह सिंधी कैंप रेलवे स्टेशन के पास फुटपाथ पर रह रहा था। उसके खिलाफ वैशाली नगर, चित्रकूट, सदर, झोटवाड़ा और सिंधी कैंप सहित जयपुर शहर के विभिन्न थानों में 16 से अधिक मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने जयपुर पूर्व और जयपुर दक्षिण जिले में भी कई वारदातें करना स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि थानाधिकारी अरविंद सिंह शेखावत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। मानवीय आसूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पुलिस के अनुसार आरोपी नशे का आदी है। वह दिन में बाजारों में पैदल घूमकर दुकानों और शोरूम की रेकी करता था। रात में छत पर चढ़कर कटर से टीनशेड काटता और अंदर घुसकर तिजोरी व लॉकर से नकदी चुराकर फरार हो जाता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके द्वारा की गई अन्य वारदातों व चोरी के माल के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

वार्ड 62 के भाग 23 में पुनर्मतदान आज

जयपुर । नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 62 के भाग संख्या 23 में 13 सितंबर को पुनर्मतदान कराया जाएगा। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कमरा नंबर 4 टीला वाला, सांगानेर स्थित मतदान केंद्र पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदाता मतदान कर सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी (निकाय) एवं जिला कलक्टर सन्देश नायक ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 11 सितंबर को हुई घटना के कारण मतदान प्रक्रिया प्रभावित होने तथा चुनाव की स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता पर असर पड़ने के मद्देनजर पूर्व मतदान को शून्य घोषित कर पुनर्मतदान के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि 11 सितंबर को मतदान के दौरान मतदाता सूची की विलोपन सूची में दर्ज 110 मतदाताओं द्वारा मतदान कर दिया गया था। इसके कारण मतदान प्रक्रिया इस सीमा तक प्रभावित हुई कि चुनाव को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष नहीं माना जा सका। राज्य निर्वाचन आयोग ने राजस्थान नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 55 के तहत मतदान को शून्य घोषित किया। पुनर्मतदान में केवल उक्त मतदान केंद्र के अधिकृत मतदाता ही मतदान कर सकेंगे। पूर्व मतदान में लगी अमिट स्याही के निशान की उपेक्षा की जाएगी और इस बार मतदाता के बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली पर अमिट स्याही लगाई जाएगी। पूर्व में प्रयुक्त मतपत्रों के स्थान पर नए मतपत्र उपयोग में लिए जाएंगे।

मुख्य सचिव से डीजीपी की शिष्टाचार भेंट

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से शनिवार सुबह पुलिस महानिदेशक राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्य सचिव कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान प्रदेश की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, साइबर अपराधों पर नियंत्रण तथा सामुदायिक पुलिसिंग सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

ARBIT it happens here...

Optimism is Powerful

Positive Thinking Day, observed on September 13 each year, is dedicated to embracing the power of optimism and cultivating a positive outlook on life. It encourages people to focus on the brighter side of situations, replace negative thoughts with constructive ones, and spread encouragement to others. Positive thinking has been linked to improved mental health, stronger relationships, and even better physical well-being. On this day, individuals are inspired to practice gratitude, share kindness, and foster resilience in the face of challenges. Positive Thinking Day is a reminder that a hopeful mindset can transform both personal growth and collective harmony.

Empires are built on battlefields They are sustained on roads PART:2

The intelligence function of the system deserves particular emphasis. The akhbarat, the news reports compiled by the waqai-nawis, imperial newswriters stationed at every significant administrative centre, were transmitted through the same postal infrastructure that carried government orders. Provincial governors, military commanders, and court nobles all had newswriters attached to their households whose reports flowed regularly to the imperial court.

Sarai Lashkari Khan.

Watering Horses, Badli ka Sarai.

Grand Trunk Road, Ambala.

Mughal era Kos Minar in the Delhi National Zoo.

Grand Trunk Road (GT Road) in year 1880.

Mughal Sarai at Doraha.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

The urban settlements that grew up around sarais, the qasbas that dotted the road network at every significant junction, were themselves products of the commercial concentration the sarais created. The sarais were also instruments of intelligence. The state maintained networks of spies and informers at the sarais, monitoring the movements of travelers, recording conversations between merchants and officials, and relaying reports on local conditions back to provincial headquarters and ultimately to the emperor.

The sarai was simultaneously a place of welcome and a node in the empire's information network.

The Dak Chowki

If the road network was the empire's skeletal system, the dak chowki, the postal relay system, was its nervous system: the mechanism through which information, instructions, and intelligence moved between the imperial centre and its far-flung provinces.

Babur had established postal stations of six horses every 18 kos, roughly 58 kilometres, for relaying government messages. Sher Shah had significantly improved this by placing sarais serving as postal stations every two kos, with two horses always ready to relay urgent correspondence. The Mughals inherited and formalised this system into a structured imperial institution.

Under Akbar, the postal administration was headed by an officer with the title *Darogha-i-Dak-i-Kul Mumalik-i-Mahrousa*, Superintendent of the Posts of the Entire Empire. Provincial equivalents, the *Darogha-i-Dak*, managed the postal system within each subah. The position was linked to that of the *Sawanihnigar*, the imperial newswriter or intelligencer, a connection that made explicit the dual function of the postal system: it moved government instructions outward from the centre, and it moved intelligence and news reports inward towards the emperor.

The system used two types of couriers. Mounted couriers, *sawars*, carried imperial documents between major dak chowkis on horseback, using the relay system to cover large distances quickly without exhausting individual horses. Running couriers, *harkaras*, operated over shorter distances between closer chowkis, receiving a document at one post and immediately running to the next, handing it to the next harkara who then continued the relay.

The system was fast enough to deliver news from Bengal to Agra in ten days. For a distance of approximately 1,500 kilometres, covering terrain that included rivers, hills, and monsoon-season flooding, this was a logistical achievement that impressed contemporary European observers.

Francisco Pelsaert, a Dutch merchant who spent years at the Mughal court during Jahangir's reign, described the postal organisation as efficient and impressive.

The intelligence function of the system deserves particular emphasis. The *akhbarat*, the news reports compiled by the waqai-nawis, imperial newswriters stationed at every significant administrative centre, were transmitted through the same postal infrastructure that carried government orders. Provincial governors, military commanders, and court nobles all had newswriters attached to their households whose reports flowed regularly to the imperial court.

The emperor received daily intelligence briefings compiled from these reports. This information infrastructure was what made it possible for a single emperor to govern a subcontinent of over 100 million people without his administration becoming effectively autonomous.

During Jahangir's reign, pigeon post was added to the communications arsenal for certain routes, particularly between Bengal and Orissa, and between Rajmahal and Murshidabad, where speed was critical and the terrain made horse relay difficult. This was not a primitive backup system. It was a targeted technological solution to specific logistical bottlenecks in the network.

Mughal Sarai Fort in Ludhiana.

River Crossings

The Indian subcontinent is crossed by major river systems that presented the most serious physical challenge to road-based communication and movement. The Indus, Ganges, Yamuna, Brahmaputra, and dozens of their tributaries could not be bridged with the technology available in the sixteenth and seventeenth centuries, at least not reliably, at the scale required, for the largest rivers.

The Mughals addressed this through a combination of permanent bridge construction on smaller watercourses and systematic boat-bridge and ferry infrastructure on the major rivers. Jahangir's highway improvement programme specifically included bridge construction over water bodies along the main road corridors. Where bridges were not feasible, the empire maintained fleets of boats at major river crossing points, manned by state-employed boatmen and managed as part of the imperial road infrastructure.

#THE INDIAN HIGHWAY

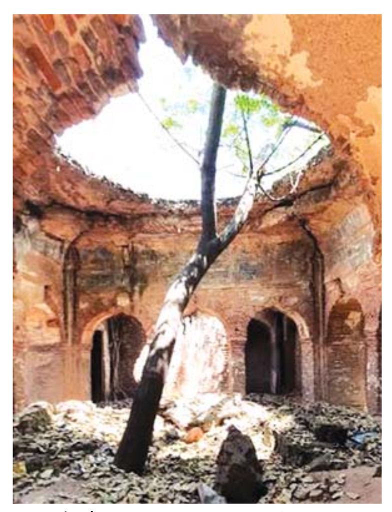
Mughal Era Caravan Sarai.

> Professional long-distance trading communities operated in close symbiosis with the Mughal road network. Banjaras moved grain, salt, cloth, and other commodities in enormous caravan columns, sometimes numbering thousands of pack animals, along the imperial highways. Their routes followed the road network; their stops were the sarais; their commercial activities were one of the mechanisms through which the monetised agricultural surplus generated by Akbar's dahsala system was converted into goods and distributed across the empire.

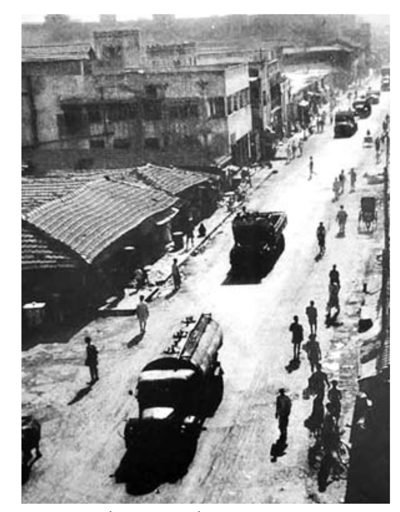
GT Road, Howrah.

The logistics of getting the emperor himself across major rivers, along with his retinue of thousands of people, hundreds of elephants, artillery pieces, and camp followers, required weeks of preparation at major crossing points. Temporary boat-bridges, some stretching hundreds of metres, were assembled from fleets of flat-bottomed river craft lashed together and planked over. Contemporary accounts of imperial crossings of the Indus describe structures substantial enough to carry laden elephants.

The river crossing infrastructure was also economically critical. The Mughals taxed river traffic and maintained control over crossing points as revenue sources. The same boat infrastructure that moved armies could, in peacetime, move commercial cargoes. The management of crossing points was tied to the broader fiscal administration of the regions they served.

The Commercial Dimension

The road and postal network was not conceived primarily as a commercial infrastructure. Its primary functions were military and administrative: moving armies, transmitting government orders, relaying intelligence. But its commercial consequences were profound and, over time, became a major independent justification for its maintenance.

The standardised, maintained road network dramatically reduced the cost and risk of long-distance overland trade. Merchants who might previously have needed to negotiate dozens of different local authorities, pay multiple local tolls, and navigate unmaintained routes could now travel the Badshahi Sadak with a degree of security and predictability that had not existed before. The sarais provided reliable stops, the kos minars gave distances, and the presence of state authority along the road reduced, though never eliminated, the threat of banditry.

The Mughals collected *rahdari*, road transit tolls, at checkpoints along major routes, creating a standardised national tariff system that replaced the fragmented local toll structures of pre-Mughal governance.

This standardisation, like the standardised silver rupee, reduced transaction costs for merchants operating across long distances and made the Mughal economic space more commercially coherent than the patchwork of smaller polities it had replaced.

The Banjara

Professional long-distance trading communities, that moved bulk goods across the subcontinent, operated in close symbiosis with the Mughal road network. Banjaras moved grain, salt, cloth, and other commodities in enormous caravan columns, sometimes numbering thousands of pack animals, along the imperial highways. Their routes followed the road network; their stops were the sarais; their commercial activities were one of the mechanisms through which the monetised agricultural surplus generated by Akbar's *dahsala* system was converted into goods and distributed across the empire.

The road network also facilitated the integration of distant provincial economies into the imperial commercial system. Bengal's extraordinary textile production, the muslin, silk, and cotton cloth that clothed much of the world in the seventeenth century, moved overland through a commercial network anchored on the road infrastructure before it reached the ports of Surat or Bengal for export. The road was not just a communications channel. It was a commercial artery through which the empire's most productive regions connected to each other and to global markets.

The Road as Instrument of Imperial Authority

Thomas Roe's description of the Agra-Lahore highway as a wonder of the world was not simply aesthetic appreciation. It was an acknowledgment of what the road communicated about the power of the empire that built it.

The Mughals understood infrastructure as political statement. The placement of imperial monuments, tombs, mosques, garden complexes, at key points along the highway was not coincidental. The Taj Mahal at Agra, the Red Fort at Delhi, the Badshahi Mosque at Lahore: these were not merely buildings. They were markers of imperial presence along the empire's central artery, visible demonstrations of Mughal power and aesthetic ambition to every traveller, trader, soldier, and official who used the road.

The kos minars themselves carried this political meaning. They bore imperial inscriptions. They standardised space in Mughal terms. They told every traveler in the empire that they were moving through territory that the emperor had measured, named, and claimed. Distance, in the Mughal empire, was not simply a geographical fact. It was an imperial claim.

The Mughals built upon what Sher Shah had introduced and refined the road's use as an instrument of government. The physical characteristics of the road and its surroundings attest to the conscious and ambitious road policy of the Mughals, most notably during the reigns of Akbar and Jahangir.

The emperor travelled with hundreds of elephants, camels, carts, carpet layers, water carriers, carpenters, tent makers, and sweepers, in a retinue that stretched over more than two kilometres on the move. This was not logistical excess. It was deliberate spectacle, a mobile court that brought the physical reality of imperial power to every town and village along its route.

Maintaining the System

The Mughal road and communication system was impressive, but it operated within real limitations that the historical record makes clear.

The first was maintenance. The road was not paved in the modern sense, it was a compacted earth surface, maintained by regular labour, prone to deterioration in the monsoon season, and dependent on constant human investment to remain usable. Stretches between major cities were better maintained than routes into more remote provinces. The quality of the infrastructure declined with distance from the imperial core.

The second was security. The sarais and road network reduced banditry but did not eliminate it. European travelers routinely noted that certain routes required armed escorts, merchants travelled in large groups for mutual protection, and that despite the state's presence along major routes, violence against travelers was a persistent risk. The harkaras, postal runners, were themselves noted for sometimes turning to highway banditry as a supplementary income.

Grand Trunk Road, British Era.

The third was the dependency of the system on the fiscal and administrative health of the empire. The sarais required continuous state investment in staffing, maintenance, and supplies. The dak chowki required a constant supply of horses, fodder, and trained personnel. The intelligence system required networks of waqai-nawis and their salaries. All of this depended on the same revenue system that funded the military and the administration. When the Jagirdari Crisis of the late seventeenth century eroded the fiscal base, the maintenance of infrastructure suffered proportionally.

The British, when they eventually took administrative control of northern India in the late eighteenth and early nineteenth centuries, encountered the remnants of a system that had been allowed to deteriorate. Their reconstruction of the Grand Trunk Road, the name they gave it, which has stuck, was not an act of creation from nothing.

It was the rehabilitation of an existing imperial infrastructure that had been built, at its core, by Sher Shah Suri and elaborated by the Mughals into one of the most sophisticated road systems in the pre-industrial world.

Empires are built on battlefields. They are sustained on roads.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

#AESTHETICS

Yeola Paithani vs South Paithani

Historically associated with royalty, Paithani sarees were prized for their painstakingly detailed weaving and artistic excellence

Paithani sarees are among India's most exquisite handloom traditions, celebrated for their luxurious silk, intricate zari work, and vibrant motifs. Originating in Paithan, this centuries-old craft has evolved over time while retaining its deep cultural essence. Today, the tradition is most faithfully preserved in Yeola, which has become the primary center for authentic Paithani weaving. Alongside this, Paithani-inspired sarees, commonly referred to as South Paithani, are produced in weaving clusters across Karnataka and Tamil Nadu. Although both forms share a similar visual appeal, they differ significantly in technique, loom technology, and craftsmanship.

Historically associated with royalty, Paithani sarees were prized for their painstakingly detailed weaving and artistic excellence. Yeola has carried forward this legacy by preserving the traditional methods that define the authenticity of Paithani. At the heart of a true Yeola Paithani lies the tapestry weaving technique, in which each motif is created by hand through the interlocking of coloured threads. This method is most prominently visible in the palla, or pallu, which serves as the artistic focal point of the saree. The palla in a Yeola Paithani is entirely handwoven, making it labour-intensive and time-consuming, often requiring weeks or even months to complete. One of its most distinctive features is that the design appears identical on both sides, a clear indicator of true tapestry weaving.

While the palla is crafted using this intricate technique, certain elements such as the *Narali* (coconut-shaped) border are often woven using a dobby setup. The dobby loom allows for repetitive patterns and enables faster weaving compared to tapestry, making it suitable for structured designs that do not require individual hand interlocking. However, in more elaborate and high-value sarees, tapestry weaving may extend beyond the palla to the borders and even across the entire body of the saree. Such pieces demand immense skill and time, significantly increasing their value and making them some of the most prized examples of the craft.

In contrast, South Paithani sarees represent an adaptation of this traditional aesthetic, produced primarily in regions of Karnataka and Tamil Nadu. These sarees borrow the visual language of Paithani, incorporating familiar motifs such as peacocks, lotuses, and parrots. However, the method of execution differs considerably. South Paithanis are typically woven using jacquard looms, which operate through pre-designed punched cards that automate the weaving of patterns. This allows for the creation of intricate-looking designs in a much shorter time frame. The borders, buttas (small motifs), and even the palla are generally produced using jacquard techniques, resulting in uniformity and efficiency.

Despite their visual similarity, the difference becomes evident upon closer inspection. Unlike tapestry weaving, jacquard-woven designs do not produce identical patterns on both sides of the fabric. The reverse side often reveals the mechanical nature of the weaving process. While this method makes South Paithani sarees more affordable and widely accessible, it does not replicate the depth of craftsmanship found in traditional Yeola Paithani.

In terms of pricing, there can be some overlap at the basic level. A simple Yeola Paithani featuring a dobby-woven Narali border may be comparable in cost to an entry-level South Paithani. However, as the complexity of design increases, the distinction becomes more pronounced. Yeola Paithanis that feature extensively handwoven tapestry work, particularly in the palla and across the saree, command significantly higher prices due to the labour, time, and expertise involved.

Ultimately, the difference between Yeola Paithani and South Paithani lies not just in appearance, but in the philosophy of their creation. Yeola Paithani remains a true custodian of tradition, preserving a labour-intensive art form that emphasizes individuality and craftsmanship. South Paithani, while inspired by the same heritage, offers a more practical and affordable alternative through modern weaving technologies. The choice between the two depends on whether one values the authenticity and depth of traditional artistry or prefers a more accessible interpretation of a timeless design.

THE WALL

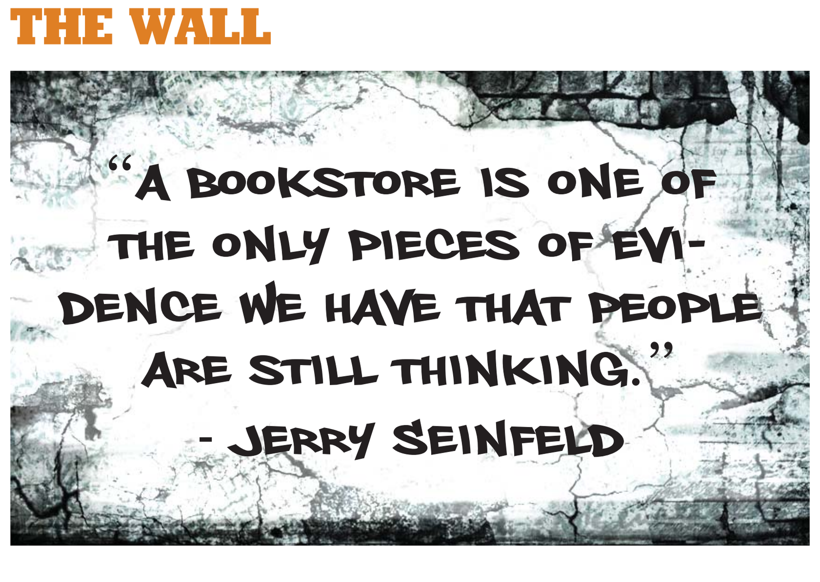

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

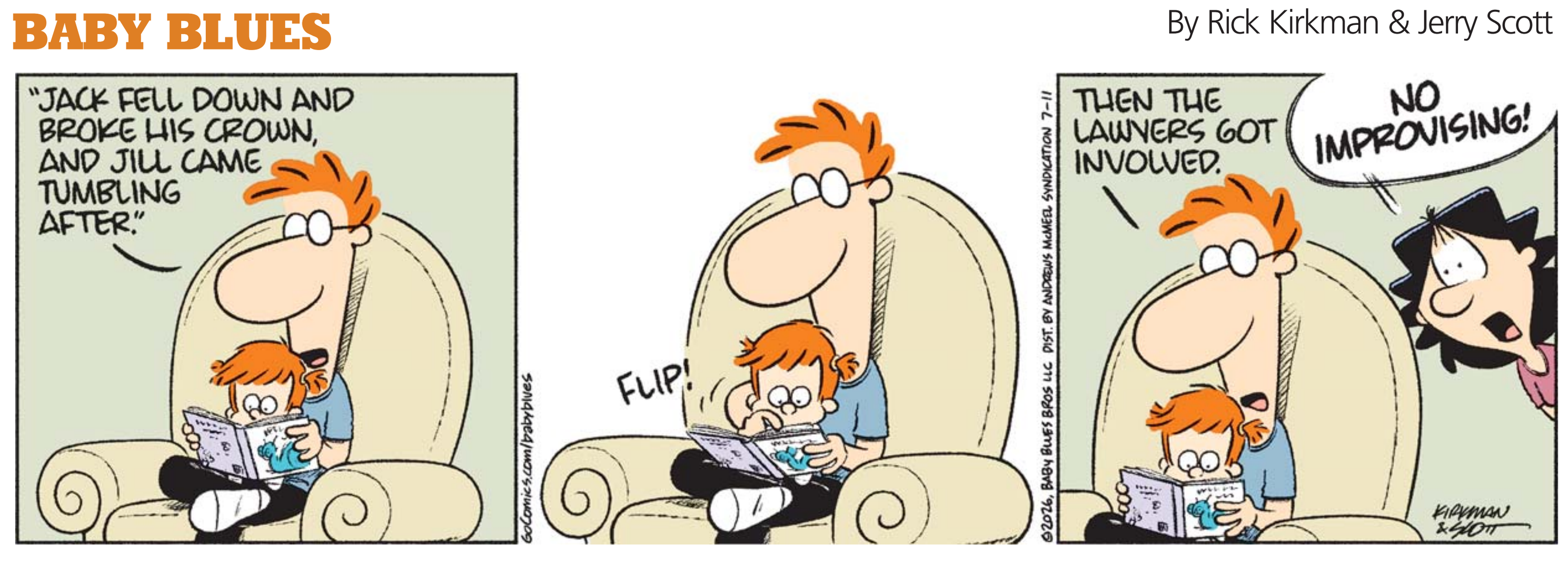

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

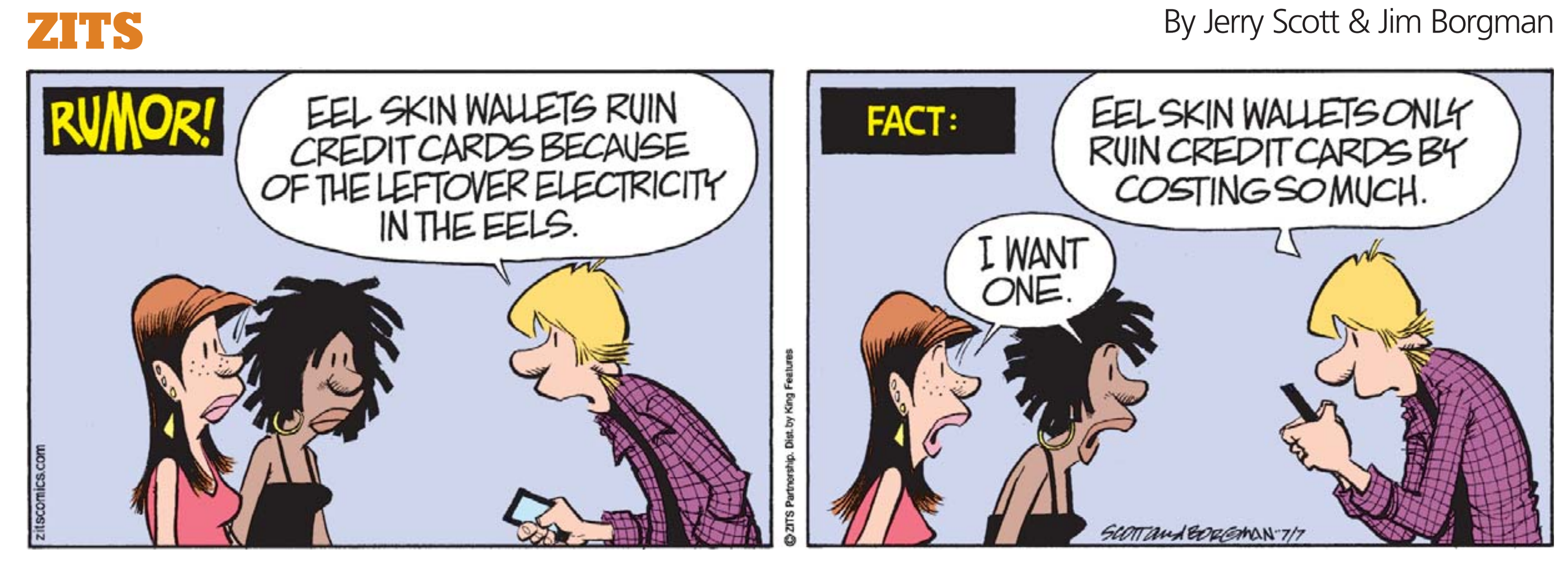

विराटनगर के स्कूल में शिक्षक पर बच्चों से मारपीट के आरोप से माहौल गरमाया

राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय विराटनगर के गेट पर ग्रामीणों ने जड़ा ताला

पावटा, (निसं)। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय विराटनगर में शनिवार को उस समय माहौल गरमा गया, जब एक शिक्षक पर विद्यार्थियों के साथ मारपीट करने के आरोप को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण स्कूल के मुख्य द्वार पर एकत्र हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने करीब ढाई घंटे तक विरोध प्रदर्शन करते हुए विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। ग्रामीण आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

मामले को लेकर ग्रामीणों और छात्रों ने स्कूल के गेट पर हंगामा किया।

- ढाई घंटे तक चला विरोध प्रदर्शन, महिलाएं और छात्र भी पहुंचे, एसडीएम-सीबीईओ व पुलिस ने मौके पर पहुंचे

मामला शुक्रवार का बताया जा रहा है। कक्षा 9 के छात्र कपिल प्रजापत के पिता लोकेश की ओर से विराटनगर थाने में शिकायत दी गई। छात्र का उपजिला अस्पताल में मेडिकल भी कराया गया। इसके बाद शनिवार सुबह ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग विद्यालय पहुंचकर धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में तैनात शिक्षक हंसराज तंवर ने चार बच्चों और एक बालिका के साथ मारपीट की। घटना को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी थी और वे संबंधित शिक्षक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना था कि उनके बार-बार कहने के बावजूद संबंधित शिक्षक विद्यालय नहीं पहुंचे। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य भी मौके पर मौजूद नहीं थे। ग्रामीणों को बताया गया कि प्रधानाचार्य अवकाश पर हैं। इसके बाद मामला और गरमा गया तथा महिलाओं, विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण विद्यालय के बाहर पहुंच गए। विद्यालय के बाहर बढ़ते विरोध और हंगामे की सूचना मिलते ही विराटनगर एसडीएम लालाराम यादव, विराटनगर सीबीईओ रामेश्वर तथा थानाधिकारी बाबूलाल मीणा पुलिस एवं प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली और उन्हें समझाने का प्रयास किया। इस दौरान विद्यालय परिसर के बाहर काफी संख्या में ग्रामीण जमा रहे। कुछ समय तक मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। ग्रामीण आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। काफी देर तक चली समझाइश के बाद प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया कि सोमवार तक शिक्षक हंसराज तंवर को एपीओ (अवेटिंग पोस्टिंग ऑर्डर) करने की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के आश्वासन के बाद ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ। पुलिस के अनुसार मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। करीब ढाई घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन की समझाइश और कार्रवाई के आश्वासन पर ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि बच्चों के साथ कथित मारपीट के मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। विद्यालय में हुए इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में शिक्षक के खिलाफ लगाए गए आरोप और प्रशासन की आगामी कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

डूंगरपुर में तेज बारिश से सड़कों पर पानी बहा, गर्मी से राहत

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में एक महीने के लंबे इंतजार के बाद शनिवार शाम को बरसात हुई। आधे घंटे तक बादलों की तेज गर्जना के साथ हुई बरसात से सड़कों पर पानी बहने लगा। इससे दिनभर की तेज गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। जिले में रविवार को भी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

- जिले में आज भी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है

मौसम विभाग ने शनिवार को डूंगरपुर जिले में बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। सुबह से आसमान साफ था और सूरज की तेज किरणों से गर्मी व उमस बढ़ गई थी। दोपहर में डूंगरपुर शहर के आसपास के गांवों में हल्की बूंदाबांदी हुई। शाम 4 बजे के बाद शहर में घने काले बादल छा गए। पहले हल्की रिमझिम शुरू हुईए फिर बूंदाबांदी और तेज बरसात हुई। आधे घंटे तक बादलों की तेज गर्जना के साथ जोरदार बारिश हुई। इससे सडकों पर पानी भर गया और दिन में भी अंधेरा छा गया। दिनभर की गर्मी और उमस से लोगों को बडी राहत मिली। पिछले एक महीने से बारिश की कमी से सूख रही फसलों को भी नया जीवन मिला है। हालांकिए किसान और लोग अभी भी अच्छी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं। रविवार को भी जिले में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कोटा-नागदा रेलखंड में मशीन से ट्रैक नवीनीकरण कार्य जारी

कोटा, (निसं)। कोटा मंडल के व्यस्त कोटा-नागदा रेलखंड पर रेल संरक्षा और ट्रैक की मजबूती बढ़ाने के लिए लूनी रिच्छा-विक्रमगढ़ आलोट स्टेशनों के बीच यंत्रीकृत तरीके से ट्रैक नवीनीकरण का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस कार्य में सिंप्लेक्स क्विक रिलेइंग सिस्टम (एसक्यूआरएस) मशीन का उपयोग कर पुराने स्लीपरों को बदलते हुए ट्रैक को अधिक मजबूत और बेहतर स्थिति में तैयार किया जा रहा है।

हाल ही में एसक्यूआरएस मशीन के माध्यम से केवल तीन घंटे के यातायात ब्लॉक में 43 ट्रैक पैनल अर्थात 516 मीटर ट्रैक का नवीनीकरण किया गया। पिछले 15 दिनों में इस मशीन से लगभग 2,800 मीटर यानी 2.8 किलोमीटर ट्रैक का नवीनीकरण पूरा किया जा चुका है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि स्लीपर रिन्यूअल के तहत पुराने स्लीपरों को निर्धारित मानकों के अनुरूप नए कंक्रीट स्लीपरों से बदला जा रहा है। इससे ट्रैक की ज्यामितीय स्थिति और मजबूती बनाए रखने में मदद मिलती है तथा अधिक यातायात और ट्रेनों के गतिशील भार के कारण ट्रैक पर पड़ने वाले प्रभाव को बेहतर ढंग से सहने की क्षमता बढ़ती है। इस कार्य से ट्रैक की संरचनात्मक विश्वसनीयता में वृद्धि होने के साथ ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित और सुगम होगा तथा यात्रियों को बेहतर राईडिंग कम्फर्ट मिलेगा। मजबूत ट्रैक संरचना उच्च गति वाली ट्रेनों के विश्वसनीय संचालन के लिए भी महत्वपूर्ण है। ट्रैक नवीनीकरण की इस गति के पीछे कार्य की अग्रिम योजना, संबंधित विभागों के बीच समन्वय तथा मशीन एवं सामग्री की समयबद्ध उपलब्धता महत्वपूर्ण रही है। एसक्यूआरएस मशीन की अधिकतम क्षमता का उपयोग करने से कम समय के यातायात ब्लॉक में अधिक कार्य किया जा रहा है।

भीलवाड़ा जिले का सुदर्शनपुरा एनिकट टूटने से रास्ता बदला, ग्रामीण परेशान

प्रशासनिक अनदेखी से मरम्मत का काम अब तक शुरू नहीं हो सका

भीलवाड़ा, (निसं)। ग्राम पंचायत सरदारपुरा स्थित सुदर्शनपुरा का मुख्य एनिकट टूटने से आधा दर्जन से अधिक गांवों की जिंदगी थम सी गई है। हादसा हुए पूरा एक महीना बीत चुका है, लेकिन प्रशासनिक अनदेखी के कारण मरम्मत का काम अब तक शुरू नहीं हो सका है। नतीजतन, ग्रामीणों का आक्रोश लगातार गहराता जा रहा है। एनिकट टूटने का सबसे बड़ा खामियाजा स्थानीय किसानों को भुगतना पड़ रहा है। जिन खेतों तक पहुंचने में पहले महज 2 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती थी, अब किसानों को अरनिया घोड़ा होकर 10 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। प्रतिदिन की इस मशक्कत से किसानों का न सिर्फ कीमती समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि ईंधन पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

- 2 किमी का सफर हुआ 10 किलोमीटर, आधा दर्जन से अधिक गांवों के लोगों की परेशानी बढ़ी

यह मार्ग सरदारपुरा पंचायत मुख्यालय को सुदर्शनपुरा, सांखलिया और श्रीनगर से जोड़ता है। इसके साथ ही, कनेचन कलां के ग्रामीणों के लिए शाहपुरा तहसील मुख्यालय जाने का यह सबसे सीधा रास्ता था।

रास्ता पूरी तरह बंद होने के कारण स्कूली विद्यार्थियों, बुजुर्गों और आपातकालीन मरीजों की आवाजाही पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन देकर समस्या से अवगत कराया जा चुका है, पर नतीजा सिफर रहा। आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि एनिकट की मरम्मत का काम जल्द शुरू नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन कर तहसील मुख्यालय का घेराव करेंगे। मार्ग पर विरोध जताने के दौरान दलीचन्द गुर्जर, रोडू माली, जगदीश माली, किशन माली, रामस्वरूप कुमावत, हंसराज गुर्जर और परमेश्वर बैरवा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कोटा : टिकट वितरण में नेताओं की गुटबाजी से कांग्रेस बैकफुट पर

कोटा, (निसं)। कोटा नगर निगम क्षेत्र में मतदान हो चुका है और सोमवार को मतगणना होनी है। इस बीच से दोनों ही दलों के लोग अपनी अपनी पार्टी की जीत का दावा कर रहे हैं। इस बार कोटा नगर निगम के चुनाव में निश्चित तौर पर मुकाबला जमीनी स्तर पर कड़ा नजर आया है। इस चुनाव पर नजर डालें तो जेनरेशन जेड का झुकाव इस बार कांग्रेस की तरफ दिख रहा है। जेनरेशन जेड ने अपनी नाराजगी शायद मतदान के जरिए प्रदर्शित की है। इसके अलावा कोटा का कोचिंग डाउनफॉल कोचिंग क्षेत्र के वार्डों में प्रभावित करता नजर आ रहा है।

- भाजपा के लिए वोटिंग परसेंट की गिरावट नुकसानदायक साबित हो सकती है
- इस चुनाव पर नजर डालें तो जेनरेशन जेड का झुकाव इस बार कांग्रेस की तरफ दिख रहा है

कोचिंग सेक्टर में डाउनफॉल के चलते उसे क्षेत्र के निवासी शुरुआत से ही भारतीय जनता पार्टी की नीति को जिम्मेदार मान रहे हैं। कोटा के कोचिंग क्षेत्र में माना जा रहा है कि भाजपा नेता कोचिंग सेक्टर में ज्यादा हस्तक्षेप कर रहे हैं, इस कारण से कोचिंग इंडस्ट्री डाउनफॉल पर जा रही है जिसका नुकसान कोटा को उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा यह भी माना जा रहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी का वोटर कई वार्डों में मतदान करने के लिए बाहर नहीं निकला है। कुल 100 वार्डों के लिए हुए इस मतदान में 67.66 फीसदी मतदाताओं ने अपने हक का इस्तेमाल किया। चुनाव के विस्तृत एनालिसिस से यह साफ हुआ है कि जहां एक तरफ शहर के पढ़े-लिखे और पॉश इलाकों के वोटर्स घरों से बाहर निकलने में सुस्त रहे, वहीं शहर की सीमा से लगे ग्रामीण वार्डों में बंपर वोटिंग दर्ज की गई।

कोटा नगर निगम चुनाव में 100 वार्डों के लिए 8,26,923 मतदाता रजिस्टर्ड थे, जिनमें से 5,59,485 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। जिन क्षेत्रों में भाजपा और कांग्रेस के अलावा निर्दलीय प्रत्याशी भी मैदान में थे, वहां पर वोटिंग प्रतिशत भी थोड़ा बढ़ा हुआ नजर आया है। क्योंकि सबने वोट बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास किए थे और वोटर को निकालने की भी पूरी कोशिश की थी। लेकिन जहां पर भाजपा और कांग्रेस में ही सीधी टक्कर थी या फिर वार्ड बड़े थे, वहां पर ज्यादा वोटर बाहर नहीं निकले और मतदान का प्रतिशत कम रहा है। भारतीय जनता पार्टी के लिए एक बात यह भी विचारणीय है कि सिंधी कॉलोनी मे इस बार मतदान का प्रतिशत कम रहा है। सिंधी समाज को भारतीय जनता पार्टी का पारंपरिक मतदाता माना जाता है। ऐसे में इस क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत गिरना बताता है कि भाजपा का पारंपरिक मतदाता भी भाजपा से खुश नहीं है और वह मतदान में भागीदारी न करके अपने प्रभाव से भाजपा को अवगत कराना चाहता है। इसका नुकसान निश्चित तौर पर भारतीय जनता पार्टी को होना है। लेकिन दुविधा यह है कि कांग्रेस पार्टी के अंदर भी सब कुछ ठीक नहीं है।

कांग्रेस की स्थिति मजबूत मानी जा रही थी लेकिन टिकट वितरण में नेताओं की गुटबाजी ने कांग्रेस को बैकफुट पर ला दिया। कांग्रेस ने गुटबाजी के चलते अपने जिताऊ उम्मीदवार शालिनी गौतम और पवन मीणा जैसे नेताओं के टिकट काट दिए। यह बाद प्रदर्शित करती है कि टिकट वितरण में कांग्रेस के स्थानीय और प्रदेश नेतृत्व की क्या सोच रही है। इस तरीके की सोच किसी भी पार्टी के जनआधार को कमजोर करती है। वहीं कोटा के कांग्रेसी नेता अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं की लोकप्रियता से भयभीत नजर आने लगे हैं, और इसके लिए वे उनका अस्तित्व खत्म करने के लिए कांग्रेस को ही दाव पर लगा रहे हैं। कांग्रेस का एक माईनस पॉइंट यह भी रहा की कांग्रेस इस बार अलग-अलग खेमे में बट कर चुनाव लड़ी है।

टिकट वितरण के बाद कांग्रेस प्रत्याशी को कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश देने वाला नहीं आया था। पूर्व में शांति धारीवाल के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाता था और कांग्रेस संगठित रहती थी लेकिन इस बार कांग्रेस की गुटबाजी के चलते चुनाव में नेतृत्व का अभाव नजर आ रहा है। भाजपा के पक्ष में मुख्यमंत्री ने सभा करी लेकिन कांग्रेस के लिए प्रदेश नेतृत्व तो क्या स्थानीय बड़े नेताओं ने भी कोई बड़ी सभा नहीं करी। बात चाहे जो हो लेकिन इस बार नगर निगम का चुनाव रोचक रहा है। दोनों ही दलों के द्वारा गलतियां की गई हैं, दोनों ही दलों के बागी मैदान में खड़े रहे। अब इसमें ज्यादा नुकसान कौन उठाता है यह मतगणना के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

तीन पिकअप वाहनों में भरी 75 क्विंटल हरी लकड़ी जब्त

सादुलपुर, (निसं)। राज्य वृक्ष खेजड़ी की तस्करी का कारोबार क्षेत्र में थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस और वन विभाग की ओर से गत दिनों हुई अनेक कार्रवाई के बाद भी हरियाणा में खेजड़ी की लकड़ी की तस्करी का कारोबार लगातार जारी है। वही वन संपदा की अवैध कटाई और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राजगढ़ थाना पुलिस ने तीन पिकअप वाहनों में भरकर ले जाई जा रही करीब 75 क्विंटल हरी लकड़ी जब्त करने की कार्रवाई की है। थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि एनएच-52 पर विशेष निगरानी के दौरान संदिग्ध वाहनों की जांच के लिए नाकाबंदी की। जांच के दौरान तीन पिकअप वाहनों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में दोनों वाहनों में बड़ी मात्रा में हरी लकड़ियां भरी हुई मिलीं। परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और वैध अनुमति नहीं मिलने पर राजगढ़ थाना पुलिस ने तीनों वाहनों सहित करीब 75 क्विंटल हरी लकड़ी को जब्त कर लिया। राजगढ़ थाने के अधिकारियों के अनुसार यह हरी खेजड़ी की लकड़ी राजस्थान से हरियाणा ले जाई जा रही थी। विभाग अब लकड़ी के स्त्रोत, कटाई के स्थान और इस अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रहा है। मामले में हरी गीली खेजड़ी की लकड़ियों से भरी तीनों पिकअप गाड़ियों को थाने भब खड़ी करवाकरआवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु वन विभाग को सूचित किया गया है।

- तस्करी कर हरियाणा ले जाई जा रही थी खेजड़ी की लकड़ी, वन विभाग ने की कार्रवाई

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख थाने के टुंडा खेड़ी गांव सड़क हादसे में एक बस और मोटरसाइकिल की हुई भिड़ंत में एक पचास वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का मौका नहीं निरीक्षण किया तथा शुक्रवार देर शाम मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया तथा रात्रि होने के कारण शनिवार सुबह गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। थाना अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि गांव गालड निवासी कुलदीप सिह ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसका बड़ा भाई जगतपाल सिंह मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव से सिद्धमुख आ रहा था।

नकबजनी का आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागडा थाना पुलिस ने लोडवाडा में हुई नकबजनी का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में 18 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी की बाइक और मोबाइल फोन मिले हैं। युवक ने पूछताछ में बाइक बरोठी और मोबाइल लोडवाडा से चोरी करना कबूल किया है।

रामसागडा थानाधिकारी ने बताया कि हरिशसिंह राजपुरोहित ने इस बारे में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हरिशसिंह महादेव नगर, मोहनगढ , जैसलमेर के रहने वाले हैं और फिलहाल लोडवाडा में पटेल के मकान में रहते हैं। उन्होंने बताया कि 8 सितंबर की रात चोर दीवार कूदकर उनके मकान में घुसे थे। चोर कमरे में चार्जिंग पर लगा वीवो वाई-21 मोबाइल फोन चुराकर ले गए थे। इस रिपोर्ट के आधार पर रामसागडा थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले भी पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

युवक की मौत

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकट आवाडा रोड पर एक सडक हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई।। जानकारी के अनुसार युवक शान्तिराम उर्फ चेनाराम पुत्र हरिराम कोली निवासी बासन आवाडा रोड से गुजर रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लेकर आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू की। डॉक्टर द्वारा शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपर्द किया।

नाबालिग को पीटने के आरोप में सात पुलिस कार्मिकों पर मामला दर्ज

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट पुलिस थाना पर एक एएसआई सहित डीएसटी के पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। जिसमें एक नाबालिग को जबरन उठाकर डीएसटी ऑफिस ले जाकर मारपीट करना एवं सुनसान जगह पर ले जाकर कट्टा रखकर आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार करने का इनके खिलाफ नाबालिग की बुआ की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में आरोप लगाया है।

- एक नाबालिग को जबरन उठाकर डीएसटी ऑफिस ले जाकर मारपीट करना एवं सुनसान जगह पर ले जाकर कट्टा रखकर आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार करने का आरोप लगाया

इस मामले में सारस चौकी इंचार्ज शिव लाल, हैड कांस्टेबल अनिल के अलावा डीएसटी के पुलिसकर्मी दशरथ, अंकित, सत्यवीर, हरिओम, अभिमन्यु को नामजद किया है। अटलबंद थानाधिकारी हेमेन्द्र सिंह मथुरा गेट थाना पर दर्ज इस एफआईआर की जांच कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में सारस पुलिस चौकी पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक शिवलाल, हैड कांस्टेबल अनिल, डीएसटी के पुलिसकर्मी दशरथ, अंकित शर्मा, हरिओम, सतवीर और अभिमन्यु को नामजद किया गया है। पुलिस अधीक्षक की पहल पर मामला दर्ज होना बताया जा रहा है।

अंतिम संस्कार के दौरान मधुमक्खियों का हमला, 25 लोग घायल

धुएं के कारण पेड़ पर लगे छत्ते से उड़ी मधुमक्खियां, तीन जनों की हालत गंभीर

अजमेर, (निसं)। श्रीनगर थाना क्षेत्र के फारखिया गांव में अंतिम संस्कार के दौरान अचानक मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले में श्मशान घाट पर मौजूद 25 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें से कुछ लोगों की हालत बिगड़ने पर उन्हें उपचार के लिए अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार फारखिया गांव निवासी बीजा सिंह का निधन हो गया था। परिजन और ग्रामीण उनके अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पहुंचे थे। अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की जा रही थीं। इसी दौरान श्मशान घाट में एक पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता लगा हुआ था। अंतिम संस्कार के दौरान उठे धुएं के कारण छत्ते से बड़ी संख्या में मधुमक्खियां बाहर निकल आईं और वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। अचानक हुए मधुमक्खियों के हमले से श्मशान घाट में अफरा-तफरी मच गई। लोग मधुमक्खियों से बचने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान25 से अधिक लोग मधुमक्खियों के डंक से घायल हो गए। कई लोगों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि कुछ की हालत अधिक बिगड़ने पर उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद गांव में भी हड़कंप मच गया।

राज्य उपभोक्ता आयोग ने इंश्योरेंस कंपनी पर हर्जाना लगाया

जोधपुर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी की अपील खारिज करते हुए यह व्यवस्था दी है कि परिवादी की आपत्ति नहीं होने पर भी 45 दिन बाद पेश जवाब को अभिलेख पर लिया हुआ नहीं माना जा सकता है। न्यायिक सदस्य मुकेश और सदस्य रामनिवास सारस्वत ने कहा कि बजाज एलियांज लाइफ़ इंश्योरेंस कंपनी यह साबित करने में नाकाम रही कि बीमा पॉलिसी लेने से पहले बीमाधारी ने सांस की बीमारी का कोई इलाज लिया हो। बीमा कंपनी को 50 हजार रुपए हर्जाना, दावा राशि 14 लाख 49 हजार 275 रूपए मय 9 फीसदी ब्याज 16 जनवरी 2019 से और पांच हजार रुपए वाद व्यय अदा करना होगा।

कंपनी ने जिला आयोग,बाड़मेर के परिवाद मंजूर करने के फैसले के खिलाफ अपील दायर कर कहा कि परिवादी के पति ने 22 जनवरी 2018 को जीवन बीमा पॉलिसी कराई और सांस की बीमारी की वजह से 21 फरवरी को ही मृत्यु हो गई सो दावा संशय से परे नहीं है। परिवादी रिंकू की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि बीमा कंपनी ने परिवाद का जवाब ही 45 दिन बाद दिया है, सो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत परिवादी की आपत्ति नहीं होने पर भी इसे देखा और पढ़ा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक माह में मृत्यु होना इत्तेफाक है और इससे यह अवधारणा नहीं ली जा सकती कि बीमाधारी को पॉलिसी के पहले से ही बीमारी हो। राज्य उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी की अपील खारिज करते हुए व्यवस्था दी कि मरीज ने चिकित्सक को बीमारी की जानकारी दी भी है तो वह तभी साबित मानी जाएगी,जब वास्तविक रूप से इलाज का कोई कागज पेश हो और ऐसा साबित करने में बीमा कंपनी अक्षम रही। उन्होंने कहा कि परिवादी के आक्षेप नहीं होने पर भी 45 दिन बाद पेश जवाब को अभिलेख पर लिया हुआ नहीं माना जा सकता है।

आयुर्वेद चिकित्सालय में नकबजनों ने तोड़फोड़ की

जोधपुर, (कासं)। शहर के मसूरिया स्थित राजकीय जगदंबा आयुर्वेद चिकित्सालय परिसर में चोरी और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। अज्ञात चोरों ने चिकित्सालय के कार्यालय में प्रवेश कर रिकॉर्ड की अलमारियों के ताले तोड़ दिए और सामान को अस्त-व्यस्त कर दिया। घटना के बाद आरोपियों ने सीसीटीवी कैमरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मामला देवनगर थाने में दर्ज कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि 9 सितंबर को सुबह करीब 6.35 बजे की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग में अज्ञात लोगों द्वारा चिकित्सालय परिसर में प्रवेश करने और ताले तोडऩे की घटना सामने आई। कार्यालय में रखी रिकॉर्ड अलमारियों के ताले तोडक़र दस्तावेजों से छेड़छाड़ की गई। इसके बाद आरोपियों ने वारदात के साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया। चिकित्सालय में ड्यूटी पर पहुंचे कर्मचारियों ने गेट खुला और सामान बिखरा हुआ मिला। अलमारियों के ताले टूटे हुए देखे। शिकायत में बताया गया कि चिकित्सालय परिसर में पूर्व में भी असामाजिक तत्वों द्वारा इस प्रकार की घटनाएं की जा चुकी हैं और इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी।

मादक पदार्थ तस्करी में फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ 262 किलो डोडा-चूरा तस्करी के दर्ज मामले में सांगोद पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए फरार चल रहे 10 हजार के ईनामी तस्कर को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 28 मार्च 2025 को सांगोद थानाधिकारी ने मय जाप्ता सांगोद में तालछी के समीप यात्री प्रतिक्षालय में कार्यवाही करते हुए एक कार की तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 262.65 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सांगोद पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करते हुए दो तस्कर सरनजीत सिंह एवं हुसनप्रीत को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मामले में अनुसंधान किया तो मामले में सामने आया कि मामले में जिला झालावाड निवासी तस्कर श्रवण सिंह प्रकरण दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा है। मामले में फरार चल रहे तस्कर की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस उपअधीक्षक नरेन्द्र कुमार जैन के सुपरविजन में सांगोद थानाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व मे टीम का गठन किया। टीम ने मामले में फरार चल रहे तस्कर की गिरफ्तारी को लेकर संभावित स्थानों पर दबिश दी, फरार चल रहे तस्कर पर 10 हजार के इनाम राशि घोषित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम ने तकनीकी अनुसंधान से कार्यवाही करते हुए जिला झालावाड़ के थाना डग निपानिया गांव निवासी श्रवण सिंह (28) को झालावाड़ से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

युवक का संदिग्ध हालत में शव मिला

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दोवडा थाना क्षेत्र के घटाऊ गांव में एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला है। युवक अपने ससुराल आया हुआ था। शव सरकारी स्कूल के पीछे एक मकान के पास पड़ा मिला। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दोवडा थाने के एसआई अमृतलाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि घटाऊ गांव में स्कूल के पीछे एक मकान के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घटना स्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के परिवार को सूचना दी और उन्हें मौके पर बुलाया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बनकोडा निवासी कचरा के रूप में हुई है।

श्रद्धालुओं की सेवा कर लौट रहे पांच दोस्तों को कार ने टक्कर मारी, दो की मौत

सड़क हादसे में तीन दोस्त घायल हो गये, एक की हालत गंभीर बताई जा रही है

- सभी लोग बाइक और इलेक्ट्रीक स्कूटी पर सवार थे, कार ने चपेट में लिया था

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती नारवा रोड पर देर रात सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। एक ही हालत गंभीर बनी है। सभी लोग बाइक और इलेक्ट्रीक स्कूटी पर सवार थे। पीछे से आई कार ने उन्हें चपेट में लिया था। आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि यह लोग बाबा के जातरूओं की सेवा कर भंडारे से लौट रहे थे। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची सूरसागर पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। मार्ग पर एक कट बना है, ऐसे में आशंका है कि इस कारण से भी यह हादसा हुआ होगा।

सूरसागर थानाधिकारी हरीशचंद्र सोलंकी ने बताया कि सोजती गेट भील बस्ती निवासी महेंद्र पुत्र दौलाराम भील की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि उसका भाई 25 वर्षीय अजय और रिश्तेदार समदड़ी निवासी 18 साल का उम्मेदराम, 30 वर्षीय राहुल भील, हिमेश और जतिन दाधीच बाबा के भंडारे में जातरूओं की सेवा के लिए नारवा से आगे गए थे। रात 12 बजे यह लोग अपनी बाइक और इलेक्ट्रीक स्कूटी पर सवार होकर भंडारे से वापिस लौट रहे थे। तब नारवा के पास गोयलों की ढाणी के निकट पीछे से आ रही एक कार के चालक ने उन्हें चपेट में ले लिया। थानाधिकारी हरीशचंद्र सोलंकी ने बताया कि हादसे में सभी लोग बुरी तरह घायल हो गए, जिनमें अजय और उम्मेद की मौत हो गई। इसमें बागर चौक उम्मेद चौक निवासी जतिन दाधीच की हालत गंभीर बनी है।

बूंदी में कार की टक्कर से तीन युवक घायल

- नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के कारण हादसा हुआ
- पुलिस मौके पर पहुंची और मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी

बूंदी, (निसं)। जिला कलेक्टर द्वारा बाईपास रोड को नो पार्किंग जॉन घोषित किए जाने के बाद भी वहां पर लगे वाहनों के जमावड़े के चलते बीती रात एक सड़क हादसा घटित हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मोरड़ी पाड़ा क्षेत्र के ऊपर से गुजर रही बाईपास पर कुछ वाहन खड़े हुए थे और कुछ वाहनों पर युवक बैठे हुए आपस में बातें कर रहे थे। तभी एक कार चालक वहां आया और एड्रेस पूछने के लिए रुका तब कार पर से नियंत्रित खो जाने के कारण वहां मौजूद वाहनों को टक्कर लगी जिसमें तीन से चार युवा घायल हो गए।

सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। क्षेत्र वासियों का कहना है कि नो पार्किंग जॉन घोषित किए जाने के बाद भी कुछ युवक आकर यहां पर अपने वाहन खड़े कर देते हैं कई बार सड़क दुर्घटना होने का भय बना रहता है। इन युवाओं को मना करने पर भी सुनवाई नहीं करते पुलिस की गश्त प्रतिदिन हो तो ऐसी घटना दोबारा नहीं होगी पुलिस को चाहिए कि वह ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ जुर्माना लगाएं।

पांच करोड़ रुपये का विदेशी गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

टोंक जिले में विदेशी गांजे की पकड़ी गई यह पहली और सबसे बड़ी कार्रवाई है

- आरोपी ने बताया कि यह हाई ग्रेड ओजी गांजा विदेश से अवैध रूप से तस्करी कर भारत लाया जाता है
- जिसकी इंटरनेट एवं अवैध बाजार में कीमत 50 लाख से 1 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम तक आंकी जाती है

निवाई/ टोंक, (निसं)। डीएसटी टीम व स्थानीय पुलिस ने नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। कार्रवाई के तहत 5 किलो ओजी विदेशी गांजा को जब्त करके एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा निर्देशन में डीएसटी टीम व स्थानीय पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से तस्करी कर लाया गया 5 किलोग्राम ओजी विदेशी गांजा बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपये आंकी गई है। टोंक जिले में विदेशी गांजे की पकड़ी गई यह पहली और सबसे बड़ी कार्रवाई है। डीएसटी टीम ने अवैध सप्लाई के इस नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए आरोपी लालाराम पुत्र प्रहलाद निवासी कैथुनिया, थाना निवाई सदर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि यह हाई ग्रेड ओजी गांजा विदेश से अवैध रूप से तस्करी कर भारत लाया जाता है, जिसकी इंटरनेट एवं अवैध बाजार में कीमत 50 लाख से 1 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम तक आंकी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, साधारण देसी गांजे की तुलना में ओजी किस्म में नशा बढ़ाने वाला मुख्य तत्व टीएचसी अत्यधिक मात्रा में पाया जाता है, जिसके सेवन से शरीर व मस्तिष्क पर बेहद तीव्र व गहरा दुष्प्रभाव पड़ता है। फिलहाल पुलिस गहन अनुसंधान के जरिए यह पता लगाने में जुटी है कि यह खेप विदेश से किस माध्यम से लाई गई और निवाई क्षेत्र में इसे किसे सप्लाई किया जाना था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नशीला पदार्थ जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

अजमेर में पीडब्ल्यूडी कार्यालय में कमरे की छत का प्लास्टर गिरा

- फर्नीचर और कंप्यूटर क्षतिग्रस्त, घटना के समय कमरा खाली था, अन्यथा जनहानि हो सकती थी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान सार्वजनिक निर्माण विभाग के राष्ट्रीय राजमार्ग खंड अजमेर कार्यालय में शनिवार को बड़ा हादसा टल गया। कार्यालय में अधिशासी अभियंता विनोद कुमार माली के कमरे की आरसीसी छत का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। छत का मलबा सीधे नीचे रखी कुर्सी, कंप्यूटर और कांच के सामान पर जा गिरा, जिससे सामान क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि घटना के समय कमरा खाली था, अन्यथा गंभीर जनहानि हो सकती थी।

30 साल पुरानी इमारत, रखरखाव पर उठे सवाल :- हादसे के बाद कमरे में चारों तरफ मलबा बिखर गया और छत के सरिये दिखाई देने लगे। बताया जा रहा है कि यह भवन करीब 30 साल पुराना है। पहली मंजिल पर बनी आरसीसी छत के सरियों में लंबे समय से जंग लगने के कारण प्लास्टर कमजोर हो गया था, जिसके चलते वह अचानक गिर गया। इसी मंजिल पर गुणवत्ता नियंत्रण कार्यालय संचालित हो रहा है, जबकि भूतल पर ग्रामीण खंड कार्यालय, कैशियर कार्यालय और कैंटीन चल रही है। ऐसे में भवन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

विभाग की अपनी इमारत की हालत ने खड़े किए सवाल :- सरकारी इमारतों के निर्माण, गुणवत्ता और रखरखाव की जिम्मेदारी संभालने वाले सार्वजनिक निर्माण विभाग के अपने ही कार्यालय में छत का हिस्सा गिरने की घटना चर्चा का विषय बन गई है। आमतौर पर सड़क और सरकारी भवनों की गुणवत्ता को लेकर विभाग पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन अब विभाग के कार्यालय की स्थिति ने उसकी निर्माण एवं रखरखाव व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।

अजमेर में सरकारी भवनों में हादसों की चौथी घटना: अजमेर के सरकारी कार्यालयों में छत और प्लास्टर गिरने की यह लगातार चौथी घटना बताई जा रही है। करीब एक महीने पहले राजस्व मंडल में महिला वित्तीय अधिकारी के कमरे की छत का प्लास्टर गिर गया था, जिसमें वह घायल हो गई थीं। घटना के विरोध में कर्मचारियों ने दो दिन कार्य बहिष्कार भी किया था। इससे पहले जवाहरलाल नेहरू अस्पताल, रोडवेज बस स्टैंड और डिपो में भी छत के हिस्से गिरने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रहे हादसों ने सरकारी भवनों के सुरक्षा निरीक्षण और नियमित रखरखाव की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा विधायक गुरवीर सिंह के चचेरे भाई, गनमैन और ड्राइवर पर केस

पोलिंग बूथ में घुसकर पूर्व चेयरमैन को पीटा था, बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी उतारे थे

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां मतदान के दौरान पूर्व चेयरमैन से मारपीट के मामले में भाजपा विधायक गुरवीर सिंह बराड़ के चचेरे भाई, गनमैन और ड्राइवर पर केस दर्ज हुआ है। सादुलशहर नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन प्रदीप खीचड़ के बेटे आयुष खीचड़ ने शनिवार को थाने में रिपोर्ट दी गई।

सादुलशहर पुलिस ने विधायक के चचेरे भाई गुरबाज सिंह उर्फ अमरवीर, गनमैन गुरसेवक सिंह, विश्वास पूनियां, ड्राइवर कुलवंत कड़वासरा, वार्ड 5 की भाजपा प्रत्याशी शिक्षा झींझा के पति महावीर झींझा, रिश्तेदार संदीप झींझा, धर्मवीर झींझा, जतिन झींझा, गुरजिन्द्र सिंह समेत 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। मामले में वार्ड पांच से भाजपा प्रत्याशी के पति महावीर झींझा की ओर से भी जानलेवा धमकी देने की शिकायत थाने में दी गई है। भाजपा के टिकट बांटने से नाराज पूर्व चेयरमैन प्रदीप खीचड़ ने बगावत करते हुए सादुलशहर नगर पालिका के सभी वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतारे। उनकी पत्नी मनीषा खीचड़ भी वार्ड नंबर 5 से निर्दलीय प्रत्याशी है।

समर्थकों पर लगाया आरोप :- शुक्रवार शाम करीब 4 बजे वार्ड नंबर 5 के पोलिंग बूथ पर प्रदीप खीचड़ के साथ मारपीट हुई। खीचड़ के अनुसार, वे पत्नी मनीषा के चुनाव एजेंट के रूप में मतदान केंद्र पहुंचे थे। उन्होंने मारपीट का आरोप भाजपा विधायक गुरवीर सिंह बराड़ के समर्थकों पर लगाया। घटना के बाद शनिवार को उन्होंने अस्पताल में मेडिकल जांच भी कराई। मारपीट के बाद खीचड़ मुख्य बाजार पहुंचे और समर्थकों को संबोधित किया था। सामने आए वीडियो में उन्होंने विधायक के रिश्तेदारों और अन्य लोगों को धमकी देते हुए कहा था कि वे किसी को नहीं छोड़ेंगे और सभी की टांगें तोड़ देंगे। साथ ही उन्होंने समर्थकों से 14 सितंबर तक शांति बनाए रखने की अपील की और थानाधिकारी को नहीं हटाने पर परिणाम के बाद थाने का घेराव करने की चेतावनी दी। श्रीगंगानगर जिले में निकाय चुनाव के दौरान सादुलशहर के बूथ नंबर 5 पर निर्दलीय प्रत्याशी के पति और पूर्व चेयरमैन प्रदीप खीचड़ पर हमला हुआ। इसके बाद मुख्य बाजार में खीचड़ ने विधायक गुरवीर सिंह बराड़ के रिश्तेदारों को खुलेआम भगा-भगाकर मारने की धमकी दे डाली।

चेक अनादरण के आरोपी को सजा सुनाई

आरोपी को 2 साल की जेल व जुर्माना भी लगाया

ब्यावर, (निसं)। न्यायालय विशिष्ट न्यायाधीश एन आई एक्ट केसेज हर्षित शर्मा ने चेक अनादरण के आरोपी किशनगढ़ निवासी बी एल वर्मा उर्फ भैरूलाल वर्मा निदेशक भारती क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड को चेक अनादरण के मामले में दोष सिद्ध कर 2 साल की जेल व दो लाख चालीस रुपए जुर्माने से दंडित किया।

परिवादी गणेश प्रजापति ने एडवोकेट प्रवीण जैन के मार्फत न्यायालय में परिवाद पेश कर आरोप लगाया कि प्रार्थी से भैरूलाल वर्मा ने उक्त सोसायटी का निदेशक बताकर एक लाख की राशि जमा करी और मैचुरिटी पर अभियुक्त ने बकाया राशि अदा नहीं करी एवं तकाजा करने पर बकाया राशि के भुगतान स्वरूप एक लाख तेईस हजार आठ रुपए का चेक दिया जो उक्त सोसायटी के निदेशक भैरूलाल वर्मा के खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण से अनादरित हो गया। जिस पर परिवादी के अधिवक्ता प्रवीण जैन ने न्यायालय में परिवाद पेश कर न्यायालय में तर्क दिया कि अभियुक्त भैरूलाल वर्मा ने सावधि जमा की बकाया राशि जानबूझकर न लौटाई और जानबूझकर खाते में राशि न रखकर बदनीयतीवश चेक जारी कर चेक का भुगतान नहीं किया। परिवादी अधिवक्ता प्रवीण जैन ने तर्क दिया कि वर्तमान में चेक के भुगतान समय पर नहीं होने के कारण से वाद की बहुल्यता भी बढी है। इस पर न्यायाधीश ने अधिवक्ता प्रवीण जैन के तर्कों से सहमत होते हुए अभियुक्त भैरूलाल वर्मा को 24 माह की सजा व अर्थदंड से दंडित कर सजा वारंट बनाए जाने का आदेश प्रदान किया।

राज्य पात्रता परीक्षा आज, 1.77 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

अजमेर, (निसं)। राजस्थान में तीन वर्ष बाद राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2026 का आयोजन रविवार को किया जाएगा। कोटा विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। प्रदेशभर में 37 विषयों के लिए 1 लाख 77 हजार 901 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। अजमेर में 37 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 13 हजार 753 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

सुबह 10 बजे बंद हो जाएंगे परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार: परीक्षार्थियों को सुबह 9 बजे से 10 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। सुबह 10 बजे के बाद केंद्रों के मुख्य द्वार बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र के तीनों पृष्ठों की रंगीन प्रति, आवेदन के समय लगाई गई एक रंगीन पासपोर्ट आकार की फोटो तथा मूल पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। अन्य किसी विकल्प को पहचान पत्र के रूप में मान्य नहीं किया जाएगा।

अभ्यर्थियों को आधी बांह के हल्के कपड़े तथा साधारण चप्पल या सैंडल पहनकर परीक्षा केंद्र पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। पारंपरिक या धार्मिक पोशाक में आने वाले परीक्षार्थियों को गहन तलाशी के लिए परीक्षा समय से कम से कम एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा। मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ी, ब्लूटूथ उपकरण, कैलकुलेटर, किताबें और नोट्स सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र में पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे।

कुलपति प्रो. बीपी सारस्वत के अनुसार परीक्षा के शांतिपूर्ण और सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

चाकूबाजी में दो जने घायल

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके के उड़िया बस्ती में आपसी झगड़े के चलते बदमाशों ने चाकू से हमला कर दो जनों को घायल कर दिया, वहीं बीच-बचाव करने आई महिला पर भी चाकू से हमला किया। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गये। हमले में घायल दोनों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दादाबाड़ी थानाधिकारी बलदेव राम ने बताया कि थाना इलाके के उड़िया बस्ती में शुक्रवार रात्रि को बदमाशों ने आपसी झगड़े मे रंजिश के चलते अजय पर चाकू से हमला किया एवं शोर सुनकर मौके पर पहुंचे रोहित पर भी चाकू से वार किये। इस दौरान बीच बचाव के लिये आई महिला रानी पर भी बदमाशों ने चाकू से हमला किया। हमले में घायल अजय व रोहित को उपचार के लिये भर्ती किया गया एवं महिला को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी।

हजारों विद्यार्थियों का जनाधार अपडेट नहीं, बंद खातों से भुगतान रुका

- जनाधार अधिप्रमाणीकरण नहीं होने के साथ बैंक खातों से जुड़ी तकनीकी खामियां भी सामने आई
- शिक्षा विभाग ने ऐसे विद्यार्थियों के खातों की दोबारा जांच कर भुगतान प्रक्रिया पूरी कराने के निर्देश दिए

बीकानेर, (निसं)। सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को निशुल्क यूनिफॉर्म के लिए मिलने वाली डीबीटी राशि में बीकानेर जिले के 3075 पात्र विद्यार्थियों का भुगतान अटक गया है। इनमें जनाधार अधिप्रमाणीकरण नहीं होने के साथ बैंक खातों से जुड़ी तकनीकी खामियां भी सामने आई हैं। शिक्षा विभाग ने ऐसे विद्यार्थियों के खातों की दोबारा जांच कर भुगतान की प्रक्रिया पूरी कराने के निर्देश दिए हैं।

शाला दर्पण पोर्टल के अनुसार जिले में करीब 66 प्रतिशत विद्यार्थियों के बैंक खाते जनाधार से प्रमाणित हैं। इन सभी विद्यार्थियों की डीबीटी करवाना सुनिश्चित करने को कहा गया है। वहीं करीब 34 प्रतिशत विद्यार्थियों का जनाधार अधिप्रमाणीकरण नहीं हुआ है। कई विद्यार्थियों के अभिभावकों के जनाधार बने नहीं हैं अथवा जनाधार में जरूरी जानकारी अपडेट नहीं है। इसके अलावा जनाधार से प्रमाणित विद्यार्थियों में भी कई के बैंक खाते निष्क्रिय पाए गए हैं या आईएफएससी कोड गलत दर्ज होने से डीबीटी सफल नहीं हो सकी। इन्हीं कारणों से जिले के 3075 आवेदन करने वाले पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित हैं। जिले के 2151 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 1.21 विद्यार्थी निशुल्क यूनिफॉर्म योजना के पात्र है। इनमें से अब तक 71420 विद्यार्थी लाभांवित हुए है। जिले की रिपोर्ट के अनुसार 80,325 विद्यार्थियों का डाटा स्कूल स्तर से सत्यापित होकर संबंधित स्तर पर भेजा गया है। इनमें से 78,892 विद्यार्थियों के बिल आईएफएमएस पे-मैनेजर में वैलिडेट हुए हैं।

राज्य में कक्षा 1 से 8 तक के 40.65 लाख पात्र विद्यार्थियों के लिए 243.90 करोड़ रुपए तथा पीएमश्री योजना के 90,896 विद्यार्थियों के लिए 5.45 करोड़ रुपए स्वीकृत हैं। दोनों योजनाओं में कुल 249.35 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने 29 जुलाई को डीबीटी का शुभारंभ किया था। अब तक प्रदेश में 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों को राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।

कृष्ण कुमार बिश्नोई, एडीपीसी, समग्र शिक्षा का कहना है कि जिन विद्यार्थियों का जनाधार अधिप्रमाणीकरण बाकी है, उनका अधिकाधिक अधिप्रमाणीकरण करवाने के लिए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। डीबीटी में असफल विद्यार्थियों के बैंक खातों की पुन: जांच कर आवश्यक सुधार करवाने को कहा गया है।

टिकट जांच अभियान चलाया

कोटा, (निसं)। रेल यात्रियों में वैध एवं उचित टिकट के साथ यात्रा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कोटा मंडल के भरतपुर रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान स्टेशन से आने-जाने वाले यात्रियों के टिकटों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट कुल 65 यात्री पकड़े गए, जिन पर नियमानुसार 37,725 का जुर्माना लगाया गया।

अभियान में 11 चल टिकट परीक्षकों ओ.पी.मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, दीपक श्रीवास्तव, एन.एल. सैनी, पंकज शर्मा, हेमराज मीणा, नरेंद्र सिंह, हरिशंकर शर्मा, त्रिलोक मीणा, रोहित कुमार एवं कप्तान सिंह ने भाग लिया। इनके साथ रेलवे सुरक्षा बल के 3 कर्मियों ने भी सहयोग किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यात्रियों को नियमसम्मत एवं सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कोटा मंडल में इस प्रकार के टिकट जांच अभियान निरंतर चलाए जा रहे हैं।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। कुन्हाडी थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार कुन्हाडी इलाके के सकतपुरा में एक युवक ने घर में शुक्रवार देर रात्रि को फांसी का फन्दा लगा लिया, शनिवार तड़के जब परिजन उठे और कमरे में युवक को फंदे पर लटका देखा तो नीचे उतार कर अस्पताल लाये, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले में सामने आया कि युवक की हाल ही में सगाई हुई थी और जल्द शादी होने वाली थी। कुन्हाड़ी थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि इलाके के सकतपुरा निवासी अभिलाष (31) ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया हैं, मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो का सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

सड़क हादसे में एक की मौत

- दहलोद मोड़ के पास बोलेरो और कंटेनर की आमने-सामने टक्कर हो गई थी

टोंक, (निसं)। दतवास थाना क्षेत्र में स्थित लालसोट हाईवे के हलोद मोड़ पर बोलेरो कार और कंटेनर की आमने-सामने भिड़ंत होने के बाद हादसे में बोलेरो चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोलेरा कार चालक महेंद्र जो अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान करेडा बुजुर्ग बाइपास पर दहलोद मोड़ के पास बोलेरो और कंटेनर की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो चालक महेंद्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की मदद से शव को निवाई उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर दतवास थाना अधिकारी निरमा मीणा पुलिस टीम के साथ निवाई उप जिला अस्पताल पहुंची। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर पोस्टमार्टम कार्यवाही कर परिजनों को सूचना दी, पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

जोधपुर में तीन युवकों को शांतिभंग में गिरफ्तार करने पर ग्रामीणों का धरना

- पुलिस अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच सहमति बनी, तीनों युवकों को रिहा करने के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया

जोधपुर, (कासं)। विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान तीन युवकों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार करने के बाद ग्रामीणों ने बालेसर थाने के बाहर शुक्रवार को रातभर धरना दिया। ग्रामीण तीनों युवकों की रिहाई की मांग को लेकर रातभर धरने पर बैठे रहे। पुलिस अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच कई दौर की बातचीत के बाद शनिवार सुबह सहमति बनी और तीनों युवकों को रिहा कर दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया।

जानकारी के अनुसार शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ शुक्रवार को देवनगर ग्राम पंचायत पहुंचे थे। वे राजकीय स्कूल धर्मादिया बेरा में अतिरिक्त क्लासरूम सहित गांव के सात अलग-अलग विकास कार्यों का लोकार्पण करने आए थे। विद्यालय पहुंचने पर कुछ युवकों ने शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि स्कूल में पहले से ही शिक्षकों के पद खाली हैं और जो शिक्षक थे, उनका भी ट्रांसफर हो गया है। ऐसे में सिर्फ लोकार्पण पट्टिका लगाने से क्या होगा। बातचीत के दौरान माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने मालाराम बोरावट, सुरेश कुमार माली और रमेश राम को हिरासत में ले लिया। उन्हें थाने ले जाकर शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंच गए। पुलिस उपअधीक्षक राजेंद्रसिंह उज्जवल और थाना प्रभारी भंवरलाल जेवलिया ने ग्रामीणों को समझाया। उन्होंने बताया कि तीनों युवकों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और नियमानुसार मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। हालांकि, ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे और युवकों की तुरंत रिहाई की मांग करते रहे। युवकों को ना छोड़ने पर ग्रामीण रात भर धरने पर बैठे रहे। ग्रामीणों का कहना था कि, जब तक तीनों युवकों को नहीं छोड़ा जाएगा वे थाने के आगे से नहीं हटेंगे।

सड़क हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

बूंदी, (निसं)। अंथड़ा लालपुरा में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां एक अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर गहरे खड्डे में जा गिरा। हादसे के बाद से ही स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने मौके पर ही धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का यह विरोध प्रदर्शन बीती पूरी रात से लगातार जारी है।

ग्रामीणों ने पास ही स्थित फैक्ट्री में जाने-आने वाले ट्रकों को पूरी तरह रोक दिया है। ट्रकों के रुकने के कारण मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और रास्ता जाम हो गया है। ग्रामीणों की मांग है कि क्षेत्र में भारी वाहनों ट्रकों की आवाजाही पर समय-सीमा निर्धारित की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों का आवागमन केवल रात 11.00 बजे से तड़के जल्दी सुबह तक ही सीमित रखा जाए। दिन के समय और सुबह के समय भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि आए दिन होने वाले हादसों पर अंकुश लग सके।

मसूरिया स्थित बाबा रामदेव मंदिर में मेले का विधिवत शुभारंभ

- जोधपुर में बाबा की बीज पर लाखों की संख्या के जातरूओं के आने का सिलसिला बना रहेगा

जोधपुर, (कासं)। लोक देवता बाबा की बीज रविवार को है। शुक्रवार की देर शाम मसूरिया स्थित बाबा रामदेव मंदिर में मेले का विधिवत शुभारंभ हो गया। रविवार की तड़के महाआरती होगी। उसके बाद ध्वजारोहण किया जाएगा।

जोधपुर में बाबा की बीज पर लाखों की संख्या के जातरूओं के आने का सिलसिला बना रहेगा। यहां आरती दर्शन और बालिनाथ की समाधि दर्शन के बाद जातरू आगे कूच कर जाएंगे। बाबा का मेला आगामी दसमीं तक भरा रहेगा। जोधपुर में बाबा के जातरूओं के लिए कई जगहों पर रामरसोड़े चल रहे हैं। जहां पर स्थानीय निवासी उनके लिए पलकपावड़े बिछाए हुए हैं। बाबा रामदेव के गुरू बालीनाथ गुसाई के दर्शन के उपरांत जातरू रामदेवरा के लिए रवाना हो रहे हैं। शहर में बाबा मंदिर मसूरिया में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। शुक्रवार को उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से सैनाचार्य अचलानन्द महाराज, बड़ा रामद्वारा सूरसागर के महंत डॉ. रामप्रसाद, हिंगलाज मंदिर चौखा के सर्वानन्द महाराज, सोमेश्वर गिरी महाराज, अनुभव दास तथा दुर्गा मंदिर शास्त्रीनगर के पंडित महेंद्र व्यास सहित कई संतों की उपस्थिति रही।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केन्द्रीकृत रोजगार अधिसूचना (सीईएन) संख्या 05/2026

संकेतात्मक सूचना

पारा मेडिकल श्रेणी के विभिन्न पदों हेतू भर्ती

पात्र उम्मीदवारों से **पारा मेडिकल श्रेणी** के विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन **केवल ऑनलाइन माध्यम** से ही जमा किए जाने चाहिए। (https://www.rrbapply.gov.in)

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : 15.09.2026 (अनंतिम)
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 14.10.2026 (23:59 बजे) (अनंतिम)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	चिकित्सा मानक	दिनांक 01.07.2027 को आयु	अनंतिम रिक्तियां (सभी आरआरबी)
पारा मेडिकल श्रेणी के विभिन्न पदों हेतू	पे लेवल 3 से पे लेवल 7	विस्तृत सीईएन के अनुसार	विस्तृत सीईएन के अनुसार	560

नोट: 1. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण को सत्यापित कर लें, ताकि गैर-आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में होने वाली विस्तृत जांच के कारण असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके।

2. आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए, आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र में अंकित पूरा नाम और जन्मतिथि के साथ 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाना चाहिए। इसी तरह, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट करना होगा।

3. यह सूचना पूर्ण रूप से सांकेतिक प्रकृति की है, जिसे केवल संभावित उम्मीदवारों को आगामी सीईएन (CEN) के बारे में सूचित करने और आवेदन हेतु आवश्यक प्रमाण पत्रों व दस्तावेज़ों को तैयार करने के उद्देश्य से जारी की गई है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियमों, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएँ और अन्य आवश्यकताएं पूर्णतः विस्तृत सीईएन सं. 05/2026 (साथ ही समय-समय पर जारी किए जाने वाले शुद्धिपत्र सहित) के अनुसार ही मान्य होगी, जो विशेष रूप से सभी आरआरबी की एकीकृत वेबसाइट : **https://rrb.indianrailways.gov.in.** पर प्रकाशित कि जायेगी। उम्मीदवार इस एकीकृत वेबसाइट से अलग-अलग आरआरबी के वेबपेज पर जा सकते हैं।

संख्या रे.भे.बो/अज/एडीवीटी/सीईएन 05/2026
दिनांक: 13.09.2026

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

"जालसाज़ों, दलालों एवं नौकरी दिलाने का झांसा देने वालों से सावधान रहें"

गणेश मंदिरों में आज सिंजारे की धूम

जयपुर। गणेश चतुर्थी को लेकर राजधानी के प्रमुख गणेश मंदिरों में धार्मिक आयोजनों की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 13 से 15 सितंबर तक मंदिरों में सिंजारा, विशेष शृंगार, अभिषेक, हवन, भोग, भजन-कीर्तन और शोभायात्राओं का आयोजन होगा। मोतीडूंगरी में 3500 किलो सोजत की मेहंदी से सिंजारा होगा, परकोटा गणेश मंदिर में 21 हजार लड्डुओं की झांकी सजाई गई। वहीं गढ़ गणेश में गणेश चतुर्थी पर साल में एक बार होने वाले बाल स्वरूप के दर्शन होंगे।

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में 13 सितंबर को मेहंदी पूजन व सिंजारा महोत्सव होगा। भगवान को करीब 3500 किलो सोजत की मेहंदी अर्पित की जाएगी। रात 7.30 बजे पांच स्थानों से मेहंदी प्रसाद बांटा जाएगा। महिलाओं और कन्याओं के लिए अलग व्यवस्था रहेगी। गणेशजी को विशेष पोशाक, स्वर्ण मुकुट और नौलखा हार पहनाया जाएगा। मोती, सोना, पन्ना और माणक से सजे हार को महंत परिवार ने तीन माह में तैयार किया है। 14 सितंबर को सुबह 5 से रात 11.40 बजे तक दर्शन होंगे।

ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित दाहिनी सूंड दक्षिणमुखी श्री नहर के गणेशजी मंदिर में 13 सितंबर को शाम 5 बजे सिंजारा होगा। गणपति को हाथ से बनी लहरिया पोशाक व साफा पहनाकर असंख्य मोदकों की झांकी सजाई जाएगी। 5.30 बजे से नवीन चौले का सिंदूर और सिंजारे की मेहंदी बांटी जाएगी। प्रेम भाया मंडल भजन प्रस्तुत करेगा। 14 सितंबर को सुबह 5 बजे मंगला आरती और 15 सितंबर को ऋषि पंचमी का आयोजन होगा।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम इन्दु बाला से बदलकर इन्दु बाला शर्मा धर्मपत्नी श्री हेमन्त कुमार शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। पताः 340, केडिया की कोठी, सिरसी रोड, जयपुर

मैं, प्रियंका शर्मा पत्नी श्री आनंद निवासी193/297सेक्टर-19 प्रताप नगरसांगानेर जयपुर घोषित करती हु की मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में कबीर आनंद शर्मा अंकित है जो गलत है सही नाम कबीर शर्मा है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना जाए।

I have changed my name from Chatan Dass S/o Notan Das Khatri to Chetan Das Khatri S/o Notan Das Khatri. For all future purposes. Address: Plot no. 5, Jai Jawan-3, JLN Marg, Jaipur.

खोया पाया

मेरे मकान 111/77 मानसरोवर का Attotment Cum Possesion Letter, Possesion Handing over/ Taken Over, No Dues Certificate, Office Order Of RHB Letter पटेल मार्ग मानसरोवर मे खो गए है मिलने पर सूचित करे- 9460867067

मेरे आवास संख्या 31/60/10 के मूल आवंटी श्री छाजूराम मीणा द्वारा श्री अमरचंद मीणा को बेचान संबंधी मूल इकरारनामा,मुखत्यारनामा एंव वसीयतनामा मानसरोवर में कहीं गिर गये है, मिलने पर सूचित करें। सुनील विजय, मोबाइल- 8963805454

इत्तलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिग्री के (आदेश 21 नियम 22 सीपीसी) न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम 07 जयपुर महानगर 2

मैसर्स रावलवासिया स्टील प्लांट प्राइवेट लिमिटेड बनाम मैसर्स पी. एस. इंडस्ट्रीज डिक्री बाबत Execution of Award वाद संख्या Execution 366/2025

बनाम

मैसर्स पी.एस. इंडस्ट्रीज जरिय प्रोपराइटर प्रकाश शर्मा निवासी 2 फ्लोर ऑफिस नंबर 207-बी, सेंट्रल टॉवर, सेंट्रल स्पाइन, विद्याधर नगर, जयपुर, दूसरा पता हॉउस नंबर 3403, निंदर राव जी का रास्ता, 2 गली, चांदपोल, जयपुर. तीसरा पता 520, अलंकार प्लाजा, विद्याधर नगर, जयपुर. चूँकि. ने डिक्री अदालत व मुकदमे न. मवर्खे .. सन 20....... की इजराये के लिए दरखास्त पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में. वार 17 तारीख क वास्ते आपके खिलाफ इजाजत किये जाने डिग्री रखते हो तो पेश करो माह 20.2....... को हाजिर होकर अगर कोई उजर

आज व तारीख .... 10 माह 8 सन 2026 व शब्द मेरे दस्तखत मुहर अदालत के जारी किया गया मोहर अदालत

मोहर अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम संख्या-7, जयपुर महानगर द्वितीय

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नशा तस्करों की 73.64 करोड़ की संपत्ति पर राजस्थान पुलिस ने शिकंजा कसा

तस्करों के मकान-दुकान, कृषि भूमि, भूखंड और वाहनों को कार्रवाई के दायरे में लिया पुलिस ने

राजस्थान पुलिस ने शनिवार को प्रदेश में नशा तस्करों और माफियाओं के घर और अन्य संपत्तियों पर कुर्की व सीज की कार्रवाई को अंजाम दिया। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नशा तस्करों की आर्थिक रीढ़ तोड़ने के लिए राजस्थान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत प्रदेश में नशे की अवैध कमाई से अर्जित 73.64 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियों को कुर्क, फ्रीज और सीज किया है। कार्रवाई के तहत 38 मामलों में सक्षम प्राधिकारी से अंतिम कुर्की-जब्ती के आदेश स्वीकृत हो चुके हैं, जबकि 25 मामलों में कानूनी प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि नशे के काले कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए तस्करों के वित्तीय नेटवर्क पर प्रहार करना पुलिस की प्राथमिकता है। नशीली दवाओं की कमाई से खड़ी की गई संपत्तियों को चिह्नित कर उन्हें जब्त करने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

> ■ डीजीपी ने कहा "नशे के काले कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए तस्करों के वित्तीय नेटवर्क पर प्रहार करना प्राथमिकता है। नशीली दवाओं की कमाई से खड़ी की गई संपत्तियों को चिह्नित कर उन्हें जब्त करने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।"

एएनटीएफ आईजी विकास कुमार ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में आदतन और कुख्यात नशा तस्करों के खिलाफ 63 इस्तगासे तैयार कर सक्षम प्राधिकारी को भेजे गए थे। इनमें से 38 मामलों में कुर्की और जब्ती के अंतिम आदेश जारी हो चुके हैं, जबकि 25 मामलों में विधिक प्रक्रिया चल रही है। पुलिस ने तस्करों के मकान, निर्माणाधीन दुकान, कृषि भूमि, आवासीय भूखंड, कार, पिकअप, ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल सहित विभिन्न संपत्तियों को कार्रवाई के दायरे में लिया है।

चित्तौड़गढ़ में 68-एफ के तहत 20.35 करोड़ रुपए की संपत्तियां सीज की गईं। इनमें गंगरार निवासी राहुल बंजारा की 18.79 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति शामिल है। इसके अलावा कमलेश गुर्जर, बालकिशन धाकड़, रामेश्वर लाल अहीर, मोहम्मद उस्मान, रतनलाल जाट और सुरेशचंद्र जाट की संपत्तियों की कुर्की भी स्वीकृत हुई है।

बारां में राजाराम मीणा व रामगोपाल की 5.83 करोड़, दिनेश मीणा व सुरेंद्र की 5.83 करोड़, किशोर कुमार की 5.82 करोड़, बीरमचंद की 60.26 लाख तथा विशाल सांसी व बल्लू सांसी की 40.30 लाख रुपए की संपत्तियों के संबंध में कुर्की व जब्ती की कार्रवाई स्वीकृत हुई है।

झालावाड़ में 9 आरोपियों की कुल 12.65 करोड़ रुपए की संपत्तियों की जब्ती स्वीकृत हुई है। इनमें बबलू तंवर की 5.59 करोड़, नरेंद्र सिंह की 1.81 करोड़, मोहनलाल तंवर की 1.13 करोड़ और सुगनचंद तंवर की 1.02 करोड़ रुपए की संपत्ति प्रमुख है। इसके अलावा गनी मोहम्मद, पांचूलाल मीणा, दिनेश सिंह, प्रभूलाल तंवर और रामलाल तंवर की संपत्तियां भी कार्रवाई के दायरे में हैं।

प्रतापगढ़ में स्वीकृत मामलों में 8.24 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कार्रवाई हुई है। इनमें शाहजेब उर्फ बल्ला का नवनिर्मित मकान, पोल्ट्री फार्म और वाहन सहित 2.10 करोड़ रुपए की संपत्ति, भुरालाल लबाना की 1.65 करोड़, शेफुल्ला शेख की 1.55 करोड़ सहित अन्य आरोपियों की संपत्तियां शामिल हैं।

नागौर में भोपालराम विश्नोई के दो मकान, दुकान और वाहनों सहित 1.14 करोड़ रुपए की संपत्ति की कुर्की स्वीकृत हुई। जोधपुर ग्रामीण में अनिल विश्नोई की 26 बीघा जमीन और दो वाहनों की करीब 1.10 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त करने की मंजूरी मिली। हनुमानगढ़ में स्वराज उर्फ शिवराज की 81.61 लाख रुपए की संपत्ति सीज की गई।

जालौर में धोलाराम उर्फ धरिंद्र कुमार और राकेश कुमार विश्नोई की कुल 50.82 लाख रुपए, उदयपुर में विपिन गिरी गोस्वामी की 26 लाख, भीलवाड़ा में लाभचंद उर्फ लाभू धाकड़ की 50 लाख रुपए की भूमि व ट्रैक्टर तथा जोधपुर पूर्व में रमेश विश्नोई की 15 लाख रुपए की स्कॉर्पियो की कुर्की स्वीकृत हुई है।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ विशेष अभियान चलाकर नशा तस्करों की पूरी कुंडली खंगाल रही है। तस्करों की सूची तैयार कर संबंधित जिला पुलिस अधीक्षकों को कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं। व्यापारिक प्रकृति के मामलों में भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। प्रत्येक जिले के एसपी कार्यालय में नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए विशेष शाखा गठित करने की प्रक्रिया भी चल रही है।

डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशे के कारोबार में लिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाए। उन्होंने आमजन से भी आसपास होने वाले नशे के अवैध कारोबार की सूचना पुलिस को देने की अपील की।

राजस्थान में अगले 3-4 दिन दक्षिणी हिस्सों में बारिश का जोर

जयपुर । राजस्थान में मानसून सक्रिय रहने से शनिवार को जयपुर सहित कई जिलों में बारिश हुई। अजमेर, भीलवाड़ा, सीकर, कोटा, दौसा और माउंट आबू सहित कई स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश के बावजूद उमस और गर्मी से आमजन परेशान रहे।

> ■ मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिणी छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके आगामी दिनों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि शनिवार को दक्षिणी छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके आगामी दिनों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। मानसून ट्रफ लाइन भी शनिवार को जैसलमेर, कोटा और कम दबाव के क्षेत्र से होकर गुजर रही है। उन्होंने बताया कि शनिवार को उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। वहीं जयपुर, भरतपुर, अजमेर और जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम तंत्र का असर अगले तीन-चार दिनों तक दक्षिणी राजस्थान में सबसे अधिक रहने की संभावना है। 12 से 15 सितंबर के दौरान उदयपुर संभाग और आसपास के जिलों में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

पत्नी व 3 बेटियों के हत्यारे राहुल की तलाश में जुटी पुलिस की 12 टीमें

करधनी क्षेत्र में पत्थर से सिर फोड़कर परिवारजनों की हत्या का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करधनी थाना क्षेत्र में पत्नी और तीन बेटियों की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस की जांच अब आरोपी राहुल कुमार झा के गुजरात कनेक्शन पर टिक गई है। जांच में सामने आया है कि राहुल 6 सितंबर को गुजरात गया था और करीब तीन दिन वहां रहने के बाद 9 सितंबर को जयपुर लौटा। इसके अगले ही दिन उसने कथित तौर पर पत्नी गीता देवी और तीन बेटियों की हत्या कर दी। पुलिस ने घर से राहुल का मोबाइल बरामद कर लिया है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गुजरात में वह किन लोगों से मिला और वहां जाने की वजह क्या थी।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने आरोपी की तलाश के लिए एसीपी शिव भारद्वाज और थानाधिकारी सवाई सिंह के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक टीमें गठित की हैं। टीमें घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ संदिग्धों से पूछताछ कर रही हैं। हालांकि, अभी तक राहुल का कोई सुराग नहीं मिला है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को करधनी क्षेत्र स्थित घर में अलग-अलग कमरों से गीता देवी (40) और उनकी बेटियों नंदिनी (22), राधिका (17) और गिरिशा उर्फ गौरी (14) के शव मिले थे। सुबह करीब नौ बजे तक बहू और पोतियों के नहीं उठने पर बुजुर्ग लक्ष्मीनाथ उन्हें देखने पहुंचे। घर के अलग-अलग कमरों में चारों के शव खून से लथपथ मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस को दूसरी मंजिल पर बने पति-पत्नी के कमरे में संघर्ष के निशान मिले हैं। गीता के गुजरात में रहने वाले पीहर पक्ष से रात करीब डेढ़ बजे मोबाइल पर आखिरी बार बातचीत हुई थी। पुलिस को आशंका है कि इसी दौरान राहुल और गीता के बीच कहासुनी हुई, जो बाद में विवाद में बदल गई।

> ■ पुलिस मृतका के पति राहुल के गुजरात कनेक्शन को खंगालने में जुटी है, बताया जा रहा है कि वह 3 दिन गुजरात रहकर आया है और वहां से लौटते ही हत्या कर दी

प्रारंभिक जांच के अनुसार राहुल ने सीमेंट की भारी ईंट से पत्नी गीता के सिर पर वार कर उसकी हत्या की। इसके बाद घर में सो रही तीनों बेटियों पर भी उसी तरह हमला किया। पुलिस के अनुसार वारदात में करीब 10 किलो वजनी सीमेंट की ईंट का इस्तेमाल किया गया।

मौके की स्थिति से पुलिस को राहुल और गीता के बीच संघर्ष की आशंका है। गीता के हाथ में कुछ बाल मिले हैं, जिन्हें पुलिस राहुल के बाल होने की संभावना के आधार पर जांच रही है। सबसे छोटी बेटी गौरी का शव ग्राउंड फ्लोर के एक कमरे में बेड पर मिला, जबकि दूसरे कमरे में नंदिनी और राधिका के शव मिले। एक बेटी सोफे पर सो रही थी। भारी वस्तु के वार से वह नीचे गिर गई और सोफा भी टूट गया। इसके बाद उसके सिर पर भी वार किया गया।

जांच में यह भी सामने आया है कि राहुल को शेयर बाजार में घाटा हुआ था। इसके बाद वह पत्नी के नाम दर्ज प्लॉट बेचना चाहता था, लेकिन गीता ने इसका विरोध किया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पहले भी विवाद होने की जानकारी पुलिस को मिली है। पुलिस अब इस विवाद और गुजरात जाने के बीच संबंध की भी पड़ताल कर रही है। राहुल के गुजरात जाने और वहां तीन दिन रुकने को पुलिस जांच का अहम बिंदु मान रही है। मोबाइल बरामद होने के बाद पुलिस उसके संपर्क में रहे लोगों और गुजरात में उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि जयपुर लौटने के बाद उसने किन लोगों से संपर्क किया था। आरोपी की तलाश के साथ पुलिस हत्या के पीछे की पूरी वजह और संभावित मददगारों की भूमिका भी खंगाल रही है।

मुख्य सचिव ने राजेश्वर सिंह को दी बधाई

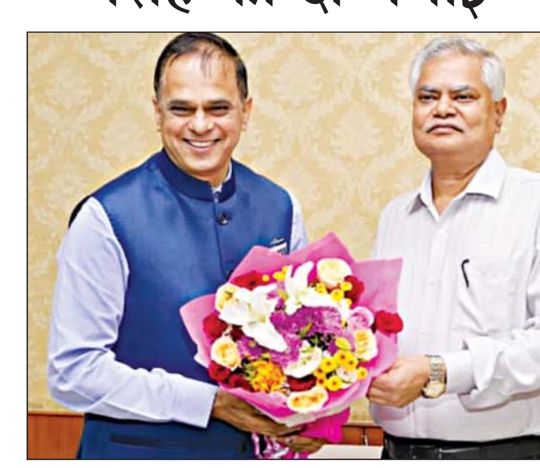

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह से भेंट कर प्रदेश में नगरीय निकाय चुनावों के स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन पर उन्हें बधाई दी। मुख्य सचिव ने निकाय चुनावों में अब तक का सर्वाधिक मतदान दर्ज होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा सफल चुनाव संचालन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के प्रयासों की सराहना की।

बप्पा के स्वागत में सजने लगे बाजार, मूर्तियों की मांग बढ़ी

जयपुर। गणेश चतुर्थी की आहट के साथ ही गुलाबी नगरी के बाजारों की रंगत बदलने लगी है। प्रमुख बाजारों और सड़कों के किनारे भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रही हैं। कहीं मूर्तिकार प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं तो कहीं लोग अपनी पसंद के बप्पा की प्रतिमा तलाशते नजर आ रहे हैं। गणेश चतुर्थी 14 सितंबर (सोमवार) को मनाई जाएगी। पर्व को लेकर घरों से लेकर गणेश उत्सव समितियों के पंडालों तक तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं।

शहर में जगह-जगह भगवान गणेश की छोटी से लेकर बड़ी प्रतिमाएं सजाई गई हैं। मूर्तिकारों ने अलग-अलग आकार, स्वरूप और शृंगार में प्रतिमाएं तैयार की हैं।

पारंपरिक पगड़ी और मुकुट से सजे बप्पा के साथ आकर्षक पोशाक और बहुरंगी शृंगार वाली प्रतिमाएं भी लोगों का ध्यान खींच रही हैं। सौम्य मुस्कान, आशीर्वाद मुद्रा और राजसी स्वरूप में तैयार गणेश प्रतिमाओं की विशेष मांग है। प्रतिमाओं पर की गई बारीक कलाकारी और आकर्षक रंगों का संयोजन इन्हें और मनमोहक बना रहा है। गणेश उत्सव का उत्साह घरों तक ही सीमित नहीं है। शहर की विभिन्न गणेश उत्सव समितियां भी पंडालों में बप्पा की स्थापना की तैयारियों में जुटी हैं। समितियों की ओर से बड़ी और आकर्षक प्रतिमाओं का चयन किया जा रहा है। वहीं घरों में गणेश स्थापना करने वाले श्रद्धालु अपनी सुविधा और स्थान के अनुसार छोटी व मध्यम आकार की प्रतिमाएं खरीद रहे हैं।

कई श्रद्धालु परिवार की परंपरा और अपनी पसंद के अनुसार विशेष स्वरूप वाली गणेश प्रतिमा तलाश रहे हैं। गणेश चतुर्थी को लेकर उत्साह का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई मूर्तिकारों के पास मनपसंद प्रतिमाओं की अग्रिम बुकिंग पहले ही हो चुकी है। श्रद्धालु अपनी पसंद के आकार, स्वरूप और शृंगार के अनुसार प्रतिमाएं तैयार करवा रहे हैं। गणेश उत्सव समितियों ने भी पंडालों के लिए बड़ी प्रतिमाओं की बुकिंग कराई है। पर्व नजदीक आने के साथ बाजारों में खरीदारी की रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है।

साइबर अपराध पर शिकंजा कसने के लिए विशेष अभियान चलेगा

जयपुर। साइबर अपराध पर शिकंजा कसने के लिए राजस्थान पुलिस अक्टूबर में प्रदेशव्यापी विशेष अभियान चलाएगी। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को जयपुर कमिश्नरेट और जयपुर ग्रामीण जिले की साइबर अपराध समीक्षा बैठक में अधिकारियों को साइबर ठगों के नेटवर्क तक पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने साइबर अपराध को पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए त्वरित अनुसंधान, तकनीकी संसाधनों के इस्तेमाल और पीड़ितों को जल्द राहत दिलाने पर जोर दिया। बैठक में जयपुर कमिश्नरेट के सभी पुलिस उपायुक्त, डीसीपी क्राइम, साइबर अपराध से जुड़े अधिकारी और थानाधिकारी, जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अपने क्षेत्रों में साइबर अपराध की स्थिति, लंबित प्रकरणों और रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। डीजीपी ने कहा कि साइबर ठगी की शिकायत मिलते ही तकनीकी और वित्तीय ट्रेल का तत्काल विश्लेषण किया जाए। पुलिस की प्रतिक्रिया जितनी तेज होगी, पीड़ित की राशि वापस दिलाने और अपराधियों तक पहुंचने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय रघुवीर सिंह तंवर पुत्र श्री रिछपाल सिंह तंवर, निवासी- 14, कान्ति नगर, पोलोविक्ट्री, जयपुर का देहांत दिनांक 17.06.2026 को बमुकाम जयपुर हो चुका है। उनके पुत्र मेरे अभिभाष्यगण प्रताप सिंह तंवर एवं भानु प्रताप सिंह है। उनकी सम्पत्ति के संबंध में प्रताप सिंह एवं भानु प्रताप सिंह के अतिरिक्त यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष का कोई अधिकार, स्वामित्व, हिस्सा, आपत्ति, ऋण, बंधक, विक्रय अथवा किसी भी प्रकार का हित / विवाद हो, तो वह इस आम सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिवस के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समस्त प्रमाणों सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त किसी किसी भी व्यक्ति की कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
(इमरान खान) एडवोकेट, मोबाइलः 9829691007

नाम परिवर्तन

मैं बबलू कुमार पुत्र श्री मोहन लाल जाटव जाति जाटव नि. ढिढोरा तह. सूरौठ जि. करौली राज. सशपथपूर्वक बयान करता हूं कि मेरे पुत्र आर्यन के विद्यालय रिकॉर्ड में मेरा नाम बबलू हो गया है जो कि अधूरा है इसलिए अब मैं मेरे पुत्र के विद्यालय रिकार्ड में बबलू कुमार करवाना चाहता हूं। मेरे पुत्र आर्यन के विद्यालय रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम भी सुन्द्रेश कर दिया है जो कि गलत है सही नाम सुन्द्रेश कुमारी जो की सही है। इसलिए सुन्द्रेश कुमारी किया जावें।

16 हजार मरीजों को 1.17 लाख नि:शुल्क डायलिसिस सैशन की नि:शुल्क सुविधा

सरकार ने मरीजों की इस सुविधा पर 21.11 करोड़ रुपए से अधिक राशि खर्च की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में किडनी रोगियों को नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराने का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 16003 मरीजों को 1.17 लाख डायलिसिस सैशन की नि:शुल्क सुविधा दी जा चुकी है। इन सेवाओं के तहत उपलब्ध कराई गई उपचार सुविधा का अनुमानित मूल्य करीब 21.11 करोड़ है।

प्रधानमंत्री नेशनल डायलिसिस कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 35 जिला चिकित्सालयों में 149 डायलिसिस मशीनें संचालित हैं। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अगस्त तक 4265 मरीजों को 31675 सैशन की सुविधा दी गई। इनमें 35 केंद्रों पर 3489 मरीजों के 25860 सेशन तथा बजट घोषणा के तहत चिन्हित चिकित्सा संस्थानों में 776 मरीजों के 5815 सैशन शामिल हैं।

> ■ सितंबर में 78 चिकित्सा संस्थानों में भी शुरू होगी सेवा

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11,738 मरीजों को 85583 डायलिसिस सैशन की सुविधा मिली। इनमें प्रधानमंत्री नेशनल डायलिसिस कार्यक्रम के 35 केंद्रों पर 8,507 मरीजों के 65,148 सेशन तथा बजट घोषणा के तहत चिन्हित संस्थानों में 3,198 मरीजों के 19,187 सेशन शामिल हैं।गायत्री राठौड़ ने बताया कि बजट घोषणा 2022-23 के तहत प्रदेश के 182 चिकित्सा संस्थानों में हीमोडायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। इनमें 102 संस्थानों में सुविधा शुरू हो चुकी है। शेष संस्थानों में चिकित्सकों एवं कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और 30 सितंबर 2026 तक सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। सितंबर माह में 78 चिकित्सा संस्थानों में डायलिसिस सुविधा शुरू करने की तैयारी है। सरकारी व्यवस्था के साथ सीएसआर के माध्यम से भी नि:शुल्क डायलिसिस सेवाएं दी जा रही हैं। जिला चिकित्सालय नदबई (भरतपुर) और उपजिला चिकित्सालय सिवाना (बालोतरा) में हंस फाउंडेशन, गुरुग्राम के सहयोग से सुविधा संचालित है। सिवाना में 3 मशीनों से 12 मरीजों के 575 सेशन तथा नदबई में 3 मशीनों से 21 मरीजों के 673 सेशन हो चुके हैं। गायत्री राठौड़ ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि डायलिसिस की जरूरत वाले मरीजों को उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़े।

कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर

Email ID:bdo.jai.gov@gmail.com Phone No. 01423-230025

क्रमांकः-पंसगो / लेखा/ई-निविदा/2026/208 दिनांकः-11.09.2026

निविदा सूचना संख्या /2026-27

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचायत समिति गोविन्दगढ़ व अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्यों / सकर्म हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।

ऑफलाईन निविदा (सफाई)-

NIB NO- PFA2627A0399, PFA2627A0400

UBN NO- PFA2627WSOB00396, PFA2627WSOB00397

विकास अधिकारी पं.सं. गोविन्दगढ (जयपुर)

भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक की मजबूत दावेदार है और इसके लिए जापान में निरंतर प्रदर्शन तथा अधिक से अधिक बर्डी के मौके बनाना अहम होगा। – प्रणवी उर्स

भारतीय गोल्फर, भारतीय महिला टीम की एशियाई खेलों में दावेदारी को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दिव्यांशी चौधरी

चिकित्सकीय आधार पर एशियाई खेलों की टीम से बाहर की गई वुशु खिलाड़ी दिव्यांशी चौधरी ने शनिवार को राष्ट्रीय महासंघ पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि जापान में प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए डॉक्टर की मंजूरी मिलने के बावजूद उनकी जगह दूसरी खिलाड़ी को शामिल कर लिया गया। खेल मंत्रालय द्वारा 22 अगस्त को जारी सूची में दिव्यांशी को आइची–नागोया एशियाई खेलों के लिए सात सदस्यीय वुशु टीम में शामिल किया गया था। दिव्यांशी ने कहा, ''मैं वास्तव में बहुत परेशान हो चुकी हूं।

क्या आप जानते हैं ?... सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : हांग्झौ एशियन गेम्स 2023 में भारत ने पहली बार 100 का आंकड़ा पार करते हुए 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य सहित कुल 107 पदक जीते थे।

जदरान बने अफगानिस्तान के नए ट्वंटी-20 कप्तान

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। अफगानिस्तान के नवनियुक्त टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान इब्राहिम जदरान ने कहा कि वह उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी को अच्छी तरह संभालने की कोशिश कर रहे हैं और दबाव की स्थिति में सही फैसले लेना सीख रहे हैं। पहले राशिद खान के उपकप्तान रहे जदरान ने कहा कि तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में नयी भूमिका में उनकी और राशिद की बातचीत और समझ उनकी मदद करेगी। सीरीज रविवार से यहां शुरू होगी। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए बड़ी जिम्मेदारी है। एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में मैं इसका आनंद लेने, जिम्मेदारी उठाने और दबाव की परिस्थितियों में सही फैसले लेने की कोशिश कर रहा हूं।'' उन्होंने तनावपूर्ण पलों के दौरान खुद को और अपने साथियों को संभालने की चुनौती पर भी बात की। जदरान का मानना है कि अफगानिस्तान का भारत में खेलने का अनुभव श्रेयस अय्यर और उनकी टीम के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में मदद करेगा। इस अनुभव में विश्व कप के मुकाबले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''हम परिस्थितियों को अच्छी तरह जानते हैं। हमें बस स्थिति के अनुसार अपनी योजना को सही तरीके से लागू करना है।'' अफगानिस्तान के कप्तान ने कहा कि टीम नतीजे के बजाय प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, ''हम बस अपना शत प्रतिशत देने और प्रक्रिया पर ध्यान देने की कोशिश करेंगे।

जूनियर महिला एशिया कप : सुप्रिया की हैट्रिक से दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर भारत फाइनल में

मोकी, चीन, 12 सितंबर। ड्रैग–फ्लिक विशेषज्ञ सुप्रिया की शानदार हैट्रिक के दम पर गत चैंपियन भारत ने शनिवार को एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5–1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और खिताब बचाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया।

भारत की ओर से मधु सिदार ने 13वें मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद 17वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने सटीक ड्रैग–फ्लिक के जरिए भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने लगातार आक्रामक खेल जारी रखा और 21वें मिनट में सुखवीर कौर ने शानदार फिनिश के साथ टीम को 3–0 की बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक भारतीय रक्षापंक्ति ने दक्षिण कोरिया के प्रयासों को नाकाम रखते हुए तीन गोल की बढ़त कायम रखी।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत ने एक बार फिर दबाव बनाया। 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने एक और शानदार ड्रैग–फ्लिक के जरिए अपना दूसरा गोल किया और भारत को 4–0 से आगे कर दिया।

दक्षिण कोरिया ने 41वें मिनट में वापसी की कोशिश की। यूरी जियोंग ने सेट पीस पर गोल कर अंतर 4–1 किया और अपनी टीम की वापसी की उम्मीद जगाई। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद रक्षापंक्ति को मजबूत करते हुए कोरियाई टीम को कोई स्पष्ट मौका नहीं दिया। भारत ने अंतिम क्वार्टर में भी आक्रामक रुख बनाए रखा और 56वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। सुप्रिया ने इस मौके को भी गोल में बदलते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की 5–1 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। गत चैंपियन भारत अब खिताबी मुकाबले में चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। भारतीय टीम लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ फाइनल में उतरेगी।

महिला एशिया कप फाइनल : भारत-श्रीलंका के बीच खिताब के लिए होगी रोमांचक जंग

दुबई, 12 सितंबर। महिला टी–20 एशिया कप के फाइनल में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबले में स्पिन गेंदबाजी की भूमिका अहम रहने की उम्मीद है। टूर्नामेंट में भारत की स्पिन गेंदबाजों ने अब तक 26 विकेट लिए हैं, जो किसी भी टीम से सबसे ज्यादा हैं। श्रीलंका की स्पिन गेंदबाजी 25 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर है। ऐसे में रविवार को होने वाला खिताबी मुकाबला स्पिन बनाम स्पिन का दिलचस्प मुकाबला बन सकता है। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि टीम ने टूर्नामेंट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में संतुलित प्रदर्शन किया है। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने टीम की बल्लेबाजी में अहम योगदान दिया है। वहीं, दीप्ति शर्मा की अगुआई में स्पिन आक्रमण ने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाया है।

दूसरी ओर, धीमी दुबई की पिचों पर श्रीलंका को बल्लेबाजी में लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में टीम 33 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने पारी संभाली और टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका 44 रन पर पांच विकेट गंवा चुका था और समरविक्रमा की संयमित पारी ने टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इंडोनेशिया के खिलाफ लीग मैच में भी टीम 45 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी, तब निलाक्षिका सिल्वा ने पारी को संभाला था।

श्रीलंका की शीर्ष बल्लेबाजी में अस्थिरता चिंता का विषय है। चमारी अटापट्टू ने चार पारियों में सिर्फ 63 रन बनाए हैं, जबकि इमेशा दुलानी के नाम चार पारियों में 64 रन हैं। दूसरी ओर, भारत की गेंदबाजी में तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा भी अच्छी फॉर्म में हैं। ऐसे में श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए भारत के गेंदबाजी आक्रमण से निपटना आसान नहीं होगा। भारत का हालिया रिकॉर्ड भी उसे खिताब का प्रबल दावेदार बनाता है। भारत ने दिसंबर 2025 में घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी–20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में क्लीन स्वीप किया था और दोनों टीमों के बीच पिछले 10 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत ने नौ जीत दर्ज की हैं।

नजरें शेफाली और अटापट्टू पर

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टूर्नामेंट में तेज शुरुआत को अपनी पहचान बना लिया है। उन्होंने चार मैचों में 169.69 के शानदार स्ट्राइक रेट से 168 रन बनाए हैं। उनकी दो पारियां 64 रन की रही हैं। फाइनल में भारतीय पारी को तेज शुरुआत दिलाने में उनकी भूमिका अहम हो सकती है।

श्रीलंका को शुरुआती झटकों से उबरने में अलग–अलग खिलाड़ियों का योगदान मिला है, लेकिन फाइनल में टीम को अपनी स्टार खिलाड़ी चमारी अटापट्टू से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। अटापट्टू गेंद से प्रभावी रही हैं और टूर्नामेंट में 11 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं, लेकिन बल्ले से उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। चार मैचों में वह केवल एक बार 30 रन का आंकड़ा पार कर सकी हैं। फाइनल में बल्ले से उनका बड़ा योगदान श्रीलंका को भारत के खिलाफ अतिरिक्त मजबूती दे सकता है।

इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट में पाक को आठ विकेट से हराया

बर्मिंघम, 12 सितंबर। जो रूट की नाबाद 62 रन की कप्तानी पारी की बदौलत इंग्लैंड ने एजबेस्टन में शनिवार को पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3–0 से क्लीन स्वीप कर लिया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने उतार–चढ़ाव भरे एजबेस्टन टेस्ट का शानदार अंदाज में अंत किया। इस मैच में पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 133 रनों पर सिमट गई थी, जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 453 रन बनाए और पहली पारी के आधार पर 320 रनों की बढ़त हासिल की। पाकिस्तान ने दूसरी पारी में 449 रन बनाए। सीरीज में क्लीन स्वीप के लिए इंग्लैंड के सामने 130 रन का लक्ष्य था। हालांकि, चौथे दिन की सुबह शनिवार को मोहम्मद अब्बास ने पहले ही ओवर में इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों को शून्य पर आउट कर टीम को परेशानी में डाल दिया। इसके बाद रूट और जॉर्डन कॉक्स ने मोर्चा संभाला और नाबाद 128 रन की साझेदारी कर टीम को आसानी से जीत तक पहुंचाया। ग्लैंड के सामने अब सर्दियों में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ कड़ी परीक्षाएं होंगी, जिसके बाद मेलबर्न में एक टेस्ट खेला जाएगा। पाकिस्तान के खिलाफ 3–0 की जीत ने हालांकि रूट को कप्तानी की शुरुआत में टीम को संभालने और सही दिशा में आगे बढ़ाने का मजबूत आधार दे दिया है।

यूएस ओपन : सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने जीता महिला युगल का खिताब

न्यूयॉर्क, 12 सितंबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने शुक्रवार को अमेरिकी वाइल्ड कार्ड जोड़ी एशलिन क्रूगर और रॉबिन मोंटगोमरी को हराकर यूएस ओपन महिला युगल खिताब जीत लिया। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने फाइनल में 5–7, 6–0, 6–2 से जीत दर्ज की और इसके साथ ही टीम के रूप में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इस जीत के साथ सिनियाकोवा के ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताबों की संख्या 12 हो गई। वह दो अलग–अलग खिलाड़ियों के साथ करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। वहीं, टाउनसेंड महिला युगल में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली मौजूदा खिलाड़ियों में छठी खिलाड़ी बन गईं।

फाइनल में सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने धीमी शुरुआत की और पहला सेट 5–7 से गंवा दिया। हालांकि दूसरे सेट में दोनों ने शानदार वापसी की। शुरुआती गेम में 40–30 से पिछड़ने के बाद उन्होंने अगले 27 में से 23 अंक जीतकर दूसरा सेट 6–0 से अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। ट्रॉफी समारोह में सिनियाकोवा ने कहा, बहुत नर्वस थी, कई फाइनल खेले हैं, लेकिन अंत में हम इसे हासिल करने में सफल रहे। मुझे हमारी लड़ाई और हमारे रिश्ते पर बहुत गर्व है। मेरे साथ बने रहने के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि यह अंत नहीं है और हम आगे भी और फाइनल खेलने आएंगे। टाउनसेंड ने कहा, एक वयस्क खिलाड़ी के रूप में यहां आकर जीतना, आर्थर ऐश स्टेडियम में खेलना और यह ट्रॉफी उठाना मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि मैं उन चीजों को नहीं भूलती, जिनसे मैं गुजरी हूं।

यूएई में 3 से शुरू होगा डब्ल्यूसीएल

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लेजेंड्स का तीसरा सीज़न 3 अक्टूबर को यूएई में शुरू होगा। इसमें युवराज सिंह, शाहिद अफ़रीदी, क्रिस गेल, एबी डिविलियर्स और डेविड वॉर्नर जैसे क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी वापसी करेंगे और पूर्व अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के बीच एक महीने तक चलने वाले हाई–प्रोफ़ाइल मुक़ाबलों में हिस्सा लेंगे।

यूएस ओपन फाइनल में सबालेंका को रोकने के लिए राइबाकिना की रणनीति तैयार

न्यूयॉर्क, 12 सितंबर। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना को अच्छी तरह पता है कि अगर उन्हें विश्व नंबर–1 बेलारूस की आर्यना सबालेंका को लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने से रोकना है, तो उन्हें किस रणनीति के साथ उतरना होगा।इसलिए वह आक्रामक खेल के साथ रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखने और सबालेंका को अंक पर हावी होने से रोकने की कोशिश करेंगी।

यूएस ओपन 2026 महिला एकल के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की गत चैंपियन सबालेंका का सामना करने से पहले राइबाकिना ने एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि वही जज्बा बनाए रखना होगा। उस दिन मैं जैसा भी महसूस करूं, मुझे लड़ना होगा और अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। हम एक–दूसरे को काफी अच्छी तरह जानते हैं और कई बार एक–दूसरे के खिलाफ खेल चुके हैं। महत्वपूर्ण मौकों पर आक्रामक रहने की कोशिश करूंगी, उन्हें अंक पर नियंत्रण बनाने का इंतजार नहीं करूंगी और रैलियों में खुद को हावी रखने की कोशिश करूंगी।

आर्थर ऐश स्टेडियम में दोनों के बीच फाइनल मुकाबला रविवार, 13 सितंबर को भारतीय समयानुसार रात 1:30 बजे खेला जाएगा। मुकाबले का सीधा प्रसारण जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर होगा। यह दोनों खिलाड़ियों के बीच 18वीं भिड़ंत होगी। अभी सबालेंका आमने–सामने के मुकाबलों में 10–7 से आगे हैं। यह 13 साल में पहली बार होगा, जब यूएस ओपन महिला एकल फाइनल में शीर्ष दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आमने–सामने होंगी।

सबालेंका की नजर अपने करियर के पांचवें ग्रैंड स्लैम खिताब और लगातार तीसरे यूएस ओपन खिताब पर है। उन्होंने कहा, मैं 100 प्रतिशत निश्चित नहीं थी कि मैं यह टूर्नामेंट खेल भी पाऊंगी या नहीं। शुरुआती कुछ मैचों में मैं अपने पैर और इस बात को लेकर सोच रही थी कि वह कैसी प्रतिक्रिया देगा। शुरुआती मुकाबलों में मैं सहज नहीं थी। इसके बाद धीरे–धीरे मेरा ध्यान इस बात पर गया कि कोर्ट पर मैं क्या गलत कर रही हूं और मुझे किन चीजों में सुधार करना है। इस तरह धीरे–धीरे मैंने अपनी लय हासिल की।

डुप्लांटिस ने करासिल को पछाड़कर पोल वॉल्ट का खिताब जीता

बुडापेस्ट, 12 सितंबर। विश्व और ओलंपिक चैंपियन आर्मंड 'मोंडो' डुप्लांटिस ने शुक्रवार को विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल वॉल्ट का खिताब अपने नाम किया। डुप्लांटिस ने 6.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर ग्रीस के अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी इमैनुअल करालिस को पीछे छोड़ा। अमेरिका में जन्मे स्वीडिश खिलाड़ी डुप्लांटिस चोट की चिंता के बीच हंगरी पहुंचे थे। पैर में खिंचाव दोबारा उभरने के बाद उन्होंने एहतियात के तौर पर ब्रसेल्स डायमंड लीग फाइनल से नाम वापस ले लिया था। उनकी अनुपस्थिति में करालिस ने वहां खिताब जीता था।

टीम कृष्णा और नेवी स्टैलियन्स टीम जीती

जयपुर, 12 सितम्बर। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी के सेमी फाइनल में रोमांच दोगुना हो गया, क्योंकि दो कड़े मुक़ाबलों से फ़ाइनलिस्ट तय हुए। पहले मुक़ाबले में, टीम कृष्णा ने टीम तोपची अल्टीमेट को 8–3 के स्कोर से हराया; इसमें मेजर एआरएस वारैच की शानदार हैट्रिक और अश्विनी शर्मा के ज़बरदस्त खेल का अहम योगदान रहा। दूसरे सेमी–फ़ाइनल में टीम नेवी स्टैलियन्स ने टीम जेआरपीसी पर दबदबा बनाते हुए 11–5 से जीत हासिल की। इस जीत में लेफ्टिनेंट कर्नल यतिंदर की हैट्रिक और कैप्टन एपी सिंह की मज़बूत मौजूदगी का बड़ा हाथ रहा; कैप्टन सिंह के सटीक पास ने खेल की रफ़्तार बनाए रखी। दोनों मैचों में बेहतरीन कौशल और टीमवर्क देखने को मिला, और कृष्णा व नेवी स्टैलियन्स ने फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की। दिन के सबसे शानदार खिलाड़ी कृष्णा के लिए मेजर एआरएस वारैच और अश्विनी शर्मा, तथा नेवी स्टैलियन्स के लिए कैप्टन एपी सिंह और लेफ्टिनेंट कर्नल यतिंदर ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ की बैठक हैदराबाद में आयोजित

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ की बैठक हैदराबाद में 4 सितम्बर, 2026 को आयोजित हुई। बैठक में आईकेएफ कम्पनी के सीनियर डायरेक्टर ज्ञानेश्वर कासानी, बैंकटेश भंडारी व गोविन्द नारायण शर्मा ने भारतीय प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। मीटिंग में अन्य 37 देशो के पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दी व 23 देशों के पदाधिकारियों ने जूम मीटिंग में लाइव भाग लिया। मीटिंग में उपस्थित होने वाले देशों के नाम अलजीरिया, अंगोला, आस्ट्रेलिया, बेलजियम, ओस्ट्रिया, बुलगारिया, केमरून, कनाडा, केपे वरडे, सेन्ट्रल अफरीकन रिपब्लिक, कोन्गो ब्रजाविले, साइप्रस, सेन्च रिपब्लिक, डेनमार्क, इंजीप्ट, इंग्लेण्ड, फ्रांस, जर्मनी, घाना, आयरलेण्ड, इटली, केन्या, कजास्तिान, मलेशिया, मॉरीशस, मेनमियार, नींदरलैण्ड, नाइजिर, नोर्वे, श्रीलंका, स्विजरलैण्ड, तंजानिया, तुर्कस्मितान, उज्जेबकिस्तान, वेल्स व जिम्बाबे आदि देशों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक कमेटी के पर्यवेक्षक हुमफेरी क्यांगे (केन्या) थे। आईकेएफ के सीनियर डायरेक्टर ने बताया कि आईकेएफ के पूर्व निदेशक तेजस्वी गहलोत व अध्यक्ष विनोद तिवारी को अन्तर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया।

अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ट्वंटी-20 में संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी के चयन पर फंसा पेंच

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में भारत के सामने दुविधा होगी कि 'वंडर ब्वॉय' वैभव सूर्यवंशी को उतारा जाये या संजू सैमसन के अनुभव पर भरोसा किया जाये। सूर्यवंशी को इंग्लैंड में सैमसन की जगह अंतिम एकादश में जगह दी गई थी लेकिन श्रृंखला के आखिरी मैच में 15 वर्ष के सूर्यवंशी की जगह सैमसन को उतारा गया। टी20 प्रारूप में सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी कामयाब रही है।

उम्मीद है कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर जापान में होने वाले एशियाई खेलों की अंतिम एकादश तय करने से पहले सैमसन और सूर्यवंशी दोनों को बराबर मौके देंगे। शुक्रवार की शम को अभ्यास सत्र के दौरान सूर्यवंशी की तुलना में सैमसन अधिक संतुलित नजर आये। सूर्यवंशी को जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर सहज होकर खेलने में समय लगा क्योंकि पिच से भी बुमराह की गेंदों को मदद मिल रही थी।

यह भी हो सकता है कि लगातार लाल गेंद के तीन मैच खेलने के बाद सूर्यवंशी को सामंजस्य बिठाने में समय लग रहा हो। वैसे अफगानिस्तान के पास बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं है। अफगानिस्तान के गेंदबाजों के सामने सूर्यवंशी को फुटवर्क का इस्तेमाल नहीं करने पर भी दिक्कत नहीं आयेगी।

सैमसन की बात करें तो तीन पारियों में नाकामी के बाद उन्हें इंग्लैंड दौरे से बाहर करना ज्यादती था। लेकिन सूर्यवंशी को लेकर हाइप इतनी बढ गई थी कि टीम प्रबंधन ने जनता की मांग पर फैसला लिया भले ही बार बार वे कहते हों कि बाहरी आवाज का असर नहीं होता। अगर ईशान किशन नहीं खेल पाते हैं तो सूर्यवंशी और सैमसन दोनों को मौका मिल सकता है।

राज्य स्तरीय अंडर-16 प्रतियोगिता में आयुष, आर्यन, प्रशांत के शतक

जयपुर, 12 सितम्बर। अलवर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, जोधपुर, करौली, हनुमानगढ़, टोंक, सीकर, भरतपुर, धौलपुर जीते), आयुष रविंद्र, आर्यन बघेल, प्रशांत चाहर, आर्यन सिंह के शतक, प्रणव वर्मा, अवि सुवालका, सुमित चौधरी, अमन तुरपानी के पांच विकेट। चूरू –अलवर मैच (अलवर जीती), बारां – बाड़मेर मैच (बाड़मेर जीती), पाली – भीलवाड़ा मैच (भीलवाड़ा जीती), अजमेर – जोधपुर मैच (जोधपुर जीती), जैसलमेर – करौली (करौली जीती), चित्तोड़ – हनुमानगढ़ मैच (हनुमानगढ़ जीती), टोंक – दौसा मैच (टोंक वीजेडी मेथड से जीती), सीकर – बांसवाड़ा (सीकर जीती), धौलपुर – डूंगरपुर मैच (धौलपुर जीती), भरतपुर – जालोर मैच (भरतपुर जीती)।

ईशान किशन की चोट से बढ़ी टीम इंडिया की टेंशन, बीच में छोड़ना पड़ा अभ्यास

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ सीरीज़ से पहले भारत के लिए एक चिंता की बात सामने आई है। दिल्ली में प्रैक्टिस सेशन के दौरान विकेटकीपर–बल्लेबाज़ ईशान किशन की पीठ में चोट लग गई, जिससे रविवार को होने वाले सीरीज़ के पहले मैच में उनके खेलने पर सवाल उठने लगे हैं। किशन को यह चोट नेट्स में नवदीप सैनी का सामना करते समय लगी। बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने नेट बॉलर के तौर पर गेंदबाज़ी कर रहे भारतीय तेज़ गेंदबाज़ की बाउंसर से बचने के लिए झुकने की कोशिश की, लेकिन तुरंत ही उन्हें तकलीफ़ महसूस हुई और उन्हें टीम के फ़िज़ियोथेरेपिस्ट की मदद लेनी पड़ी। यह घटना किशन के लगभग 45 मिनट के बैटिंग सेशन के आखिर में हुई। इसके बाद वह बैटिंग करने नहीं लौटे, हालांकि शुरुआती संकेतों से 13 सितंबर को अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले पहले 20 से पहले भारत को कुछ उम्मीद बंधी। खबरों के मुताबिक, इलाज के बाद किशन बिना किसी मदद के चल पा रहे थे। उन्होंने कुछ समय अपने साथियों के साथ आइस बॉक्स पर बैठकर बिताया और फिर खुद ही मैदान से बाहर चले गए। सेशन के बाद उन्हें सैनी से थोड़ी बातचीत करते हुए भी देखा गया, और उपलब्ध तस्वीरों से लगता है कि समस्या शायद गंभीर नहीं है।

नाइट पोलो का क्रेज बरकरार

जयपुर टीम ने जीता आरपीसी कप का खिताब

जयपुर, 12 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत शनिवार को आरपीसी कप– (4 गोल्स) टूर्नामेंट का फाइनल खेला गया। राजस्थान पोलो क्लब में दर्शकों की भारी संख्या के बीच नाईट पोलो का क्रेज बरकरार नज़र आया। टीम जयपुर और टीम ऑल स्टार्स के बीच खेले गए इस खिताबी मुकाबले में कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबले में टीम जयपुर 8 – 5.5 के स्कोर से टीम ऑल स्टार्स को शिकस्त देकर विजयी हुई। विजेता टीम जयपुर को मुख्य अतिथि आशिमा मल्होत्रा ने ट्रॉफी प्रदान की। टीम जयपुर की ओर से पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल दागे। कुलदीप सिंह राठौड़ और अक्षय मलिक ने 1–1 गोल हासिल किया। टीम से रुशिल नरूला भी मैदान में उतरे। वहीं, टीम ऑल स्टार्स से जुआन जोस अल्बर्डी ने 4 गोल और डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया। टीम में अशोक चांदना और डॉ. शिवांगी सिंह भी शामिल रहीं। यहां टीम ऑल स्टार्स को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ।

राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता के तीसरे दिन सब-जूनियर वर्ग के मुकाबले शुरू

श्रीगंगानगर, 12 सितंबर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में श्रीगंगानगर में आयोजित जूनियर एवं सब–जूनियर छात्र–छात्रा राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता–2026 के तीसरे दिन शनिवार को सब–जूनियर वर्ग के मुकाबले शुरू हुए। एच.डी. बिहाणी कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर आयोजित प्रतियोगिता में नन्हे तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सटीक निशानों से सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन सब–जूनियर वर्ग के क्वालीफिकेशन राउंड के साथ टीम इवेंट एवं मिक्स्ड टीम इवेंट के मुकाबले भी आयोजित किए गए।

राजस्थान क्रिकेट संघ की आगामी घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित कराने की मांग

श्रीगंगानगर, 12 सितंबर। जिला क्रिकेट संघ, श्रीगंगानगर द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के प्रशासक से राजस्थान की घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित कराने की मांग की गई है।

जिला क्रिकेट संघ द्वारा 11 सितंबर 2026 को राजस्थान क्रिकेट संघ के प्रशासक को भेजे गए प्रतिनिधित्व में बताया गया कि समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिली है कि राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा अंडर–23 पुरुष एवं अंडर–19 महिला वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन राजस्थान क्रिकेट संघ के 29 सितंबर 2026 को प्रस्तावित चुनाव के बाद कराने का निर्णय लिया गया है। प्रतिनिधित्व में बताया गया कि बीसीसीआई के क्रिकेट कैलेंडर के अनुसार अंडर–23 पुरुष वर्ग की कर्नल सी.के. नायडू प्रतियोगिता में राजस्थान का पहला मुकाबला 12 अक्टूबर 2026 को मोहाली में प्रस्तावित है तथा टीम को 9 अक्टूबर को जयपुर से रवाना होना है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन में लगभग 10 से 12 दिन का समय लगता है, जिसके बाद प्रशिक्षण आदि के उपरांत राज्य की टीम का चयन किया जाता है। ऐसे में यदि प्रतियोगिता का आयोजन आरसीए चुनाव तक स्थगित किया जाता है तो निर्धारित समय में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित कर टीम का चयन करना लगभग असंभव हो जाएगा।

इसी प्रकार अंडर–19 महिला टी–20 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता 9 अक्टूबर 2026 से चंडीगढ़ में प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टीम को 6 अक्टूबर 2026 को वेन्यू पर पहुंचना है। ऐसे में आरसीए चुनाव के बाद टीम का चयन करना भी व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होगा।

जिला क्रिकेट संघ ने अपने प्रतिनिधित्व में यह भी कहा है कि आरसीए के चुनाव एक निर्धारित प्रक्रिया है, जो प्रत्येक तीन वर्ष में आयोजित होते हैं। पूर्व में भी आरसीए चुनाव के दौरान राजस्थान की क्रिकेट गतिविधियों को रोका नहीं गया है। साथ ही प्रत्येक जिला क्रिकेट संघ में टीम चयन के लिए कोच, चयनकर्ता एवं अन्य पदाधिकारियों की व्यवस्था रहती है, जो सचिव की अनुपस्थिति में भी चयन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित कर सकते हैं।

सीकर को हरा जयपुर बना राज्य स्तरीय अंडर-19 डूंगरपुर शील्ड चैम्पियन, जयपुर की जीत में अभय, प्रखर चमके

जयपुर, 12 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर शील्ड प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेले गए फाइनल मैच में जयपुर के कप्तान अभय शर्मा व आल राउंडरप्रखर शर्मा के शानदार खेल की सहायता से जयपुर ने सीकर को 4 विकेट से हरा प्रतियोगिता की चैंपियन बनी । जयपुर – सीकर फाइनल मैच (जयपुर 4 विकेट से जीती), सीकर पारी 209 आल आउट। टीम के लिए दर्शन पचार 87, देवांश सिंह 50 रन। जयपुर के गेंदबाज प्रखर शर्मा 48 /5, अविनाश यादव

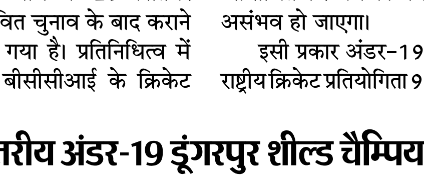

27 2 व प्रतीक चौधरी 38 /2 विकेट। जयपुर पारी 212 /6, जयपुर ने अभय शर्मा के शानदार अर्धशतक, शिफॉन खान व प्रखर शर्मा की साहसीपारियोंकी सहायता से टीम को जीत दिलाई, लक्ष्य का पीछा करते हुए जयपुर ने शानदार शुरुआत के बाद एक समय 84 रन पर 5 विकेट खो दिए थे, छटे विकेट के लिए कप्तान अभय शर्मा व आल राउंडरप्रखर शर्मा ने शानदार 97 रनोकी साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुँचाया। जयपुर के बल्लेबाज अभय शर्मा नाबाद 69, शिफॉन खान 48 व प्रखर शर्मा 48 रनोका योगदान दिया। सीकर के गेंदबाज देवेंद्र कुमार 37 /2 व आर्यन चौधरी 50 /2 विकेट।

सेवा संकल्प अभियान से परिवर्तन की गाथा नई पीढ़ी तक पहुँचाएँ- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यालय में "सेना संकल्प अभियान" की प्रदेश कार्यशाला में भाग लिया

जयपुर, 12 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से प्रदेशभर में "सेवा संकल्प अभियान-जन सेवा ही प्रभु सेवा" का शुभारंभ करेगी। अभियान की प्रदेश कार्यशाला शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित हुई। कार्यशाला में अभियान

■ **कार्यशाला में 17 सितंबर से शुरु होने वाले अभियान की विस्तृत रूपरेखा और तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह कार्यक्रम 3 प्रकल्पों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से प्रदेशभर में होने वाले "सेवा संकल्प अभियान-जन सेवा ही प्रभु सेवा" अभियान की तैयारियों को लेकर आयोजित हुई प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया।

की तैयारियों, कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक रूपरेखा को लेकर चर्चा की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें ऐसा नेतृत्व मिला है, जो जनकल्याण, गरीब, युवा, महिला और किसान के उत्थान तथा देश-दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाने की सोच के साथ राजनीति को सेवा का माध्यम मानकर कार्य कर रहा है। ऐसे सेवाभावी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व सदियों में मिलता है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद का भारत परिवर्तनकारी भारत रहा है, जबकि इससे पहले देश भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और आतंकवाद जैसी समस्याओं से घिरा हुआ था। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से इस परिवर्तन की गाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता भारतीय जनता पार्टी की ओर बड़ी उम्मीद से देखती है और हमें जनता की उस उम्मीद को पूरा करना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा परिवारवाद से परे हटकर "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" की भावना के साथ कार्य करती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि "सेवा संकल्प अभियान" के तहत 17 सितंबर से प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान की क्षेत्रीय प्रभारी, राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. कविता पाटीदार ने प्रदेश कार्यशाला में 17 सितंबर से शुरू होने वाले अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 13 प्रकल्पों के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डॉ. पाटीदार ने बताया कि अभियान का शुभारंभ "आशीर्वाद का दीया" कार्यक्रम से होगा। 17 सितंबर को शाम 7 बजे प्रत्येक घर, विशेषकर केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के चहुंमुखी विकास और सेवा की गाथा को प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक टोलियां बनाकर जन-जन तक पहुंचाना होगा। प्रत्येक अभियान में सरकार के मंत्रियों, भाजपा संगठन के पदाधिकारियों एवं संबंधित जिलों के सदस्यों को संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

उन्होंने बताया कि उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, दिया कुमारी, कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर, जोगाराम कुमावत, मंजू बाघमार, सुमित गोदारा, संजय शर्मा, सुरेश रावत, अविनाश गहलोत, गौतम दक एवं हेमंत मीणा सहित, भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों को विभिन्न अभियानों की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

कार्यशाला में मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, सांसद एवं "वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा" के राष्ट्रीय प्रभारी वी.डी. शर्मा तथा उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा मंच पर उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने किया।

पिथौरागढ़ में बैली ब्रिज बहा, चीन की सीमा से लगी घाटियों से सम्पर्क टूटा

नई दिल्ली, 12 सितंबर। देशभर में मौसम और भारी बारिश ने तबाही मचा रखी है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में कुलागाड़ नाले पर बना 170 फीट लंबा बैली ब्रिज तेज बहाव में बह गया है, जिससे चीन सीमा से लगी घाटियों का संपर्क टूट गया है। वहीं, छत्तीसगढ़ के

■ **बिहार में 47 लाख लोग बाढ़ की चपेट में, गंगा खतरे के निशान के ऊपर**

जांजगीर-चांपा में हसदेव नदी में सेल्फी लेने के चक्कर में 3 कॉलेज छात्र तेज बहाव में बह गए, जिनकी तलाश जारी है।

मैदानी इलाकों की बात करें तो यूपी और बिहार में बाढ़ से हाहाकार मचा है। बिहार में 47 लाख और यूपी में 4 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में हैं और गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। उधर, मौसम विभाग ने दिल्ली में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

पिथौरागढ़ में धारचूला के आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर गस्कू के पास अचानक पहाड़ी से बोल्डरों की बरसात होने से शुक्रवार को करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा था। पहाड़ी से लगातार बोल्डर गिरते देख मौके पर काम कर रहे जेसीबी ऑपरेटर ने सूझबूझ दिखाते हुए मशीन को तत्काल सुरक्षित स्थान पर हटा लिया। इससे बड़ा हादसा टल गया।

बिहार में बाढ़ से 15 जिलों में 47 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत, कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उत्तर प्रदेश के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। 21 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है।

भारत व ब्राज़ील को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता को रुस-चीन का समर्थन

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जारी नई दिल्ली घोषणापत्र में अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के पुनर्गठन की मांग की

नई दिल्ली, 12 सितंबर। भारत की अध्यक्षता में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शनिवार को 140 बिंदुओं वाला नई दिल्ली घोषणा पत्र जारी किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के पुनर्गठन की मांग करते हुए वैश्विक संस्थाओं में सुधार, एकतरफा दंडात्मक व्यापारिक प्रतिबंधों जैसे 'टैरिफ' को समाप्त करने, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व में असमानता दूर करने और संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद पर महिला एवं क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व की जरूरत पर जोर दिया गया। वीटो पावर वाले चीन और रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत तथा ब्राजील की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया है।

■ **ब्रिक्स देशों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून के विपरीत लगाये जाने वाले एकतरफा दंडात्मक उपायों और आर्थिक व द्वितीयक प्रतिबंधों की निन्दा की और कहा कि इसका असर आम आदमी के मानवाधिकार, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा व विकास के अधिकार पर पड़ता है।**

ब्रिक्स देशों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, सीमा पार आतंकवाद और आतंक के वित्तपोषण के खिलाफ कार्रवाई तथा अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र के व्यापक सम्मेलन को जल्द अपनाने की भी अपील की गई।

भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स नेताओं ने एकतरफा टैरिफ और व्यापारिक पाबंदियों पर चिंता जताई। कहा कि ऐसे कदम डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुरूप होने चाहिए। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, क्षेत्रीय संघर्षों और ग्लोबल साउथ की बढ़ती भूमिका के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और वैश्विक व्यापार व्यवस्था को मौजूदा आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाने की बात कही गई है।

ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत लगाए जाने वाले एकतरफा दंडात्मक उपायों और आर्थिक तथा द्वितीयक प्रतिबंधों की निंदा की। बयान में कहा गया कि इनका असर आम आबादी के मानवाधिकार, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और विकास के अधिकार पर पड़ता है तथा गरीब और कमजोर वर्ग अधिक प्रभावित होते हैं। ब्रिक्स ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना लगाए गए ऐसे प्रतिबंधों सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत सभी एकतरफा दंडात्मक उपायों को समाप्त करने की मांग की। व्यापार के मोर्चे पर नेताओं ने गैर-टैरिफ बाधाओं और भेदभावपूर्ण कार्बन शुल्कों पर चिंता जताई तथा वैश्विक व्यापार व्यवस्था को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। सीमा पार भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाने, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने और ब्रिक्स भुगतान कार्यबल की प्रगति का स्वागत किया गया। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए ब्रिक्स ग्रेन एक्सचेंज स्थापित करने की दिशा में हुई प्रगति की भी जानकारी दी गई। नए विकास बैंक के काम की सराहना करते हुए बुनियादी ढांचे और सतत विकास के वित्तपोषण को बढ़ाने पर जोर दिया गया।

हरीश रावत का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भर्ती बोर्ड और शिक्षा भर्ती बोर्ड सहित, भर्ती बोर्डों का गठन भी किया।"

रावत ने कहा, "अगर इस प्रक्रिया के दौरान नियुक्तियों के संबंध में हमारी ओर से कोई निर्णय संबंधी गलती हुई हो, तो मैं उत्तराखंड की जनता से माफी मांगता हूं। लेकिन मैं सम्मानपूर्वक अपने इस दावे को दोहराना चाहता हूं कि हमारे तीन साल के कार्यकाल के दौरान 42,000 से अधिक सरकारी पद भरे गए थे।"

रावत ने कहा कि यूकेएसएसएससी के अध्यक्ष के रुप में नियुक्त व्यक्ति का चयन उसके पिछले सेवा रिकॉर्ड के आधार पर किया गया था। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ शिकायतें मिलने के बाद उन्होंने खुद अध्यक्ष को हटा दिया था या उनसे इस्तीफा मांगा था।

उन्होंने कहा, अगर मैंने जानबूझकर या अनजाने में ऐसा कोई काम किया है, जिससे हमारे राज्य के युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है, तो मैं खुद को उसके लिए सजा का पात्र मानता हूं। ऐसी किसी भी चूक के लिए मैं उत्तराखंड की जनता से माफी मांगता हूं।

रावत ने सार्वजनिक अपील करते हुए कहा कि अगर किसी के पास नियुक्तियों या भर्ती प्रक्रियाओं में उनके हस्तक्षेप से जुड़े कोई सबूत हैं, तो उन्हें सीबीआई, ईडी या राज्य पुलिस को उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

यूक्रेन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(आरटी) के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस यूरोपीय देशों को धमकी नहीं दे रहा है और न ही ऐसा करने की उसकी कोई योजना है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन में यूरोपीय नाटो देशों की सैन्य मौजूदगी संघर्ष को रूस और पश्चिम के बीच सीधे टकराव में बदल सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ यूरोपीय देश यूक्रेन में सैनिक भेजने पर विचार कर रहे हैं। रूस पहले भी स्पष्ट कर चुका है कि सुरक्षा गारंटी या शांति मिशन के नाम पर नाटो देशों की यूक्रेन में सैन्य तैनाती स्वीकार्य नहीं होगी। पुतिन ने यूरोप की मौजूदा राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं के लिए पश्चिमी देशों के नेतृत्व की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि शीत युद्ध के बाद विदेश नीति, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े फैसलों में यूरोपीय नेताओं ने सिस्टम से जुड़ी कई गलतियां कीं, जिनका असर अब दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिमी नेतृत्व और वैश्विक अभिजात वर्ग को विश्वास हो गया था कि वे सत्ता और प्रभाव के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुके हैं और उनसे गलतियां नहीं हो सकतीं।

चीन की ग्वांगझोड -दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेहतर हवाई संपर्क ऐसे रिश्तों के लिए क्या कर सकता है, जो लंबे समय से भरोसे की भारी कमी से जूझ रहे हैं। 2020 के सीमा संकट के बाद कई वर्षों तक, कारोबारी यात्रियों, छात्रों, पर्यटकों और पेशेवरों को सीमित सीधी उड़ानों और तीसरे देशों के रास्ते लंबी और मुश्किल यात्राओं का सामना करना पड़ा। सीधी उड़ानों की बहाली से यात्रा का समय और परेशानियां, दोनों कम होंगी। इससे व्यापारिक गतिविधियों और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ने की संभावना है।

ग्वांगझोउ खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दक्षिणी चीन का प्रमुख व्यापारिक और मैन्यूफैक्चरिंग हब है तथा "पर्ल रिवर डेल्टा" क्षेत्र का एक बड़ा प्रवेश द्वार है।

बेहतर और आसान हवाई संपर्क से भारतीय कंपनियों और चीनी निर्माताओं, सप्लायरों तथा प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच संपर्क बढ़ सकता है। इससे पर्यटन, शिक्षा और प्रोफेशनल स्तर पर आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिल सकता है।

फिर भी, हवाई संपर्क की इस बहाली को इस बात के प्रमाण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए कि दोनों देशों के रणनीतिक मतभेद खत्म हो गए हैं। सीमा विवाद अभी भी सुलझा नहीं है, सैन्य तैनाती जारी है और संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी निवेश को लेकर भारत अभी भी सतर्क है। व्यापार भी काफी बढ़ा है, लेकिन व्यापार में असंतुलन और चीनी आयात पर निर्भरता अब भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है।

भारत और चीन के लिए हवाई कनैक्टिविटी रणनीतिक मतभेदों के समाधान का विकल्प नहीं है। लेकिन इससे ऐसा माहौल जरूर बन सकता है, जिसमें बातचीत, व्यापार और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क आसान हो। इसलिए इस उड़ान सेवा की बहाली एक छोटा, लेकिन स्पष्ट संकेत है कि दोनों एशियाई शक्तियां टकराव से हटकर सावधानीपूर्वक साथ रहने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

विधानसभा चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। इसलिए वह राजनीतिक रूप से तटस्थ नहीं रह सकता था। इसके अलावा इस्तीफा वापस लेने की अनुमति देने से उसे निरंतर सेवा में रहा हुआ माना जाता, जिसका मतलब यह होता की वह अपनी सेवा अवधि के दौरान राजनीतिक गतिविधियों में लिप्त माना जाता। जबकि 1964 के नियमों में प्रावधान है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक दल या संगठन से जुड़ा हुआ नहीं रहेगा।

जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश नीरज बिश्नोई की ओर से दायर याचिका को खारिज करते हुए दिए।

याचिका में नीरज विश्नोई ने कहा था कि वह उत्तर-पश्चिम रेलवे में सीनियर ऑडिटर के पद पर कार्यरत था। उसने विगत विधानसभा चुनाव लडने के लिए 10 अक्टूबर, 2023 को इस्तीफा दिया था और विभाग ने 1 नवंबर को उसे स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसने चूरू के रतनगढ विधानसभा सीट से बीएसपी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लडा, लेकिन वह हार गया। चुनाव परिणाम आने के बाद एक जनवरी को उसने इस्तीफा वापस लेने और सेवा में बहाली के लिए आवेदन दिया।

मायावती अपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समय लंदन में वकालत की पढ़ाई कर रही हैं। दीपिका के पिता आनंद कुमार बसपा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। उनकी गिनती पार्टी के ताकतवर नेताओं में होती है। आनंद कुमार पर्दे के पीछे काम करने वाले नेताओं में गिने जाते हैं। शनिवार को मायावती की ओर से दीपिका आनंद का नाम लिए जाने के बाद अब राजनीति में इस नाम की चर्चा तेज हो गई है।

यमन, सऊदी अरब की ओर देखता रहा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए एयर सपोर्ट देने की गुहार लगा रहा था। दूसरी ओर, सऊदी अरब के समर्थन वाली यमन सरकार भी सऊदी सेना से हस्तक्षेप करने और हूथी विद्रोहियों के हमले को रोकने के लिए एयर पावर देने की मांग कर रही थी।

लेकिन हूथी विद्रोहियों के समूह को रोकने की कोशिश करने के बजाय, वे दूर खड़े रहे और उन्होंने उंगली तक नहीं उठाई। विडंबना यह है कि जब मध्य पूर्व की स्थिति गंभीर संकट की ओर बढ़ रही थी, तब पूरे घटनाक्रम की शुरुआत करने वाले डॉनल्ड ट्रंप दुनिया के दूसरे हिस्सों में नए विवाद खड़े करने में व्यस्त थे। ट्रंप ने उत्तरी (कैथोलिक) आयरलैंड को दक्षिणी (प्रोटैस्टैंट-एंग्लिकन) आयरलैंड के साथ मिलाने की बात करके आयरलैंड के बंटवारे के विवादास्पद मुद्दे को फिर से हवा दे दी। इस विवाद के कारण दशकों तक हिंसा और खून-खराबा हुआ था।

अमेरिका या सऊदी अरब में से किसी भी पक्ष की ओर से कोई सहायता या सैन्य हस्तक्षेप नहीं आया, जबकि इनको हूथियों से यमन लोगों की रक्षा करनी थी। हूथी सेनाओं ने बिना किसी रोक-टोक के दक्षिणी यमन में आगे बढ़ते हुए तटीय बंदरगाह के साथ-साथ उस महत्वपूर्ण द्वीप पर भी कब्जा कर लिया, जो बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के बीच एक चौकी की तरह स्थित है।

यह महत्वपूर्ण स्थान लाल सागर से हिंद महासागर के व्यापक समुद्री क्षेत्र में आने-जाने के पूरे मार्ग पर नियंत्रण रखता है। यह मार्ग स्वेज नहर के जरिए एशिया और यूरोप को जोड़ने वाली मुख्य कड़ी है। ईरान व अमेरिका के बीच टकराव के कारण जब होर्मुज़ जलडमरूमध्य का वैकल्पिक रास्ता बंद हो गया, तब इस रास्ते का महत्व और बढ़ गया। इस समुद्री मार्ग पर किसी भी तरह की रूकावट से केवल तेल की आवाजाही ही प्रभावित नहीं होगी, बल्कि सामान्य माल की आवाजाही में भी समस्याएं पैदा होंगी। ईरान के समर्थन वाले हूथियों की तेजी से हुई इस कार्यवाही ने ईरानियों को समुद्री मार्ग पर बहुत ज्यादा नियंत्रण दे दिया है, जिससे पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में आपातकाल जैसी नई स्थिति पैदा हो गई है।

ब्रिक्स देश नाविक आपातकालीन सहायता नेटवर्क बनायें-मोदी

नई दिल्ली, 12 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान नाविकों की सुरक्षा के लिए ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच नाविक आपातकालीन सहायता नेटवर्क बनाने का प्रस्ताव रखा है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने ब्रिक्स देशों से समुद्री यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए समुद्री सुरक्षा नेटवर्क बनाने की बात कही।

आजमगढ़ में संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

लखनऊ, 12 सितंबर। उत्तर प्रदेश के एंटी टैरिरस्ट स्क्वॉड ने आजमगढ़ से एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन "अल कायदा इन इंडियन सब-कॉन्टिनेंट" की विचारधारा से प्रेरित और भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त है।

■ **वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल कायदा की गतिविधियों में लिप्त था।**

एटीएस ने शनिवार को जारी किए गए बयान में बताया कि आजमगढ़ जिले के ग्राम चितारा निवासी मोहम्मद नबील के मोबाइल फोन को कब्जे में लिया गया। उसके मोबाइल फोन की जांच में पाया गया कि वह अलकायदा के आतंकी अनवर उल अवलाकी की विचारधारा से प्रेरित है। उसके मोबाइल पर एक व्हाटसअप ग्रुप भी मिला है, जिसमें वह नये-नये लड़कों को जोड़ता था और उसमें जुड़े सदस्यों को वह मुजाहिद कहके संबोधित करता था। ग्रुप में आतंकी अनवर उल अवलाकी की लिखी किताब भी शेयर करते हुए उसे लोगों से पढ़ने की अपील की गई है। वह और भी कई ग्रुप में जुड़ा है, जिसमें मोहम्मद नबील ने दूसरे देश पाकिस्तान, तुर्की तथा बांग्लादेश में जाकर अपने मकसद को पूरा करने के लिए ट्रेनिंग एवं बम आदि बनाने की विधि से संबंधित वीडियो और अन्य चीजें बरामद की जा रही हैं। एटीएस की टीम अभियुक्त को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

मोदी-शी बातचीत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिर से मजबूत करने में रुचि रखता है।

सीधी हवाई सेवा की धीरे-धीरे बहाली और वीजा प्रतिबंधों में कुछ ढील देना इस प्रक्रिया के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। भारत और चीन के शहरों के बीच उड़ानों के फिर से शुरु होने से कारोबार, पर्यटन, शिक्षा और प्रोफेशनल स्तर पर लोगों की आवाजाही बढ़ सकती है, जिससे 2020 के बाद दोनों देशों के लोगों के बीच कमज़ोर हुए संपर्कों को फिर से मजबूत करने में मदद मिलेगी।

मोदी-शी बैठक का व्यापक महत्व इसके राजनीतिक संदेश में है। दोनों में से कोई भी पक्ष अपने रणनीतिक हितों या बुनियादी मतभेदों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिखता। इसके बजाय, जो नज़रिया उभर रहा है, वह "मैनेज्ड कॉम्पटिशन" (संभलकर की जाने वाली प्रतिस्पर्धा) का है, जिसमें मतभेदों को सीमित रखते हुए उन क्षेत्रों में सहयोग की कोशिश की जाती है, जहां दोनों के हित एक जैसे हैं।

शी की यात्रा, जो सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा है, इस बैठक को और महत्वपूर्ण बनाती है। इससे पता चलता है कि दोनों एशियाई शक्तियां उस रिश्ते को सुधारने के लिए राजनीतिक प्रयास करने को तैयार हैं, जो गलवान के बाद तेजी से बिगड़ा था।

हालांकि, भारत के लिए रिश्ते सामान्य होने का मतलब, पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना 2020 से पहले की स्थिति में लौटना नहीं हो सकता। नई दिल्ली यह सुनिश्चित करना चाहेगी कि बेहतर आर्थिक और कूटनीतिक रिश्तों को सीमा पर भी ठोस प्रगति का समर्थन मिले। वहीं, बीजिंग के लिए भारत का विश्वास दोबारा हासिल करने के लिए एलएसी पर लगातार शांति बनाए रखना और भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाना जरूरी होगा।

इसलिए मोदी-शी बैठक से कोई शानदार समझौता या ऐतिहासिक समाधान नहीं निकला है। इसका महत्व धीरे-धीरे होने वाले सुधारों में है। यह बैठक संबंधों में स्थिरता लाने की प्रक्रिया को मजबूत करती है और सीमा, व्यापार, संपर्क तथा द्विपक्षीय संबंधों के अन्य क्षेत्रों पर आगे बातचीत के लिए गुंजाइश बनाती है।

असली परीक्षा अब शुरू होती है। अगर मोदी और शी के बीच बनी राजनीतिक समझ एलएसी पर लगातार शांति, बेहतर आर्थिक लेन-देन और दोनों देशों के लोगों के बीच बढ़ते संपर्क में बदलती है, तो शनिवार की बैठक को भविष्य में भारत-चीन संबंधों में नए बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा सकता है।

सऊदी अरब ने कच्चे तेल की "ईस्ट -वेस्ट" पाइप लाइन बंद की

यह पाइप लाइन कच्चे तेल की आपूर्ति के लिये वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराती है

रियाद, 12 सितंबर। सऊदी अरब ने अपनी रणनीतिक 'ईस्ट-वैस्ट' कच्चे तेल की पाइपलाइन को एहतियाती तौर पर बंद कर दिया है। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक, इस पाइपलाइन को एक दिन पहले रियाद और मदीना क्षेत्रों में कई हमलों का निशाना बनाया गया था। हालांकि, मंत्रालय ने हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान नहीं बताई है और न पाइपलाइन को हुए नुकसान की जानकारी दी है।

■ **पाइप लाइन बंद करने का निर्णय ऐसे समय लिया गया है जब सऊदी अरब का तेल उत्पादन 1990 के बाद न्यूनतम स्तर पर है। दूसरी ओर सऊदी अरब तथा ओपेक के अन्य देश उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे थे।**

ईरान सरकार के अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के अनुसार, 'ईस्ट-वैस्ट' पाइपलाइन सऊदी अरब के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसकी क्षमता करीब 70 लाख बैरल प्रतिदिन है। यह देश के तेल क्षेत्रों को लाल सागर स्थित निर्यात टर्मिनलों से जोड़ती है और फारस की खाड़ी से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराती है।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ने के बाद इस पाइपलाइन की रणनीतिक अहमियत और बढ़ गई है। सऊदी अरामको के सीईओ अमीन नासिर ने पिछले महीने कहा था कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने के प्रभाव को कम करने में इस पाइपलाइन ने आपातकालीन तेल भंडार जारी करने की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सऊदी अरब के लाल सागर स्थित तेल निर्यात मार्ग पर भी दबाव बढ़ रहा है। यमन की ओर से सऊदी तेल ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों और समुद्री नाकेबंदी की घोषणा के बाद क्षेत्र में तेल परिवहन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

गौरतलब है कि जुलाई में यमन की सेना ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी की घोषणा करते हुए इसे घेराबंदी के बदले घेराबंदी की रणनीति बताया था।

पाइपलाइन बंद करने का फैसला ऐसे समय में आया है, जब सऊदी अरब के कच्चे तेल उत्पादन में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन ओपेक के अनुसार, अगस्त में सऊदी अरब का तेल उत्पादन घटकर करीब 62.4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि जुलाई में यह लगभग 81 लाख बैरल प्रतिदिन था। यह 1990 के बाद सऊदी तेल उत्पादन का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है। यह गिरावट ऐसे समय में हुई है, जब सऊदी अरब और ओपेक के अन्य देश तेल उत्पादन बढ़ाने की योजना पर आगे बढ़ रहे थे।

भाजपा ने दो चुनावों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पद के एकमात्र चेहरे के रूप में पेश करने से परहेज किया है। हालांकि वे सरकार का सबसे प्रमुख चेहरा बने हुए हैं और लगातार व्यापक जनसंपर्क कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, योगी आदित्यनाथ, राजनाथ सिंह और अन्य नेताओं को चुनाव प्रचार के चेहरों के रूप में गिनाया है, चुनाव के बाद मुख्यमंत्री के बारे में अंतिम फैसले का अधिकार संसदीय बोर्ड पर छोड़ा गया है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा के चुनाव प्रचार का मुख्य आधार "डबल इंजन" सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना, सुशासन, कानून-व्यवस्था में सुधार, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास और लाभार्थियों तक पहुंच बनाना होगा। 17 सितंबर से शुरू होने वाले एक महीने के "सेवा संकल्प" और "सुशासन" अभियानों के जरिए, इन संदेशों को 1.7 लाख से अधिक बूथों तक घर-घर पहुंचाया जाएगा। इन अभियानों में महिलाओं, युवाओं, जिनमें नई पीढ़ी (जैन ज़ैड) की चिंताएं भी शामिल हैं, किसानों और गरीबों को सरकारी योजनाओं से मिले लाभ को प्रमुखता से बताया जाएगा और विपक्ष के प्रचार का जवाब दिया जाएगा। जातिगत संतुलन को ध्यान में रखते हुए संगठन में नियुक्तियां करना भी पार्टी की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आने वाले हफ्तों और महीनों में भाजपा के कई बड़े नेता व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। योगी आदित्यनाथ प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए, अपने जिला दौरों को जारी रखेंगे। विनोद तावड़े समीक्षा दौरों पर जाएंगे, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और गृह मंत्री अमित शाह भी रैलियों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

"सेवा संकल्प" कार्यक्रमों में सेवा गतिविधियाँ, लाभार्थियों के साथ संवाद, सांस्कृतिक संपर्क और सड़क स्तर पर जनसंपर्क अभियान भी आयोजित किए जाएंगे।

विश्व हिंदू परिषद, भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अन्य संगठनों के साथ समन्वय बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन का विस्तार, स्थानीय स्तर पर पार्टी के प्रदर्शन की जानकारी जुटाना, कार्यकर्ताओं में अनुशासन और व्यापक जनसंपर्क अभियानों पर ध्यान केन्द्रित करना है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908